Anta an Usqua The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹io 35] No. 35] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 29, 1987 (भाद्रपद 7, 1909) NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 29, 1987 (BHADRA 7, 1909)

इस भाग में भिन्त पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order hat it m y be filed as a separate compilation)

भाग III ---खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय सतकता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1987

सं० 2/24/87-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त, एतब्द्वारा श्रायोग मे श्री सुरेन्द्र पाल, स्थायी अनुभाग अधिकारी को भ्रवर सचिव के पद पर वेतनमान रू० 3000-100-3500-125-4500 में 31-7-87 (पूर्वाह्न) से तद्यर्थ रूप से तीन माह की श्रवधि के लिए या श्रगले श्रादेश तक जो भी पहले ही, नियुक्त करते हैं।

क्रह्म दत्त, ग्रवर मनिव - क्रते केन्द्रीय मतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

पुलिस श्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रगस्त 1987

सं० 3/10/87-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, श्री योगेन्द्र पाल सिंह, ग्राई० पी० एस० (७० प्र० 1981) को 22 जुलाई, 1--20631/87 1987 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर पुलिस श्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली में सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

म्रार० एस • सहाय, उप निदेशक

महानिदेशालय

केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1987

स० ई-32015(4)/1/87-कार्मिक-1281---राष्ट्रपति, श्री जी० पी० गाधी को, श्रोन्नति पर, के० श्रौ० सु० व० यूनिट, बी० एच० ई० एल०, हरिद्वार में 29 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्न में नियमित श्राधार पर सहायक कमार्ण्डेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

(7855)

2 के॰ ग्रौ॰सु॰स॰ की दिनांक 13 मार्च, 1987 की मधि-सूजना सं॰ ई- 32015 (4) 1/87-कामिक-1 मे कम संख्या-2 पर दर्शाया गया श्री जी॰ पी॰ गांधी के नाम का एतद् ब्रारा लोग किया जाता है।

दिनांक 31 जुलाई, 1987

सं० ई-32015(4)/1/87-कार्मिक-1/72--राष्ट्रपति, श्री एष० एस० सिध को दिनांक 11 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्न से सहायक कमाण्डेंट (तदर्थ) के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट बी०एस०एल०, बोकारो के पद से निरीक्षक कार्यपालक के पद पर प्रत्यावर्तित करते हैं। निरीक्षक के कार्यपालक के रूप में प्रत्यावर्तिन होने पर उन्हें के० ग्रौ०सु० ब० यूनिट, ग्रार० एस० पी० राजरकेला में तैनात किया गया है।

महादिशक/के० घोस्य

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई विल्ली--110011, दिनांक 3 ग्रगस्त, 1987

सं० 11/10/87--प्रभा० I---राष्ट्रपित, भारत के महा-रिजस्ट्रार के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान प्रधिकारी डा० के० पी० इट्टामान को उसी कार्यालय में तारीख 27 जुलाई, 1987 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक पर्वान्ति द्वारा अस्थाई रूप से नियमति आधार पर उप महारिजस्ट्रार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. डा॰ के॰ पी॰ इट्टामन 2 वर्ष की भवधि के लिए परिवीकाधीन रहेंगे।
- 3. डा० के० पी० इट्टामन का मुख्यालय नई दिस्ली में होगा।

बी० एस० वर्मा, भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय सेवा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षा का कार्यालय नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 जुलाई, 1987

सं025-बा॰ले॰प॰-I 59-76- महालेखाकार (लेखा-परीका-) तमिल माडू मद्रास कार्यालय में कार्यरत श्री झार॰ सम्पत, लेखा परीक्षा ग्रीकारी (वाणिज्यक) घपनी अधिवर्षिता झामु श्राप्त करने पर 30-6-1987 (घपराह्न) से सरकारी सेवा ते निवृक्त हो गए।

> डी० एस० ग्रानन्द, सहायक नियंत्रक महालेखा परीक्षक

कार्यालय महालेखाकार (ले० एवं० ह०) प्रथम म०प्र० ग्वालियर

ग्बालियर, विनांक 24 जुलाई, 1987

सं॰ क-प्रशा॰ एक/ले॰ब्र॰/ प्रमोशन एफ नं॰ 65/ 164/705—महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम म॰प्र० ग्वालियर ने श्री ए० बी० लाल अनुभाग अधिकार (02/457) को आगामी आवेशों तक दिनांक 21-7-87 पूर्वा है, से स्थाना-पन्न स्थिति मे लेखा अधिकारी के पद पर रुपए 2375-7-3200-द० रो०-100-3500 के वेतनमान पर पदोन्नति किया

(प्राधिकार—महालेखाकार) (लेखा एवं हकदारी) ग्राम के भावेश विनांक 21-7-1987)।

> ह० ग्रपठनीये उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रका सेवाएं

नई दिल्ली 10001, दिनांक 30 जुलाई 1987 सं 1557/प्रशासन 130/86; — निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली निम्नलिखित श्रमुभाग श्रिष्ठकारियों (श्रांडिट) के उनके सामने श्रंकित तिथि के स्थानापन्त्र सहायक लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी के रूप में श्रगले श्रादेश परन्ति, सहर्षे नियुक्त करते हैं:--

करत	करत है:						
ऋ० सं०	नाम एवं पदनाम सर्वे श्री	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि				
1.	कंवल सिंह ग्रमुभाग ग्रधिकारी (आडिट)	सं०नि०ले ० प०, र०से०, (म०क०) मेरठ	24-4-87				
2.	एस०के०चोष —-वही—-	उप नि॰ले॰प॰ (मा॰फ़ै॰), जबलपुर	22-4-87 (भपराह्न)				
3.	वी०पी०म्रार० एस० रे ड ढी ──वही-──	ले०प०घ०, र०से० (जल सेमा) विशाखापटनम ।	20-4-87				
4.	एल ०उदयकीर, —-वही—-	सहायक नि०्ने०प०, र०्से० (वायु सेना) बंगलीर ।	20-4-87				
5.	सूरत सिंह, —वही—	सं०नि०ले०प०, र०से०, (प०क०) चण्डीगढ ।	23-4-87				
6.	एस०्के० गुलाठी —-वही-—	सं०नि०ले०प०, र०से० (वायु सेना), देहरादून	20-4-87				
7.	बी०के०विश्वास —-वही—-	सं०नि०ले०प०, र०से० (पू०क०), पटना ।	1-5-87				
8.	वी० ग्रशोकाराजू —वहीं	सं०नि०ले०प०, र०से० (जल से ना), बम्बई ।	20-4-87				
9.	एस०एन०प्रसाद —वही—	सं०नि०ले०प०, र०से० (द०क०), पूना ।	22-4-87				
10.	एस०के० चो घरी —वही—	सं० नि०ले०प०, र०से० (जल सेना), बम्बई	20-4-87				

The second secon		
1 2	3	4
11 कि०एस० सबाधिय —यही—	वस सं०ति०ले०प०, (व०क०),पूना	27-4-87
,´12. जी० रघोथमन —वही—	मुख्यालय, नई दिल्ली ।	16-4-87
13. ए स०ए० श्रग्रवाल —वही—	सं०नि०ले०प०, र०से० (वायु सेना), देहरादून ।	20-4-87
14. मूल चन्द गुप्ता .—वही—-	ले०प०ग्न०, र०से० (प०क०), दिल्ली कैंट ।	16-4-87
15. भाई ०एस० सवान —यही—-	ा सं०नि०ले०प०,र०मे० (वायु सेना), देहरादून ।	20-4-87

के० के० शर्मा, उप निवेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय भारतीय ग्रार्डिनेन्स फैक्टरियां सेवा ग्रार्डिनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 29 जुलाई, 1987

१० श्रपठनीय

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1987

सं० प्रo-1/1(340)—इस महािनदेशालय के उपमहा-निदेशक, श्री एस० वी० सुन्दरम निर्वतन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31जुलाई, 1987 के भपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एम० पी० बांगा, उप-निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनांक 29 जुलाई 1987

सं० 4002 बी/ए- 32013 (5- बीर० यॉति० मिभ०)/
80-19ए—राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के यांतिक मिथन्ता (किनष्ठ) श्री के० विश्वमभरण को यांतिक मिथन्ता (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 3000-4500 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, मागामी श्रादेश होने तक 19-6-87 के पूथाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

डी० के० गुप्ता, वरिष्ठ उप-महानिदेशक (कार्मिक)

विनांक 30 जुलाई 1987

सं० 4078 बी/ए० 19011. (1-डी० एन० एस०)/
86-19 ए--राष्ट्रपति जी श्री डी० एन० श्री निवासप्ता को
भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में
2200-75-2800-द० रो०-100-4000-६० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता सें, श्रागामी झादेश
होने तक 24-4-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 3 श्रगस्त 1987

सं० 4192 बी०/ए- 19012 (1-एस० के०)/86-19ए --भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री संजय कुम्ब-कर्णी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप से भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2000/- इ० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 2000-60-2300-इ० रो० 75-3200-100-3500 इ० के वेतनमान के वेतन में, स्थानापन्त क्षमता, में प्रागामी प्रादेश होने तक, 14-4-87 के प्रपराह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4205 बी/ए- 19012 (3-एस० एच०)/85-19 बी—- भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महाति देशक डा० संजय अग्रवाल को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में 2000-60-2300-द० रो०- 75- 3200- 100- 3500 रु० के बेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, प्रस्थायी क्षमता में, प्रागामी भादेश होने तक 27-5-1987 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4218बी/ए- 19012 (3-ए० के० एम०)/87-19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक (रमायन) श्री असीम कुमार मुखर्जी को सहायक रमायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60-2300- द० रो० 75-3200-100-3500 रु० के वेतमान के वेतन में, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 3-6-87 के पूर्वाह्न में पदोन्नित पर नियुक्त कर रहे हैं।

बी० के० गुप्ता, वरिष्ठ उपमहानिदेशक (कार्मिक)

विज्ञान श्रौर प्रांद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 3 ग्रगस्त 1987

सं० ए० - 12026 (1) /1/ 80ई०-I--- राष्ट्रवित भारतीय सिविल लेखा सेवा के श्री एम०मी० माथुर की प्रतिनियुक्ति भारत मौमम विज्ञा : विभाग में, सामाना केन्द्रीय सेवा ममूह "क" (राजपिति) में वित्त अधिकारी (वेत नमाय रु० 3700- 125- 4700- 150-5000- संशोधित) के पद पर दिनाक 13 जुलाई 1987 से दो वर्ष की श्रवधि के लिए बढ़ाते हैं।

एस० डी० एस० प्रस्वी, मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक, (प्रशासन और भण्डार)

परमाणु उर्जा विभाग इन्दिरा गांधी परमाणु प्रमुसंधान केन्द्र कपल्पाक्कम, दिनांक 28 जुलाई 1987

सं० ई० गां० प० छं० केन्द्र/पी०एफ०/137/87-प्रार/
1425-निदेशक, इन्दिरा गांधी परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, कल्पाक्कम इस प्रनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं इस केन्द्र के स्थानापन प्रवर् कोटि लिपिक श्री जोमफ दोरैराज को उसी केन्द्र मे 17 जुलाई, 1987 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश मिलने तक सहायक प्रशासनिक प्रधिकारी के पद पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करने हैं।

पी० वेणुगोपालन, प्रणासनिक अधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग इसरो : शार केन्द्र का० श्रीर सा० प्र० प्रभाग

श्रीहरिकोटा, दिनांक 25 जून 1987

सं० एम० सी० एक० पि० जी० ए०/स्थापना-III/2, 44— निदेशक शार केन्द्र एतद्दारा निम्मलिखित कर्मचारियों को पदोन्तिति द्वारा, स्थानापना क्षमता के रूप में, वैज्ञानिक/शंजीनियर एस० बी० के पद पर वेतनमान ६० 2000-६०- 2300- द० रो०- 75-3200- 100- 3500/- ६० प, शार केन्द्र, आ हरिकोटा में दिनांक 1-4-1987 से और अगले आदेश जेशी होने तक नियुक्त करते हैं ।

क्रम नाम सं०	पद _न ा म े
 श्रीमित एभ० उमादेवी श्री के० वेंकट णेपु श्री बी० ग्रशोक कुमार 	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी० वैज्ञानिक/इंजीनियरएस० बी० वैज्ञानिक/इंजीयिरएस०बी०

सं० एस० सी० एफ०/पी० जी० ए/स्थापना-111 2:44— निदेशक, शार केन्द्र एतद् ढारा निम्नलिखित कर्मचारियो को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर, स्थानापन्न क्षमता के रूप में, शार, केन्द्र श्री हरिकोटा में श्रंकित तारीखों से और श्रगले श्रादेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

क्रम नाम सं० सर्वश्री श्रीमति कुमारी	पदनाम	वेतनमान	ा नियुक्ति की तारीख
1. बी०वी० सुब्द्धा राव	वैज्ञा/इंजी० एस ० बी०	घ० 2000-60 2300- द० यो०-75- 3200-100- 3500	22-01-87
2. एल० श्री निवासुल	वर्हा	वही <i>-</i> -	29-1-87
3. राजेश्वरी एम ः ब नकर	बही	वही -	30-1-87
4 स्नार ० वेंकट- रामन	—–वर्हां—⊶	वही <i></i> -	30-1-87
5. डी० मुरली- धरन	वही	–बही	02-2-87
6. एम० निगार सुल्ताना	वही	वही	3-2-87
7. एन० जी० चन्द्रशेखर	-—वही- 	वही	4-2-87
8. एच० वी० एन० शास्त्री	 -वही-	ब ही -	4-2-87
 ग्रहा दुराई 	बही	—वही—	5-2-87

1 2	3	4	5
10 एक गौतम	ब्रही	वही <i></i> _	6-2-87
11. शर०मुरुगन	वही -	वही	12-3-87
स ० रवीन्द्र कुमार	⊸-बही	जही	12-3-87
13 सी० चन्द्रशेखर रेड्डी	वही	वह ी -	31-3-87
14. टॉमी जोसफ	~वही -	वही- - -	1-4-87
15. एन० राम० प्रसाद	वही	वही -	20-4-87
16 टी०एन० महेण	चह ी -	वही	6-5-87
17. के० श्री- निवासन	वही	वर्ही	20-2-87

पी० एस० नायर, प्रधान, कार्मिक और कृते निदेशक सामान्य प्रशासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक जुलाई 1987

स० 38013/1/ 87- ई० ए०—निदशक विमान क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय के श्री सी० पी० वर्धगाजन, विमानक्षेत्र ग्रिधि-कारी, जो राष्ट्रीय विमानपत्तनम प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर थे, सेवा निवृत्ति की श्राय प्राप्त कर लेने पर दिनाक 30-4-87 से साकारी यवा ने निवृत्त हो गए है।

स० 38013/ 1/ 87-ई० ए० — निदेणक विमानक्षेत्र, बम्बई के कार्यालय के श्री जे० एस० सेठी, विमानक्षेत्र श्रीधकारी, जो राष्ट्रीय विमानपत्तनम प्राधिकरण मे प्रतिनियुक्ति पर थे, सेवा-निवृत्ति की श्रायु प्राप्त कर लेन पर दिनाक 30-4-87 से सरकारी सेवा निवृत्त हो गए हैं।

स० 38013/ 1/ 87/ ई० ए० ——निदेशक, विमानक्षेत्र, दिल्ली के कार्यालय के श्री जे० डी० मिलक, विमानक्षेत्र श्रीधकारी जो राष्ट्रीय विमानपत्तनम प्राधिकरण मे प्रतितियुक्ति पर थ, सेवा निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनाक 30—4—87 मे सरकारी सेवा सं निवृत्त हो गए हैं।

्राम् । स्त्राई० सिंह, उप निदेशक प्रशासन

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश . इन्दीर इन्दौर, दिनाक 3 श्रगस्त, 1987

सं० 12/1987—- अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समूह, ''ख'' के पद पर पदोन्नति होने पर श्री बी० डी० यादव, निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शत्क ने दिनाक 20-7-87 (पूर्वाह्न) को अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग (विधि) इन्दौर का कार्यभार ग्रहण किया।

ना० राजा, समाहर्ना

केन्द्रीय उत्पाद मृत्क, ममाहर्ता, नागपुर नागपुर, दिनाक 29 जुलाई, 1987

स० 8/87—श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शृल्क, समूह "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर श्री श्रार० बी० जाधव, निरीक्षण न दिनाक 30—6—1987 का पूर्वाह्म में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एल्क, प्रभाग 1, नागपुर, का कार्यभार ग्रहण किया।

जीत राम कैत, उप समाहर्ता (कार्मिक एव स्थापना)

उद्योग तथा कम्पना कार्य मंद्रालय

(कम्पनी कार्यविभाग) कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ऋधिनियम, 1956 और राघवेन्द्रा, टैक्सटाईल प्रा० लि० के विषय मे

मद्राप, दिनाक 30 जुलाई, 1987

स० 7927/560 (5)/ 87—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि राधवेन्द्रा टैक्मटाईल प्रा० लि० का नाम श्राज रजिस्टर स काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर श्रद्यार डैटी प्रा० लि० के विषय में

मद्रास, दिनाक 30 ज्लाई, 1987

म० 5854/560(5)/87-- कम्पनी स्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के स्रनुसरण में एतद् द्वारा मूचना दी जानी है कि स्रड्यार डेटी प्राप्ति का नाम स्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पना विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 स्रौर गुडविल शुल्क केरियर लि० के विषय मे

मद्राम, दिनाक 30 जुलाई 1987

स० 5663/560(5)/37---कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की उपधारा 560 (5)के अनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि गुडविल बुल्क केरियर लि० का नाम खाज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 श्रौर डी० ए० डी० पेटी (इन्टर) प्रा० लि० के विषय में

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई, 1987

सं॰ 7445/560 (3)/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के ध्रनुसरण में एतदबारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ध्रवसर पर डी० ए० डी० पेटो (इन्टरनेशनल) प्रा० लि० के नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर रकाट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

डी० ग्रमर नाथ, कम्पनियों का से पक रजिस्टार , तमिलनो प्रकृषः वाद्^रेटी <u>। एक एक एक सम्मानमा</u>

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मंधीन सूचना

भारत करकार

कार्यासम्, सहायक मायकर माय्क्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे

पुण-37, विनांक 22 जुलाई 1987

निवेश सं० 37 जी/304/86-87---भ्रतः मुझे, ग्रंजनी क्मार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), का भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे० नं० 32 हिस्सा नं० 4 (पार्ट) और सर्वे० नं० 135 (पार्ट) 137 (पार्ट) 32 हिस्सा नं० 1 (पार्ट) घर नं० 189, 190, 191 के साथ है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 21-1-1987

की प्वोंक्त सम्मत्ति के अधित वाकार बुक्य से कम के अध्यक्षाय मित्रफल के लिए अम्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विकास करने का कारण हैं कि स्थाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित नावार पृष्ट्य, उसके क्रममान प्रतिकृत का गम्प्रह प्रतिकृत के अधिक हैं और मंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के श्रीच एते अन्तरण के जिए तब पामा गमा प्रतिकृत निम्निवित उद्देष्य से अवत अन्तरण निश्ति में श्रीकर क्य से कथित नहीं किया गमा है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- एथी किसी बाब वा किसी धन वा बन्त वास्तिवेरें को, विन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचल विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 भा 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपान में स्मिना विकास

कतः जब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-व के बनुसरण कों, मी, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व भी रूपभारा (1) को जधीन, निम्मलिखित व्यक्तिसम्, क्यांतु ४ श्री रमेश कच्चाराम श्रच्चारा और श्रन्य अच्चारा बिल्डिंग प्लाट नं० 83 के० एस० रोड सँमशन 17, एल्हास नगर, 3, थाना।

(ग्रन्तर्क)

 श्री राम कृष्ण एण्ड कम्पनी सी/ओ० खिलनमल सिस्मल ग्रागरा रोड, कस्याण जि० थाना।

(मन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्रांच्य ब्रंप्रीस के बर्जन के संबंध में कार्य भी नायांप ए----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिकों से में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपण में अकाकण की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हित-क्ष्म किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पाकरणः — इसमें प्रयूक्त घटा और रवाँ का, भी उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा वस हैं।

BITTE

, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रम 37 जी/304/86-87 जो 21-1-1987 को सब रजिस्ट्रार कल्याण के <mark>भाफिस</mark> में दाखिल किया गया है।

> भ्रंजनी कुमार् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना

सारी**ख:** 22-7-1987

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क के अधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, ध्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1987

निर्देश स० पी० श्रार० नं. 4495/1---श्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-रा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रा. से अधिक हैं

अर्गर जिसकी संख्या श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 4 एफ० पी० न० 100/6 जमीन है तथा जो क्षेत्रफल 605 वर्ग यार्ड + प्लीन्य मे स्थित है (और इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद मे रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-12-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान हित्रकल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरूफ द्रयमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का शदह प्रतिपत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक रूप से अधित नहीं किया गवा है के

- (क) अन्तरण से हुई कि कि आप की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आसित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के जिन्हें

बतः जब, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ए के जनुसरण मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— श्री सन्तोष कृमार उर्फ़ चन्द्रबदन
रिगरजायकर रायल,
'पूजा' रैया रोड, गाधी ग्राम, राजकोट2 जीवमार उर्फ नवीन चन्द्र
गिरजा शकर रायल,
नटराज निकेतन,
2, क्रिकेट बंगला रोड,
जामनगर।

(ग्रन्तरक)\

 चिराग एसोसियेगन चेयामैंन श्री दिलीप भाई रमनलाल पण्डया, 34, भुलाभाई पार्क, गीतामन्दिर रोड, ग्रहमद्राबाद-22।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीदर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याकरी के पास निवित में किए जा मुक्तेंचे।

स्वकातिकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में दिया यवा है।

प्रनुख्यों

अहमदाबाद टी॰ पी॰ एस॰ 4, एफ॰ पी॰ नं॰ 100/6, जमीन क्षेत्रफल 605 वर्ग यार्ड \pm एलीन्थ रिजस्ट्रेशन नं॰ 20661 और 20662 दिनांक 5-12-1986।

ए० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

विनोक: 7-7-1987

मोरहः

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आहु^र. टी ₁एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६। (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्र 🐠 तबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 7 ं अनुसाई 18/8/\$

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 4496/i-- भ्रत: मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उनते अपि अभियम' कहा गया हु), की धारा 269-ख के अभीन संक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्था अप सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5.,00,000/ त. से अधिक है

और जिसर्व भ संख्या श्रहमदक्तवाद टी० पी० एस० 28, एफ० पी० नं॰ $\mathbf{1}^{\prime}$ $_{4}$ 5, जमीन है। तथा जो क्षेत्रफल 1933 वर्गमीटर+^{कंस्र}्र**क्शन** उन परस्थित है (और इसके उपाबढ़ श्रनुसूची मं भीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के क्रायीलय श्रहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन 24-12-1986

ःको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रितिष्यल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित *ह्रास्त*िश्वकरूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाम की बाबत, उक्त जिथ-नियम के अभीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए д और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाक्किए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---2-216 GI/87

1. दहयाभाई पोचाभार्म और कर्ता मेरे 🗸 (एन) मगीर 🐃 **ार ए**चा० यू० एफ० के०, सर्गी **ारत** दहयाभाई, 🚜 श्रक्षियतल कुमार दह्याभाई की ओर से क्रुल मुख्तयार श्री दहयाभाई पोचाभाई श्रीमती रुखीबेन दहसाभाई पटेल, श्रीमती कैलाश बेन दहयाभाई पटेल, ाय खोडी यार सोसायटी,

- 2. जय मारुती को० ओ० हा० सोसायटी, प्रपोजड मुख्य ग्रार्गेनाइजर, श्री भीखाभाई रामदास पटेल, 10, श्री शिव नगर सोसायटी। नया बाडज श्रहमदाबाद। (भ्रन्तरिती)
- मारुती कारपोरेशन 10, शिवनगर, सोसायटी नया वाडज भ्रहमदाबाद।

नक वाडज, ग्रहमदाबाद।

(वह व्यक्ति जिसके बारें में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबाद्ध है)

-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति **के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीक से** 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीख** से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्थव्यक्रिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गाया है।

अनुसूची

श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 28, एफ० पी० नं. 145; जमीन क्षेत्रफल 1933 वर्ग मीटर+कंस्ट्रक्शन उन पर, रजिस्ट्रेशन नं० 21860 और 21852 दिनांक 24-12-1986।

> ए० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रें**ज**ः भ्रहमदाबाद

दिनांक: 7-7-1987

प्रकप साईं . हो . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के संधीन स्चना

बाहरा प्रतकार

भार्यालय, सहायक आयकर **आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेज, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 7 जुलाई 1987 सं० पी० आर० नं० 4497/I— अत: मुझे, ए० के० हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षण प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5.,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या अहमदाबाद टी० पी० एस० 22, एफ० पी० नं० 382, एम० पी० नं० है तथा जो 30, जमीन क्षेत्रफल 960 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1987

को पर्चोक्त यंपरित के उचित बाजार मध्य से कम के रूक्यमान परितफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार म्ल्य, उसके रूक्यमान प्रतिफल का पन्तुइ विश्वास करने कि स्थानन प्रतिफल का पन्तुइ विश्वास से शिवक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित कि विश्वास गया गया प्रतिफल निम्नितिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आव की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात्:—

श्री पंकज चीनूभाई पटवा,
 श्री तुषार चीनूभाई पटवा,
 र9, प्रीतमनगर, एलीसक्रिज,
 अहमदाबाद-6।

(अन्तरक)

पर्मवा एसोसियेशन,
चेयरमैन—-श्री भुयेन्द्र हरी लाल महेरा,

 सुमतीनाथ को ओ० हा० सोसाय&
 आनन्द नगर बस स्टाप के सामने,
 पालड़ी, अहमदाबाद-7।

(अ•ेरिती)

3. श्री चेतन भाई रमेश भाई शुक्ल नीलाबेन अलीनभाई नानापटी, 16 घपल सोसायटी विभाग नं० 1, नवरंगपुरा, अहमसाबाद-9।

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह मूचना जारों करके पूर्वीक्त सम्पंति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संयंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीच से 45 दिन की जनियं या तत्तंत्रंथी व्यक्तिकों पड़ स्थान की तामीस से 30 दिन की जनिय, जो भी। अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकिश क्यनित्यों में ही किसी स्थानच बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की स्वरीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कामा कोर्मीशयल क्रम्पाउन्ड

स्पन्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

बन्ध्यी

अहमदाबाद टी० पी० एस० 22, एफ० पी० नं० 382, एस० पी० नं० 30, जमीन क्षेत्रफल 960 वर्ग यार्ड, रिजस्ट्रेशन नं० 1218/23-1-1987।

> ए० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनाक: 7-7-1987

प्रक्रम बाह्", ट<u>ौ. पुन. पुन-व्य</u>क्त-स्वरूपन

बाधकः विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत बरुकार

क्श्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1987

सं० पी० आर० नं० 4492/I:—— अतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'जन्म अधिन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक हो

और जिसकी संख्या अहमदाबाद, टी० पी० एस० 2, एफ० पी० नं० 118 एस० पी० नं० हैं तथा जो 27-28, जमीन 1197 वर्ग यार्ड + कंट्रकशन में स्थित हैं। और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी में कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 03-1-1987

क्षेत्र प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्धवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्धयमान प्रतिफल से, एसे द्धयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) वन्तरण वं हुइ किसी बाव की वावत उक्त वीधिंगयम के वधीन कर दोने के बन्तरक को दावित्व में कमी करने वा उससे क्वने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूनिधा के जिन्ह;

अतः जब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- रस्मारलीया को० श्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, [10, खोजा सोसायटी, कॉकरीया रोड, अहमदाबाद-22।

(अन्तरक)

 फाउन्डेशन आगा खान, सी०/ओ० बदस्दीन आर्ट० मोरानी, 15 सी, सनाज, 90, एल० ओ० मार्ग, बम्बई-6।

(अन्तरिती)

को यह सुख्या जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति की अर्जन को शिए कार्यवाहमां शुरू करता हूं।

जनत सम्पर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्भष्टिकरण.—इसम⁻ प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुन्

अ हमदाबाद टी० पी० एस०-2, एफ० पी० नं० 118, एस० पी० नं० 27 और 28 जमीन क्षेत्रफल 1197 वर्ग यार्ड +कंस्ट्रक्शन रजिस्ट्रेशन न० 126/3-1-1987।

्र के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

विनाक: 23-6-1987

प्ररूप आई. टी. एन ु एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1987

सं० पी० आर० नं० 4493/I:-- क्तः मुझे, ए० के० सन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० अहमदाबाद टी० पी० एस० 14, एफ० पी० नं० 219, जमीन है तथा जो क्षेत्रफल 1000 वर्ग मीटर (1196 वर्ग यार्ख) में स्थित है और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिका कि कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-1-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रितिफल से एसे स्थमान प्रतफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—— होमी साक्षकशा तारापोर कामा कोमिशियल कम्पाउन्ड पैट्रोल पमा के सामने, मिरजापुर रोड, अहरण्दाबाव।

(प्तरक)

2. प्रभु पूजन को० ओ० हा० सोसायटी. मुख्य आर्गेनाइजर, श्री कनुभाई सोमाभाई पटेल, बी० नं० 6, मनोरथ सोसायटी, दफनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

ग्रनुसूची

अहमदाबाद टी० पी० एस० 14 एफ० पी० नं० 219 पैकी जमीन क्षेत्रफल 1000 वर्ग मीटर (1196 वर्ग यार्ड) रजिस्ट्रेशन नं० 992 (21-1-1987)।

> ए० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 23-6-1987

प्ररूप आईं टी. एनं. एस . -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1987 निर्डोश सं०पी० आर० नं० 4494/I :--अत मुझे, ए०के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मूख्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या अहमदाबाद टी० पी० एस० 21 एफ० पी०नं० 544 पैकी है। तथा जो जमीन क्षेत्रफल 697 वर्ग यार्ड + मकान उन पर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1987

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकारें) और अन्तरिती (अंन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से किथत नहीं निक्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीब कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात सं— श्री शान्तीलाल गोरधन दास महैता, श्रीमती बिमला गौरी शान्ती लाल महेता 'विश्रांती' मोना नगर सोसायटी के सामने, एस० एम० रोड, आंबापाड़ी, अहमदाबाद-15।

(अन्तरक)

श्रीं जगदीश चन्द्र जयशंकर शाह,
 श्री नवीनचन्द्र जयशंकर शाह,
 'विश्रांती', मोना नगर सोसायटी के सामने,
 'नागपुरा सोसायटी के पीछे,
 एस० एम० रोड, आंवापाड़ी,
 अहमदाबाद।

তা

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस .तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबव्धा किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासा लिसित में किए जा संकोंगे।

स्यव्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिक्रक गया हैं।

मन्सूची

अहमदाबाद टी० पी०एंस० 21 एफ० पी० नं० 544 पैकी जमीन क्षेत्रफल 697 वर्ग गार्ड+मकान उन पर, रजिस्ट्रेशन नं० 1718 और 1719 /03-2-1987।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 30-6-1987

प्रारूप आधै, टी. एन. एस.---

आयकर जिथिनिश्यमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--6, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 जुलाई 1987

निदोश सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू/ 6/3 ईई/ 11-86/102:--अतः मुझे, श्रीटी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो जी-79, प्रीत बिहार, दिल्ली-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में पूण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन तारीख नवस्थर 1986

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुर्द्ध किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायरिय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

श्री सी० पी० वर्गीज,
 ए-31 , इन्द्रा नगर,
 कोटयाम-686004 (केरल)।

सन्तरक)

 श्रीमती इन्दु लता पत्नी श्री प्रभु दयाल ंगबाला श्री राज गोपाल सुपुत श्री प्रभुवयाल रंगबाल.
 डी-1021, न्यू फ़ैंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी त्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूज़ी

हाउस प्रापर्टी नं० जी-79, प्रीत बिहार, दिल्ली-92 तादादी 570 वर्ग गज।

> टीं० के० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

दिनांक: 3-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बावकर प्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 जुलाई 1987

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/11-86/106:---भ्रत- मुझे, टी० के० साह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 4/24, ईस्ट पटेल नगर, नई दिस्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन तारीख नवस्वर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिद्यल विश्वास उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, कें, राक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री एच० टी० बोलाकनी, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। श्री ग्रनिल कुमार टी० बोलानंकी, 5-ए, हाई पीक ग्रपार्टमेंट 20-ए, स्वामी विवेकानन्द मार्ग, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

 क्रियेशन इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमि० 4-ई/15, झण्डेवालान एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ::---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की अविधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उचल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उचा अध्याव में विद्या गया है।

अमुभुची

4/24, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

विनांक: 3-7-1987

प्ररूप बाइं. टी. एत. एस.-----

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण)

ग्रर्जेन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1987

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/11-86/100:---म्रतः सुप्ते, टी० के० साह,

और जिसकी संख्या है तथा जो स्पेश नं० 11 से 20 विशाल ढावरू, प्लाट नं० 10 जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन तारीख नवम्बर 1986

कर्न पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्णित वाचार मूल्य से कान के इरवमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्हें इवयमान प्रतिफल से एसे इव्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और बारक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पामा गया ब्रिकंस निकालिका उक्षेप से उक्त अन्तरण लिक्ति में अन्तरीक कम स्पास के किया निकालिका उक्षेप से उक्त अन्तरण लिक्ति में अन्तरीक स्पास के किया निकालिका उक्षेप से किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किली जाग की वावक, उक्ट नियम के बधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे यखने में स्रीविया के लिए⊱ और/या
- (व) एंसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उच्का अधिनिवम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किना गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अधीत् ।:——

 मैसर्स प्रजय एण्टरप्राइसिस निमिः ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंग पुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स जगदीश राय सतीश कुमार, 19, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली-3।

(श्रन्दिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन क ए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के कर्यन के संबंध में कोई भी बाहीय :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वेक्ति में से किसी अयक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हिलबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिकित में किए जा सकारी।

ह्मक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विद्या गवा है।

No Table

स्पेश मं० 11 से 20 11वां खण्ड विभाल टायर, लगभग क्षेत्र 4953 वर्ग फीट प्लाट न० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

दिनांक: 3-7-1987

क्ष्म बाहु , बी., पुन्, एव , ----

भावकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के बचीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय , बद्दायक बायकर जायूक्त (जिर्रीकाण) ग्रर्ज रेज-6, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/6/37\$\$/11-86/101--श्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके एक्नात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारा है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- कः से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो स्पेश नं० 1 से 7, 10, विशाल टावर, प्लाट न० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र नई दिल्ली-1 में, स्थित है और इसमे उपाब अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन तारीख नवस्वर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृन्य से कम के क्रममान प्रतिकत्त के लिए मन्तरित की नहीं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार सून्य, असके क्ष्यमान प्रतिकत्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का पल्कह प्रतिशत्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिनितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया सास्तिविद्या रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) सन्तरण ते हुइ किसी बाव की बाबत, प्रवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/भा
- '(ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, ६ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयाजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया बाना चाहिए था, जिल्लाने में स्रीभदा की लिए

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3--216 GI/87

1 मैंसर्म अजय एण्टरप्राइसस लिमिटेड, ईरोज बिल्डिंग सिनेमा, जगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

मैसर्म जगदीण राय मतीण कुमार,
 19 गोल्फ लिंक, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विद्य कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :----

- (क) इस स्वा के रावपण में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की नविभ या तत्त्वंत्रंभी व्यक्तियों नह च्या की तामीस से 30 दिन की नविभ, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (व) इस बुन्ता के शास्त्रम् में प्रकार्य की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित-वसूष् किसी सम्य न्यानित स्वारा, अपोहस्ताक्षरी के शास विविद्य में किश्र वा सकते ।

त्वक्टीकरण: ----इतमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, जो प्रवस विधिक नियम के बच्चाय 20-क में परिकालित हैं, बहुी वर्ष डोगा, वो उस बच्चाय में दिया कथा हैं.

यनस्पी

स्पेश नं० 1 मे 10 तक 11वां खण्ड, विशाल टावर, लगभग क्षेत्र 4988 वर्ग फीट प्लाट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, दिल्ली

दिनां: 3-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज-6, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 जुलाई 1987

निदेण सं० आई० ए० सी०/एवय/6/37ईई/11-86/104--अत. मुझे, टी० के० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो ई-9, नारायणा बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), सक्षम अधिकारों के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, तारीख नवम्बर 1986

क्षां पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यं में कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यं, उसके दश्यमान प्रतिफल का एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से क्षिथत नहीं किया गया हैं:——

- ंक) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करनं या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एची किसी बाग या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धनकर विधिनियम का धनकर विधिनियम का 1957 (1957 का 27) के प्याप्त को बन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया क्या का बाह्य था किया ने में सुविधा के लिए,

 श्री अवतार मिह, कत्ती अवते (र सिह एण्ड सन्स, (एच० यू० एफ०), सी-3, चिराग एनक्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. ललित गुप्ता, कर्ता ललित गुप्ता एच ्यू एफ॰, 4764, डिप्टीगंज, सदर बाजार, बिल्ली।

(अन्तो√ी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवित्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ई-9, नारायणा बिहार, नई दिल्ली सिंगल स्टोरी विल्टिंग अप हाउस ।

> टी० के० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्गन रेज-६, दिल्ली

दिनांक: 3-7-1987

मोहर:

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की जीन, निम्निकिस्त व्यक्तियों, अर्थात :--- भारत्य मार्व . टी. एन . एस . -----

ৰাথকা সম্পিনিম্ম, 1961 (1961 का 43) की খাবে 269-व (1) के स्पीत स्पना

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक धायक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-6, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनाक 3 जुलाई 1987 स० आई० ए० सी०/एक्यॄ/6/37ईई/11-86/103:---अतः मुक्षे, टी० के० साह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सख्या वी-5/3, है तथा जो ग्रुप हार्जिसम आवासीय काम्पलेक्स, 9, राजनारायण रोड, सिविल लाईन्स, दिल्लो-1 में स्थित (है और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख नवम्बर, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान पितृष्ण के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के उन्हें प्रीचिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्षी (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योग के बन्यपुक को यावित्य में कभी करने या उनसे वचने में स्थित। वी किए; क्ष्रीर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को चिन्हें प्रस्तीय बायकर विपिन्दिक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री रघुराज बहादुर श्री राजेश बहादुर, श्रीमती श्रीलाधर, श्री अग्निवधर और श्री माधवघर 9-राजनारयण रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली।

(अन्तरक)

थी अशोक ग्रोवर,
 बी-161, गुजरावाला टाउन-1,
 दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

चनत सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ::---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविभि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद मा समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्वांक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से , 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कत में किए या सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया पना है।

नगुसूची

फ्लैट नं० बी5/3, दूसरा खण्ड, ब्लाक नं० बी-5, ग्रुप् , हाउमिंग आवामीय गाम्पलेक्स, $9\sim$ राजनारायण रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054।

टी० के० माह,
सक्षम द्राधिकारी,
सहायक आयंकर आयुक्त निरीक्षण),
अर्जन रेज-6, दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

दिनाक: 3-7-1987

मोहरः र

SAFE SECURE SECTION

प्रस्य बाइ. टी., एम. एस.,======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेज-6 नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 जुलाई 1987 सं० आई ए० सी०/एक्यू/७/37ईई/11-86/105.— अत. मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-स के अभीन सभग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उपित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सख्या 17 ए/58, है तथा जो डब्ल्यू० इ ए, करोलवाग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख नवम्बर, 1986

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अकरण तं हुई फिली चार की बायक, छन्द ऑपिनियय के अभीन कर वाने के बन्तरक के दायित्य या कारी करने या उससे बच्चे में सुविष्या के लिए; कार्युशां
- (च) एसी किसी आयु या किसी भन या जन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर विभिन्निय, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम या व्यक्त अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ बंदरिसी बुवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए था कियाचे में कृषिभा वी दिवस्त

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण बं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- बिश्वा मोहिमी राजपाल
 17 ए/58अ डब्ल्यू इ ए, करोल बोन,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. श्री सतपाल धीर ${}_{\parallel}2$. श्री नरेन्द्र कुमार धीर ${}_{\parallel}3$. श्री विरेन्द्र कुमार धीर ${}_{\parallel}16/17$ वी, टेगोर नगर, सिविल लाइन, लुधियानम (पंजाब) ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हु।

उत्कत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस ध्या के राजपत्र में प्रकाधन की तारांच छैं 45 विन की अविध मा तरक्षम्बन्धी व्यक्तियों पड़ ध्यान की तामील से 30 विन की ब्रह्मीय, तो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के मातर प्रिक्ष व्यक्तियों मा संकित्त क्यों ज द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण: ----द्रशमी प्रमुक्त श्रम्या और पंती का, जो उक्त निवस के कथ्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, हैं, नहीं नर्थ हात्रा जी उस अध्यय मां द्रश्य नया है।

अनुसूची

17ए/58, डब्ल्यू०इए, करोलबाग, नई दिल्ली।

टी० के० साह, सक्षम अधिकारी, महायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),, अर्जन रेज, नई दिल्ली-110002

दिनांक 3-7-1987

मिहर:

श्रेरम बार्षः सी_ल पुष_ः पुष_ल क्लान्स्य

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बभीन त्वनी

हरत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज 6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987

सं० आर्थ० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/11--86/97:--अत: मुझे, टी० के• न्याह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उपस अधिनियम' कहा गया ही; की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, विस्था उचित बाबार भूक्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० बी/17-18, है तथा जो मल्कागंज, दिल्ली-7 में स्थित है (और इससे उपामक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन नारीख नम्बस्बर, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मृत्य ते कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह. विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाधार करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाधार क्या उसके स्पयमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल स्थ पंद्र प्रतिशात से अधिक है और अन्तर्क (अंतरक़ों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के जिए तम पाया यथा प्रति क्या प्रस्का किया विश्व से क्या कारण विश्व से वाक्यितिक से वाक्यितिक से वाक्यितिक स्थान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या नव्य विश्वित्यम, श्राप्त विश्वित्यम, श्राप्त विश्वित्यम, श्राप्त विश्वित्यम, श्राप्त विश्वित्यम, १७५७ (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरती हुवार प्रकट नहीं किया ग्राप्त था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में श्रीवा छ जिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की, अनसरण को. मी, उक्त विधिनियमं की भारा 269-मं की उपधार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :— बुज भूषण,
 बी-1-17-18, मल्कागंज,
 दिल्ली-7

(अन्तरक)

2. श्री डी० बी० अनेजा, श्री एस० के० अरीड़ा, सी--2/27-28, मल्का गज,

(अन्तरिती)

वर्ष पह पुत्रना जारी करके पूर्वोच्छ स्मृतिस से सर्वाध जो जिए कार्यवाहियां करता हो।

रम्य सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में खोड़ें भी मासोह:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी किंदी साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अवस स्थावर सम्पान्त में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए वा सकी ।

वन्सूची

बी 1/17-18, मल्कागंज, दिल्ली ।

टी० के० साह, सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, दिल्ली 110002

दिनांक: 3-7-1987

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, नई दिल्ली दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/37ईई/11-86/98:--अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेश नं० 1 से 7 तक, 10वां खण्ड विशाल टाबर, लगभग क्षेत्र 3210 वर्ग फीट प्लाट नं० 10 जनकपुरी जिला केन्द्र, नई विल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख़ नवम्बर, 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक, (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तिय. को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैंसर्स अजय इन्टर प्राइसिज लिम्ि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-14।

(अन्तरक)

मैंसर्स जगदीश राय सतीश कूमार,
 19 डेस्फ लिंक,
 नई दिल्ली—110003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति केंअर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 1 से 7 तक 10वां खण्ड, विशाल टाबर, लगभग क्षेत्र 3210 वर्ग फीट प्लॉट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० माह, सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नई दिल्ली

दिनांक: 3-7-1987

प्रकष भाषे. टी. एत. एस. -----

आयम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-6, नई विल्ली

्रॅंसई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/11-86/99— अतः मझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेक नं० 8 मे 15, 10वां खण्ड, विशाल टावर, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन तारीख नवम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उपयमान प्रतिफल से ऐसे उपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकीं) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्वं में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सूर्विधा के लिए;

अत: इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अधीत :— मैसर्स अजय एण्टरप्राइसिस लिमि० ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री जगदीश राय सतीश कुमार
 19 गोल्ड लिंक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिण .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

स्पेश नं० 8 से 15, 10वां खण्ड, विशाल टावर, लगभग क्षेत्र 4358, वर्ग फीट, प्लॉट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० शाह, सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक: 3-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/11-86/204:— अतः, मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 108, प्लॉट नं० 26, राजिन्द्रा प्लेस, नई फिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन तारीख नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्हेश्य से उसत अन्तरण मिसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्वत अधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएं था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—- मैसर्स बैलेज एडवर्टाइजिंग (दिल्ली) प्रा० लिमि० हिमालय हाउस, 10 वां खण्ड, 23, कप्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं जिड़ेट ट्रेवल एण्ड टूर्स प्रा० लि० 14 जयन्त अपार्टमेंटस, धरातल खण्ड, भादेवी, बम्बई-400025।

(अन्तरिते)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिता में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

प्रगति टाबरस, प्लैट नं० 108, प्लॉट नं० 26, राजिन्द्रा प्लैस, नई दिल्ली-110008।

> टी० के० जाह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 3-7-1987

THE ST .. ILD MAD REPRESENTATION

बाधकर व्यपिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाध स्थाप 269-न (1) के बधीन सूत्रवा

भारत सरकार

/कांवलिय, सहायक जायकर जामूनक (निर्**क्षिक**)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987

सं ॰ आई ॰ ए ॰ सी ॰ /एक्यू / ६/ ३७६६ / 11-86 / 205:--- अतः, मुझे, टी के ॰ शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्त, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 109, प्लॉट नं० 20, राजिन्द्रा प्लेस है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सबस्थर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह निक्वास करन का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल सं, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य के उच्च अंतरण निचित में बास्कविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (को अन्यस्य वे क्षेत्र कियों यान की बायका अन्य अधिनियम् के स्थीत कार वेथे में ब्याहरू ही वानित्य में क्यों करने वा बनने वान में स्थित। के विद्यु: अप्रि/का
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय नाथ-कर अधिनियम, 1922 हैं (1922 का 11) वा उच्छ निधियम, वा वन्-कर अधिनियम, वा वन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में ब्रोधवार्थ अन्यरिती द्वारा अकट नहीं किया वचा या वा किया थाना लाहिए था, कियाने को हविथा में विकास में किया

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अधित्:-----

 मैं० बैलेज एक्वरटाइजिंग (दिल्ली) प्रा० लि० हिमालय हाउस, दसवां खंड, हिमालय हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स तिडेंट ट्रेबल एण्ड दूस प्रा॰ लिमि॰ 14, जयन्त अपार्टमेंट, धरातल खण्ड, प्रभादेवी, बम्बई-400025।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्परित के अर्थन के सिप् कार्यवाहियां करता हूं 1)

क्ष्मत सम्मत्ति को अर्थन् को संबंध को कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नवीं , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (व) इस ब्यमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के शीतर उन्तर स्थायर सम्मत्ति में हिन्द- सृष्ट्र किसी जन्म स्थानित स्थारा, न्योहस्ताशारी में वाद सिवित में किए या स्केंने।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कर्ष्यां और पर्वो का, जो उत्तरा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिसः कर्ष हैं।

नपृष्टी

प्रगति टायर्स, फ्लैंट नं० 109, प्लॉट नं 26, राजिन्द्रा प्लेस, नई किल्ली।

> टी० के० शाह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नई दिल्ली

दिनांक: 3→7-1987

प्रसम्प आई. टी. एन. एस .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आवकर आयक्त (निरीक्षण)

4/14 ए, आसफअली रीड

श्रजीन रेंजा नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987 निवेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/11-86/206'---भ्रत: मुझे, टी० के० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिक्र्यास करने जा कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित गाजार मूल्य 5,00,000/- रापये से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या पर्लैट नं० 107, प्लाट नं० 26, राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपायक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन तारीख नवम्बर 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के धन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्विध्य से दक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किथा गवा है:---

- (क) अन्तरण से बुद्दे किसी बाय की बायत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकष्ट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीतः :---- मैसस बैलेज एडवरटाइजिंग (दिल्ली) प्रा० लि० हिमालय हाउस, 10वां खण्ड, 23, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

∖(भ्रन्तरक)

3 विडेट ट्रेबल एण्ड टुरस प्रा० लि० 14, जयन्त धपार्टमेंट, धरातल खण्ड, प्रभादेवी, बम्बई-400025।

(ग्रन्तरिक्)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्पत्ति की अर्जन के । तक् कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

नन्स्यी

प्रगति टावर्स, पसैट नं ० 107, प्लाट नं ० 26, राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

> ंटी० के० साह ूसक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-6, नई दिल्ली-110001

दिनांक: 3-7-1987

प्ररूप बाह्य हो, एवं एवं,, हन्नन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

तारत बरकार

क्रांबाबन, बद्दानक बावकार बावका (विद्रीयकरें

4/14ए, आयफ अली रोड भ्रजन रेंज-6, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987 -

निदेश सं० स्नाई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/11-86/207:---स्नत: मुझे, टी े के० साह,

कावकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विचे इसके इसके पश्चात् 'उबस अधिनियस कहा गया है), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या स्पेश नं०

8, सातवां खंड, विशाल टावर्म, जनकपुरी जिला कैन्द्र, शर्द्द दिल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय भायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन तारीख नवस्वर 1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कनी सूरर या उक्क वचने में स्थिया व सिए; मार्ट्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें ब्रारतीय वायक किसिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत वीधनियम, या धन-कर वीधनियम, या धन-कर वीधनियम, 1957 (1957 का 27) के व्याक्तार्थ करतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवास्त या किया जाना वाविष् था, जिपाने में सुविधा के विद्

जह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् क्ष

 मैसर्स श्रजय एण्टरप्राइसिस लिमि०, ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

 सेंठ कंस्ट्रमणन कम्पनी, 98, फार्म लैण्ड, रामवास पेप्ह, नागपुर।

(भन्तरिती)

भी नह स्थान कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से सर्वन के जिल् कार्यनाहियां करता हो।

राक्त रंकरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बार्क्स ह—-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति ब्यादा अभोहस्ताक्षरी के पाथ चित्रत में किए वा सकते।

स्थळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

क्यकी

स्पेस नं 8, 7वाँ खण्ड, विशाल टावर्स लगभग क्षत्र 599, वर्ग फीट प्लाट नं 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० सा**इ** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 3-7-1987

मोहरः

प्रकथ आहे . बी. पुर . पुर . ------

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 48) जी धारा 269 ए (1) जी मधीन सूचना

प्रान्त तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1987

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परभार किन किन विभिनयम कहा प्रभा हैं), की भारा 269-व के अभीन संसम प्रामिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति विश्वका उचित बाबार मूल्य 5,00,000/- राजसे विभिक्त है

5,00,000// रु. से आंध्रक है.

श्रीर जिसकी संख्या स्पेस नं० 7, 7वां खण्ड, विशाल टावरस,
नं० 10, जनकपुरी, जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित हैं

(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), सक्षम
श्रिष्ठकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम 1961
की धारा 269 क ख के श्रिष्ठीन, तारीख नवस्वर, 1986
को पूर्वोक्त सम्पिक जेजित बाजार मूल्य से कम के खरमान
श्रिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास
करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके खरमान प्रतिकल से, ऐसे खरमान प्रतिकल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया
गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण निस्तत

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण वं हुई किसी गांव की वावत अक्त वाध-विवास से अधीय कह वोदे में सन्तुष्टक में वामित्य के कृती करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/का
- (क) एसी किनी नाम वा किसी वन या निम्म नास्तियों की, किन्हें भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या शत-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के विष्

जत. अस, उचत अधिनियम की धारा 269-व के अनूसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत् क्ष- भ्रजय इंटर प्राइजिज लिमिटेड इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स सेठ कंद्रवशन कम्पनी 98, फार्म लैण्ड, राम दास पेप्ह, नागपुर।

(श्रन्तिभा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की वर्तीय कृ खिक कार्ययाहियां करता हुं।

एक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाधीप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हूवाए;
- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की लारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित
 क्ष्मप किसी जन्य स्थिति ब्वारा वभोहस्ताक्षरी के
 पास निवित्त में किए वा सक्षेत्रो।

स्काकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का , ज़र क्था वृधिनियम, के वध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस मध्याय में विदा गया है।

वनुसूची

स्पेस नं० 6, 7वां खण्ड, विशाल टावरस, लगभग क्षेत्र 247 वर्ग फीट प्लाट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

टी० के० माह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-6, दिल्ली

विनांक: 3-7-1987

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर बरिवर्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 6, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जलाई, 1987 सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6 37ईई/11-86/209---अतः मझे, टी० के० साष्ट्र,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 5.00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या स्पेस नं० 10, 7वां खण्ड, विशाल टायरस, 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली है (श्रीर जो इससे उपांबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण खप से वर्णित है), सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रीयकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रीधीन नथम्बर, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नलिखित उद्देष्य से उक्स अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

भतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-गः के अनुसरण माँ, मीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-गं की उपधारः (1) के अधीन, निम्म्सिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स ० प्रणय इंटरप्राइसिस लिमि० ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई विल्ली।

(श्रन्सरक)

 सेठ कंस्ट्रवशन, कम्पनी 98, फ़ार्म लैण्ड, रामवास पेप्ह, नागपुर।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पत्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2'0-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया हैं।

अनसची

स्पेस नं 10, 7वां खण्ड, विशाल टावर, लगभग क्षेत्र 342 वर्ग फीट, प्लाट नं 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> ्टी० के० शाह सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नरीक्षण) ग्रार्थन रेंज, नई दिल्ली

विनोक: 3-7-1987

क्ष्म बाहे_ल ब्रीज हरू हुए अस्तान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीम कुम्बा

बारत सरकार

कार्यात्रक, सहापक नायकर नायक (निर्देशक) अर्जन रेज-6; नहीं विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1987 सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/11-86/210:--म्रतः मुमे, टी० के० साह,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नक्कात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया ह"), की भारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित-बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. में अधिक हैं।

और जिसकी संख्या स्पेश नं० 7, है तथा जो सातनां खण्ड, विशाल टानर, प्लाट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), मक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार नृत्व से क्य के स्वयंत्र प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के पिए क्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण है हुए किसी आप की शक्त , धक्य जिथिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविभा वै विश्व और श्री
- (थ) एसी किसी आंग या किसी भन या जन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या जान अधिनियम, वा चय- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सनिभा चै किया

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मैसर्भ भजय एण्टरप्राइसिस लिमि० ६ श्रोज सिनेमा बिल्डिंग जंगपुर एक्सटेंगन, नई दिल्ली।

(झम्तरक)

मैसर्स सेठ' एसोसियेटस,
 98, फार्म लैंड, रामबास पेप्ह,
 नागपुर।

(न्तरिती)

को यह सूचना जारी कर को पूर्विक्त संस्थिति की अर्जन को किए कार्यगाहियां करता हूं।

बक्द कमरित में मर्थन के संत्र हैं कोई की मार्थन हैं

- (क) इंस सुचना की राजवंज में प्रकाशन की तारीज से 45 जिन की अवशिष मां तत्सार परी स्विधितयों पर सूजना की तानीए से 30 जिन का अवधि, जो भी अवधि नाद र संनापत होती हो, के प्रतिष्ठ पूर्वीचत स्विधार्थों में सि किसी स्विधा श्रुवाद्या;
- (क) इस तुका के राजपत्त में प्रकादन की तारीब से 45 विन के श्रीतार उक्त स्थाधार सम्पत्ति में हितवद्यं किसी अन्य व्यक्ति द्यारा। अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा सर्वेगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो. उक्त विविवयम, के सभ्याय 20-क में एरिभाचित हैं कहीं बर्ज होगा, वो उस सभ्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

स्पेश नं० 7, 7वां खण्ड विशाल टावर, लगभग क्षेत्र 372 वर्ग फीट, प्लाट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्रश्लिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 6 विल्ली

ता**रीख** ३ '3-7-1987 ं मोहर : प्रस्प बाई.टी.एन्.एब.-----

आयकर अधिनिहम, 1961 (1961 का 43) की धारा :69-व (1) के बधीन सूचमा

भारत सुरकार

क्रमण्डला, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन ऱेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1987

सं॰ म्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू/6/37ईई/11-86/211:--

मतः मुझे, टी० के० साह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेश नं० 9, है तथा जो सातवां खण्ड, विशास टाकर, लगभग क्षेत्र 599 वर्ग फीट, प्लाट नं० 10, जनकपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम ग्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन, तारीख नवस्वर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतौरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिक्षा (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया वितिक निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आम की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या अससे वजने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गंगा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के किए;

सतः अय, उपत अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण भें, भें, उपत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स ग्रजय एण्टरप्राइसिस लिप्ति । ईरोज सिनेमा बिल्डिंग जंगपुरा एषसटेंगन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स सेठ कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
 98, फार्म लैंड, रामदास पेप्ह,
 नागपुर।

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संवत्ति को अर्थान को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अविधि, जांधी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींच्छ व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें , 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-पित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जंगु**स्**ची

स्पेश नं० 9, सातवां खण्ड प्लाट नं० 10, लगभग क्षेत्र 599, वर्ग फीट विशास टावर, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

> टी ० के० साह, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 3-7-1987

प्ररूप बार्ड, टी. एन, एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

. प्रार्जन रेंज 3 दिल्ली मई विल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1987 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/11-86/202/

166:— अत: मुझे, सुभाष कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट संख्या 23/17, पंजाबी बाग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय भायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ज के भधीन, तारीख नवस्वर, 1986

को पृथा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते कह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, छन्त जिथानियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/शा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः जस, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग की, जनूसरण मी, मी, खान्नत अधिनियम क्षेत्र धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिकिसिस व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री झमृत लाल कोहली, पुष्पा कोहली, बी-5/54, पश्चिम बिहार, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

विजय अवरोल,
 75, वेस्ट एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग,
 नई दिस्ली।

(भन्त्र्ती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृवर्षिकत संपहित के अर्जन के लिंश कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर पितरों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विगन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिवा गया है।

अगलकी

प्लाट नं० 25/71, पंजाबी बाग, नई विल्ली।

सुभाष कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर धायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, विल्ली

विनांक: 14-7-1987

प्रकल् नार्. टी. १२. १४.--==

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

्राप्तिर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें क्रिके प्रचात 'उस्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर धम्मति, विसका उचित बाजार मुख्य 5,,00,000//- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट नं० 25/71, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1986

कार्य प्रांचित संपत्ति के उचित वाचार शुक्ष सं कान के दश्यमान मिंतफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह निश्वास करने के कारण है कि सथा पूर्वोक्त सस्यिति का उचित बाजार मुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से जिमक है नौर अन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्सरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय याना प्रतिफल निम्नितियाँ उच्चे से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) त्रस्तरण ते हुई किती नाम की बाबहा, उक्क अभिनियम के जभीम कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौरू/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5---216 GI/87 श्री अ्रमृत लाल कोहली, पुष्पा कोहली, बी-5/54, पिष्चिम बिहार, दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

श्री भूपेन्द्र चन्द श्रवरोल,
 75, वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी वाग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के तंबंध में कोई भी बाक्संप्र 🛶

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिंध, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिशवद्वव किसी बन्य व्यक्ति द्वार, वभाहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विशा ५८ है।

मन्स्यी

ण्लाट नं० 25/71 पंजाबी ब्राग, दिल्लो।

सुमाय कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, टिल्ली,

दितांक: 14-7-1987

मोहरः

प्ररूप बाह्^न्, टी. एव<u>ः</u> एव_ं------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

णारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई विस्ती, दिशक 13 ज्लाई, 1987

सं० प्रार्हे० ए.० सी०/एक्यू/6/37ईई/11-8्/3292:—— फ्रत: मुझे, एस० सी० ग्ष्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ई-7/8, बयन्त बिहार, नई दिल्ली है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), मेझम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिपियम 1961 की धारा 169 के ख के श्रधीन तारीख नयम्बर 1986

को पूर्वो क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शेष्यों से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िल्पी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारिस्त्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (रू) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिखिल व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री प्रोभात मुखर्जी,
 1/57 सी डावर पलेस,
 कलकता।

(भ्रन्तरक)

ग्यान गुरबचन सिंह,
 एफ०-2/4, बसन्त विहार,
 नई दिल्ली।

(अगरिती)

की यह स्थान आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन व सिष् कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध

स्पष्टीकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो जक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भी दिया गया है।

अनुस्ची

एक मजिल स्टोरी 412 वर्ग गज ई-7/8 बोन्न बिहार, नई दिल्ली फनोर वाइस पॉलिश क्षेत्र 1800 वर्ग फीट, (लगभग)

एस० सी० गुप्ता, सक्षम श्रधिकारी सह्यक श्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजीत रेंज-1, अग्नबाल हाऊस 4/14एग्रामफ अली रोड, नई दिल्ली

विन कि: 13-7-1987

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

बाबकर वरिरियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से वभीन सुमना भारत प्रस्कार

काश्चव, तहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1: दिल्ली

🗚 विल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1987 **७० श्राई० ए० सी०/एक्य्/1/37ईई/11−86/3292:--**-ग्रह मुझे, एस० सी० गुप्ता,

्रव∕कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें र्रासके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 5,00,000/⊱ रा. से अधिक है

है तथा जो डी-1/33, बसन्त श्रीर जिनकी संख्या विहार, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिन है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय न्नायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन, तारीख नवम्बर, 1986

को पूर्वीक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल २. ए से दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकलः, निम्नतिश्वित उद्दोश्य सं उन्त नंत्रण विश्वित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (ध) एरेसी किसी अपय या किसी भन या जन्म जास्तिया की, जिन्हें भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) हा उक्त राधिनियम, या धनकर अप्रिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रीमती बलजीत मिन्हास, ई-12, लारायणा विहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गविनोद चौपड़ा, 16/ए, 13, डब्ल्यु० ई० ए, करोलबाग, न'ई दिल्ली'। श्रीमती वीता चौपडा, 16ए/13, डब्ल्यू० ड० ए. करोल बाग, नई दिल्ली (भ्रव्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए **कार्यवाहियां** धरण हा ।

उपर संपत्ति को अर्थन को संयंभ को काहि भी कार्यप :----

- (१) १ ग स्चना के गजरूत सा प्रकाशन की तारीश है 45 दि की अपिय मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, सो भी व्यविभ बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्**वॉक्त** व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया रुतायः;
- (रू) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

प्राप्त

 $\sin -1/33$, बमन्त बिहार, नई दिल्ली फ्लोर बाइस पलाथ क्षेत्र ग्राउण्ड खण्ड 2758 वर्ग फीट प्रथम 🛭 🚾 570 वर्ग फीट, दुसरा खण्ड 734 वर्ग फीट, बेसमेट 2505 वर्गफीट।

> एस० सी० गुप्ता मक्षम ग्रधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 13-7-1987

मायकर मिपिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1987 मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/11-8७/3295--श्चतः मुश्रो, एम० सी० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' यहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रुठ. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 412 भीर 412 ए, 98, नेहरू पलेंस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रवीन, तारीख नवस्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुर्इ िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विभा के लिए।

न्नतः अध, उन्त निधिनियम की धारा 269-ए की निस्तरण मी, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन विकासित व्यक्तियों अधीत्:— श्री संजीव मेहरा निवासी 22 राजदूत मार्ग, चेळाक्यपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमतः इन्दिरा नारायण पत्नी श्री जय नारायण जय नारायण सुपुत्र स्वर्गीय सेट जडा राम 1, शिव मन्दिर मार्ग, लाजपतनगर, नई दिल्ली।

(भंपरती)

का यह मूचन जारी करक पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के एलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में मथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पर्लंट नंऽ 412 ग्राँर 41...ए, 98, नेहरू पलेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 861 वर्ग फीट।

> एम० सी० गुष्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दितांक: 13-7-198**7**

प्ररूप भार्ड ुटी ु एन , एस ..-----

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 13 जुलाई 1987

स० भाई० ए० सी०/एक्य्/6/37ईई/11-86/3298— भ्रत. मुझे, एस० सी० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसेकी सख्या पलेट नं 202 हिनीय प्लॉट बिल्डिंग, ए-3, नीति बाग, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची से पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, नारीख नवस्बर 1986

भा पर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान व्रतिफत के लिए उन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पाल एण्ड पाल बिन्डिम लिमि० 70, रीगल बिन्डिग, कनाट सर्कम, नई दिल्ली-110001।

(ग्रन्तरक)

6 मिम मधू मेहता
मुपुत्री श्री सूत्दर लाल मेहता
बारा डी० के० मिल्ला
ए-131, न्यू फेडम कालोनी,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थं किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लैट न० 202, दूसरा खण्ड, ए-3, नातिबाग, तई दिल्ली क्षेत्र 2000 वर्ग फीट।

> एस० मी० गुप्ता, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनाक: 13-7-1987

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. ---

शायकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1987

सं् निर्देश म्राई० ए० मी०/एक्यू/1/37ई/11-86/3299:--

श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 3/30, शांति निकेतन, विल्ली-110021 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर प्राधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख नवस्बर 1986

को पूर्वो कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी कर्मे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 श्री ग्राई० ग्रा२० कक्कड़
 संगम, 16, लिटम गिब्स रोड, मालाबार हिल, बम्बई-6।

(अन्तरक)

श्री रमण कपूर,
 37 डी, नेपियन सी रोड,
 बेलमोंट, बिल्डिंग,
 बम्बई-400026।

(श्रन्स्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कि

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ^द भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

3/30, शांति निकेतन, नई दिल्ली-110021 मकान का फ्लोर बाइस प्लीनथ कुल क्षेत्र माथ में दो गेंरेजस, दो एनेक्सी प्लाट, लगभग 4,000 वर्ग फीट।

> एस० मी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,दिल्ली

दिनांक : 13-7-1987

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अभि/न्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायशिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 जुलाई, 1987

मदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ई/11-86/3301:----क्र्त: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जऔर जिसकी संख्या है तथा जो 21, पिश्वमी मार्ग बसन्त बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय स्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क के श्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही अरेर अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एको अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिणाने में स्विधा के लिए;

 श्री भ्रजीत कौर, महिन्द्र सिंह, 7-डी, नार्थ टावर, 28, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

ग्राप० एल० साहनी,
 80', ग्राकाशदीप बिल्डिंग,
 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सप्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

51, पश्चिमी मार्ग, वसन्त बिहार, नई दिल्ली-110057 क्षेत्र 825.5 वर्ग गज।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गै. उपा अधिनियम की धारा 259-छ की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 13-7-1987

मोहर 🛭

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 जुलाई, 1987 सं० श्चाई० ए० मी०/एक्यू/2/37ईई/11~86/3303'—— श्चत मुझे, एम० सी० गुप्ता,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट न० 33, स्ट्रीट नं० 3, शातिनिकेतन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाश्वद्व प्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), मक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख नयम्बर, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के डिचिठ बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के सिए हम पाया गया प्रतिफल, निमनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा डेकिए; बारि/वा
- (क) एखी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियों की किन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृत्तरा प्रकट नहीं विद्या गया था या किसा जाना थाहिए था, छिपाने में भृतिथा के तिए।

कतः जयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण भ्रष्टें, भ्रिं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः शीमती कृष्णा सुरी पत्नी स्पर्गीय शमनाथ सूरी जे-186/ए, राजौरी गार्डन,
दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती काता वशेषर चड्ढा पत्नी वशेशर नाथ चड्डा सी-5/7, बसन्त बिहार, नई दिल्ली-110021।

(भ्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा संकेंगे।

स्थष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मनुसूची

मकान और भ्रवामीय ण्लाट नं० 33, स्ट्रीट 3, शांति निकेतन, नई दिल्ली—110021 क्षेत्र 601 वर्ग गज।

> एस० सी० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली

दिनाक: 13-7-1987

प्रकल कार्य_ा टी_ड एन_ड एक . ------

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, तष्टायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रंज-1, दिल्ली

नई दिस्सी, दिनांक 13 जुलाई 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/12-86/86/ 3309:--ग्रतः मझे, एस० सी० गुप्ता,

बारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धतके परवात 'उनत विधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारक हैं कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्व 1,00,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लाट 307 वर्ग गज, एन०-181, पंचाशील पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख दिसम्बर 1986

को पूर्वेक्स तस्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास कर कारण है कि बचापूर्वेक्स सम्मत्ति का उपित बाजार मूक्ब, उसके दहसमान प्रतिफल से, एसे असमान प्रतिफल का पत्सू प्रतिवास से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा नमा प्रतिफल, निम्नलिवित उद्वदेश से उक्स अन्तरण कि बित में बास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है एस

- (क) बन्बरण सं हुइं जिली शांव की बावत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मृतिधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कराः कयः, उत्तरं विधिनवमं की धारा 269-य की वन्तरं कां, मीं, उत्तरं विधिनयमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के वधीनः जिम्हासिकतं व्यक्तियों, वधीनः :—-

 श्री मित्तर सेन गोयल, सी-14, बी, कालकाजी, नई दिस्ली।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती ईश्वर कीर पत्नी श्री स्व० गुरबचन सिंह एफ-62, ग्रीन पार्क, नई विल्ली।

(श्रन्तिति)

को वह स्वना जारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई मी कार्क्ष ह—-

- (क) इस बुक्ता के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की समीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अमीभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिकों को से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिआविड है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

यम्ब्रजी

एस॰ 181 जपंचणील पार्क नई विल्ली। प्लाट 307 वर्ग गज पूर्ण क्षेत्र 1482.5 वर्ग गज।

> एस० सी० ' सक्षम प्रा' सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (नि श्रर्जन रेंज-

दिनां**क**: 13-7-1987

मोहर .

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 13 जलाई 1987

निर्देश सं आई ए० सी /एक्यू /1/37ईई/11-86/ 3343--अतः मुझे एस० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 तावादी 466 वर्ग गज है तथा जो सुखदेव विहार नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) प्रजीन रेंज~1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) जसबीर सिंह ई-29, कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) महावीर प्रसाद 2 श्रीमती राज किशोरी 3 विकम प्रसाद सभी निवासी—51, फ्रैंडस कालोनी नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37, सुखदेव विहार, नई दिल्ली। तदादी 466.7 वर्ग गज।

> एस 9 सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

स्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, रिस्क्लिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 13-7-1987

प्ररूप आर्द.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 जुलाई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/37ईई/11-86/ 3353—अतः मुझे एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिमकी सं० प्लैट नं० 206, एलाइड हाऊस, 1-एल एम० सी० मदनगीर पुष्पिवहार, नई दिल्ली, क्षेत्र 520 वर्ग फीट है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख नवम्बर 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बरिय से उक्स अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेसर्स एलाइड बिल्डर्स प्रा० लिमि० 401, देविका टावर, 6 नेहरू पेलेस, नई दिल्ली-110019 (अन्तरक)
 - (2) देविन्दर लोहन पत्नी केप्टन के० बी० एस० लोहन और मिस किरन लोहन सुपुत्नी केप्टन के० बो० एस०, लोहन 177 ए, राजपुर रोड, देहरादून-248 009 5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण ---१सम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित

अनुसुची

फ्लैट न 206 जो एलाइड हाउस, 1-एल-एस-सी क्षेत्र मदनगीर, पुष्पविहार, नई दिल्ली, तदादी सुपर बिल्ड क्षेत्र 520.00 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई विल्ली

दिनांक :-13-7-1987

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, विनाक 13 जुलाई 1987

निदेश स आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-87/ 3312--अतः मझे एम० सी० ग्प्ता

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० 17, स्ट्रीट न० छी-15, वसंत विहार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961की धारा 269 क, ख के अधीन तारीख मार्च 1987।

को पूर्वे उत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्यारे लाल शकुंतला धेवी आर० भी० 1211, बारबले स्ट्रीट, अपार्टमेंट, नं० 1, शांलामोनिका-90404 यू० ए० ए०।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र सिह, 15-ए, रेसकोर्स, देहरादून।
पोटल पता-द्वारा एम० एस० इंटरनेशनल
98 5-हैमिल्टन रोड, नई दिल्ली।
र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कि कि 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टोकरण: -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं 17, स्ट्रीट न $^{-1}$ डी-5, बसंत बिहार, नई बिह्ली। क्षवादी 400 वर्ग गज।

ए० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 13**-7-198**7

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सें, बम्बई

धम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987

निर्देश सं अई-1सं $\sqrt{37-$ ईई/डब्स्यू -232/85-86 अतः मुझे जी पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका ज्येचत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट ओम रतन बिल्डिंग वर्ली डिविजम कम्बई में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 5-12-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंवह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित्ती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अंतरण लिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए;
- (क) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियमें, अर्थात् हे— (1)ओम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) सोराब नोशीर पोचखानावाला और शेरू सोराब पोचखानावाला।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वया ह³।

अनुसुची

"सातवीं मंजिल पर प्लैट जो ओम रतन बिल्डिंग, 70, 71 वर्ली डिविजन, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/11251/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सी, सम्बद्ध

विनांक: 4-8-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काथानिय, सहासक सायकर बास्कर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1987

निदेश सं० अई: 1-सी/ 3 7ईई/डब्ल्य्-2 3 3/8 5-8 6--अत: मुझे जी० पी० गुजराती,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाइ 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00.000/- और जिसकी सं फलेंट नं ओम रतन बिल्डिंग वर्ली डिविजन, वम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची. में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-12-1986

को बुर्गोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार कृष्य से कम के देवसमान मित्रका को सिए कन्त्रित की गई है और मुम्में वह विकास करने कम कारण है कि बचाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृष्य, उसके देवम् बाल प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकात सं बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्मानिक उपयोग उसके क्या वे किया उसके से सामानिक क्या वे किया नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अस्य आस्तियों को, जिन्ह³ भाइतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) धरें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) ओम कन्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) फरहाद नोशीर पोचखानावाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना करी तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर. पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसम्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्येया है।

मन्स् ची

आठवीं मंजिलपर फलैंट जो ओम रतन बिल्डिंग, प्लाट नं० 70, 71, वर्ली डिविजन बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ० सं अई-1/11522/85-86

अनुसूची जेंसा की क्ष० स अई-1/11522/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5/12/86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षु) अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

श्वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ६, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिवित अधिकत्यों, अर्थात् ठ──

तारीख: 4-8-87

प्रकृष बाह् . टी . एन . एस . ------

बाबकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुधना

भारत बरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 87

निदेश सं अई-1-सी/37ईई/पी-44/85-86--अतः मुझे जी० पी० गुजराती

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/ र. से अधिक हो

और जिसकी मं तलमंजिल बेसमेंट, ात्मा गंगा अपार्टमेंट प्रभादेवी बम्बई में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-12-87

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तये पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखिस में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जिंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीव-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कभी करने या उस्से बचने में स्विधा के लिए बौर/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण के. मैं., जबत अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्रीमती प्रमीला के बोताडकर और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री अणविनी कुमार एम श्रोफ और अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सच्चों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, पहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तल मंजिल और बेसमेट जो आत्मा गगा अपार्टमेट प्लाट नं एफ पी 1263 बी, टी पी एस 4, सोनापुर लेन प्रभादेवी बम्बर्ट-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैंमा की क्र० स० अई-1मी/37ईई/11249/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 5-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती सक्षम प्र1धिकारी सहायक आयकर आयुख्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख: 4-8-87

प्ररूप आर्द. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं अई-1सी/37ईई/डब्लयू 229/8 5-86-अतः मुझे जी० पी० गुजराती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यहिवश्चास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं फलैट नं 201, प्रतीक्षा वर्ली बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 12-12-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता मिलेख के बनुसार वंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्यमान है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित अव्ववस्थ से उच्य अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है 5---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/सा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें. भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थास् ।—— (1) स्काय विलड प्रायबेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) रोबिन्सन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकिरणः —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं।

जन्म की

फलैट नं 201, जो प्रतीक्षा प्लाट नं० 7ए, मौलाना अब्बुल गफार रोड़, वर्ली बम्बई-400018 में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1सी /37ईई/11289/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, सम्बई

तारीख: 4-8-87

मोहरः

प्रारूप आर<u>्ड</u> टी. एन. एस<u>.</u>

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की मधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहामक भाधकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987

निवेश स० अई-1सी/37ईई/डब्लयू-237/85-86--भ्रतः मुझे जी० पी० गुजरासी,

्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 5,00,000∕- रु. से अभिक ह[•]

और जिसकी सं० फलैट ओम रतन बिल्डिंग वर्ली डिविजन अम्बई में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 11-12-1986 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम केंडच्यमान

प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने मा कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके ध्रुयमान प्रतिफल से, एसे ध्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितार्गे) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से काश्यित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निभिनित्रम के बचीन कर दोने के वस्तरक की वायित्य में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के प्रिष्: बरि/क
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरित दुगरा प्रकट नहीं किया गया भा या किया भाना चाहिए था सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में जनस अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) ओम कन्स्ट्रक्शन प्रायवेट लि ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फरीदा साम पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारील** से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवर्भ किसी अन्य अपनित ब्वारा अभोहस्तास्री के पास लिचित में किए वा सक्षेत्रें।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम तक अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया THE OF L

अनुसूची

ग्यारहवीं मंजिल पर फलैंट जो ओम रतन बिल्डिंग प्लाट नं 70, 71 वर्ली डिविजनल बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा की क स० अई-1सी/37ईई/11308/ 85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1986 को रजिम्टर्ड किया गैया है।

> जी॰ पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-सी, बम्बई

तारीख: 4-8-87

मोहर:

7-216GI/87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाव 269-व (1) के वधीन ब्वना

बारत तरकार

कार्यांक्य, बह्मयक बायकार वायका (निर्देशका)

भ्रर्जन रेंज-1सी, त्म्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987 निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/डब्ल्यू०/224/85-86----भत:, मुझे, जी० पी० गुजरार्त,

नायकर अनिनिजन, 1961 (1961 का 43) (जिल्हें इसवी इसके प्रभात 'उनत अभिनिजन' कहा नवा हैं), की भारत 269-के के वर्षीन सक्षन प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मुख्य 5,00,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० पलैट ओम रतन विल्डिंग प्लाट नं० 70, 71, वर्ली डिवीजन, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम,ज 1261 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 12 दिम्म्बर, 1986

में प्रांचित सम्बद्धि के बीचत माधार बूच के कम के जनवान इतिकाम के लिए मंतरित की गई है बार मुखे वह विश्वात करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य अवने जनवान प्रतिकास से, एते स्थामन प्रतिकास का बन्द्ध इतिकास के अधिक है बीह जन्दरक (संवर्षों) बीह बंबरिती (बन्दिहित्यों) ने बीच देवे बन्दाहम के हिन्दू सम्बद्धा पदा प्रतिकास, निम्मलिकित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिकित में बारतिक अप ने महिनक कहीं किया बना है हम्म

- (क) वन्सरण से हुई किशी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; जौर/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेतिकित व्यक्तियों, अर्थात् रू—

- (1) ओम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट तिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) डा॰ झकीर फारूक उडवाडिया और डा॰ फारूक इराचगाह उडवाडिया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिल कार्यनाहियां करता 🚺।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुवान के राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुवान की ताजीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (च) इस बुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विष के भीशर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी क्या व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के शृष्ठ सिविक्त में किए वा क्केंचे।

स्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त धाव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

भौधी मंजिल पर प्लैट जो ओम रतन बिल्डिंग, प्लॉट नं० 70, 71, वर्ली डिविजन बम्बई में स्थित है । अनुसूची जैसा कि कम सं० अ०ई०-1सी/37 ईई०/11279/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 दिसम्बर, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख : 4-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1-सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1987

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/डब्ल्यू०-230/85-86-अतः मुझे, जी० पी० गुजराती बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पच्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जी-40, बिल्डिंग नं० 50, बीनम आर० जी० थडानी मार्ग, वर्ली, सी फेस, बम्बई-18 में स्थित है (और इसस उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5 दिसम्बर, 1986

को प्लेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास का कारण हूं कि सथापृष्टित सम्पत्ति का अनित वाजार मृत्व, इसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ए'ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) एंसी किसी बाब वा किसी धव वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भाषा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिप्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री किष्णु जे० पांडया

(अन्तरक)

(2) श्रीमित लक्ष्मी देवी राघाकृष्ण पुरोहित (अन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त उम्मित्त के वर्षण के हैं तथ् कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त कम्पत्ति स्र्वं वर्षन स्त्रे कम्प्यम् न`कदि भी वाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रोंक्ड
 स्थितियों में से किसी स्थितित हवारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान रसम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा कथाहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुस्ची

फ्लैट नं० जी-40 जो बिल्डिंग नं० 50, लीनस को० आप० हाऊमिंग सोसाइटी लिमिटेड, आर० जी० थडानी मार्ग, वर्ली सी फेस, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1सी/37 ईई०/11250/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 दिसम्बर, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी**० गुजराती** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीखा : 4—8—1987

मोहरः

प्रकथ नाह", द्वी . एन , एस ् ------

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

ारा 269-व (।) क अवान स्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987

निवेश सं० अर्ह0-1/37 ईई0/8ब्ब्ल्यू0-223/85-86---- अतः मुझे, जी० पी० गुजराती

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' क्यू क्या हैं), की भार 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपनत बाजार मृत्य 5,,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमिसस नं० 702की, पूनम निम्नर्स (साउथ विंग), वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2 दिसम्बर, 1986

का पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में के वास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं विकास विभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि ; :---

- (1) मैं० स्पेशियलिटी फारमूलेशन प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) मैं ॰ केबल कारपीरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह स्वता वारी करके प्वाँक्त सम्मरित के अवंग के निए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षत की संवध में कांड्र भी जासोप्त--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य स्थानत द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का शकरी!

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

बनुसुची

आफिस प्रिमिसस नं० 702 बी, जो सातवीं मंजिल, पूनम चेम्बर्स (साउथ विंग), डा० ए० बी० रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-1/37 ईई०/11235/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 दिसम्बर, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सी, बम्बर्स

तारीख: 4-8-1987

मुक्त समुद्रित हो। पुर्वत पुर्वतानाना

बाथफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थान

BAZA ATME

कार्यात्व , बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987

निदेश सं० अई०-1/37 ईई०/डब्स्यू०-221/85-86--अतः मुझे, जी० पी० गुजराती

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रज्पये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्रिमिसस नं० 306, काक उ चम्बर्स, ए० बी० रोड, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिचेट्टी है तारीख 8 दिसम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके छ्यमान प्रतिफल को, एसे ख्रमजान प्रतिफल का पन्यक् प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया चवा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्तित में बास्टिकिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के बलारक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने सुविधा के लिए और/या
- (वा) एली किसी बाय वा किसी पन गा अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या वन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा जिया जाना चाहिए था, क्रियान में मृतिधा औं सिष्टः।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चन्द्रावती खाडेलवाल और श्रीमती सुनीता खांडेलवाल।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जय सन्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उपत तथ्यरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप ::----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

प्रिमिसस नं० 306, जो तीसरी मंजिल काकड चेंम्बर्स, 132 एनी बेसंट रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है ।

जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1सी, बम्बई

तारीख : 14-8-1987

गरूप वार्षे.टॉ. एन. एस_{्।} -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन

भारत चारका

कार्यासय , तहायक बायकर बाव्क (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987 निदेश सं० अई-1/37—ईई/डब्ल्यू-222/85—86—अतः मुझे, जी० पी० गुजराती

कारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वचीन सक्षव प्राणिकारी की यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धा, विस्का उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 135, मधूबन बी०, नूतन मधूबन सोसायटी, वर्ली हिल इस्टेट बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 2-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संशापूर्वोक्त तपरित का उधित बाबार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त बिधिनियम के क्यींच कर बेने के बन्तरक के खाँबल्च में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री अब्दुल खलीक बच्चू अली और श्रीमती झेबून अब्दुल खलीक बच्चुअली

(अन्तरक)

(2) श्री मती सुशीला जालन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🎞---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं अ 45 विन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्विक्ध व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मर्पाटन माहनवक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः—इसमें प्रगुक्त कब्दों और पदों का, थो उक्त विभिनियम, के कच्याम 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुज्ञी

फ्लैंट नं० 135; जो पांचवीं मंजिल, मधूबन बी०, नूतन मधूबन को० आप० हांउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 60-61, वर्ली हिल स्टेट बस्बई-400018 में स्थित है। अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-1सी/37-ईई/11231/

अनुसूच। जसाक के० स० अ६-1स*। | 37-1६६ |* 11231 *|* 85-86 और जे। सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी॰ पी॰ गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रेंज-**1सी, बम्बई

दिनांक: 4-8-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-भ (1) के क्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सो, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987

निदेश सं० अई-1सो/37-ईई/पो०-43/85-86--अतः मुझे जी० पी० गुजराती

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 /- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०-3, अलपा अपार्टमेंट बम्बई 23 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-12-1986

को पूर्वोक्त स्व्यक्ति के उचित वाजार शृक्य से कम के स्वयमान वितिकत् के तिए वन्तरित की पर्द है और मुख्ये यह विद्वाल् करने का कारच है कि यथापूर्वोक्त तम्मित का उचित वाचार बृज्य, उसके स्वयमान प्रतिकत्त से, एसे स्वयमान प्रतिकत्त का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) बाद वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्त्रविक कप से किथ्द नहीं क्रिया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावतः, उनक अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के न्विप; बार/बा
- (च) धेसी किसी जाम या किसी भन या मन्य आस्तियों को. जिन्हीं भारतीर प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्टिंग्य के विद्

क्षः प्रवा, उक्त अधिनियम की भाष 269-ग के जन्सरण कों, कों उक्त अधिनियम की भाष 269-ग की उपभाष (1) को अभी निक्त्तिश्रित व्यक्तिश्री, अभीत् हरू ।

- 1. (1) श्रीमती अनिता सहगल
 - (2) श्री कमल सहगल

(अन्तरक)

2. श्री सतीश चोक्सी फेमीली ट्रस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां दारु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कर्रा भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की व्यक्तियां पर स्वापता की तामील से 30 दिन की अविधि, को भीत व्यक्तियां से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां हों
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म⊤ हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा चो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

प्लैंट नं० बी०-3, जो दूसरी मंजिल, अलपा आर्टमेंट पोछखानावाला रोड, बम्बई 400025 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-1सी/37ई-11247/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1सी, बम्बई

दिनांक :-4-8-1987 मोह्यर :-] प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यातय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987

निदेश सं० अई-1सी/37-डब्ल्य-236/85-86---अत: मुझे जी० पी० गुजराती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000 /-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० परैट ओम रतन, वर्ली डिविजन बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेवर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 5-12-1986

का पूर्वाकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभाको लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269- घकी उपधारा (1) 🐞 अभीन, निम्निसिविव व्यक्तियों, अर्थात् ६---

(1) ओम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) डा० कावसी होरमुसजी नाटेरवाला। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र' भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति भुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्नाक्षरी के पास ।लेखित में व्यिए जासकौगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भगस्ची

"ग्यारहवी, मंजिल पर फ्लैंट जो कि ओम रतन, बिल्डिंग प्लाट नं० 70, 71, वर्ली डिविजन बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क॰ सं० अई-1सी/37ईई-11255/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक :-4-8-1987

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1987

निवेश सं० अई-1 सी/37-ईई/डब्ल्यू०-231/85-86-अत: मुझे० जी०पी० गुजराती मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000 /- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट ओम रतन, बिल्डिंग वर्ली डिविजन (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय में रजिस्ट्री है, विनाक 4-8-1987

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायिए में कभी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए. बौर/या
- (क) ऐसी किसी अगर या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नयाथायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिसित क^{्ति} ग्यों, अ**धीत्:**---8-216 GI/87

(1) ओम कन्स्ट्रनशन प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) सोराब मिन् पोंचखानवाला।

(अन्तरिती)

की बहु सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति से बर्बन भी रिक्रम कार्यवाहियां करता हो।

बन्द बन्मस्ति के बन्नेन के क्रम्बन्य में कोई भी नार्वाप हु---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीय 45 दिन् की अवीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की वामील से 30 दिन्की जनिथ, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (व) इक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाबन को तारीच वै 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवयुध किसी अन्य व्यक्ति द्वाराः अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय गया है।

अनुसूची

''पहली मंजिल पर फ्लैट जो ओम रतन, बिल्डिंग प्लाट नं० 70, 71, वर्ली डिविजन बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-1सी/37-ईई-11291/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→1सी, बम्बई

दिनांक :- 4-- 8-- 1987

प्ररूप आहुर्. टी. एस. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक मामकर भागवत (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त, 1987

निषेश सं० अई-1, सी/37ईई/ डब्ल्य्-277/ 85-86-- अतः मुझे, जी० पी० गुजराती,

आव्कड गिप्तियम, 1961 (1961 का 43) (पिया द्वारी द्वारी द्वारी प्रमान प्रमान प्रमान कहा गया ही), की बाख 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरम है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाबार मृज्य 5,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट, ओम रतन, बिल्डिंग, वर्ली डिबीजन बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से बिणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्की है। तारीख 5-12-1986

को पूर्वेक्प सम्मित्त में विचत बाबार मूम्ब से काम में कामाय प्रक्रिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्प सम्मित का अभित बाबार कृष्य, उससे कामान प्रतिकत से, एसे कामान प्रतिकत का प्रकाह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (जंतरका) और अंत-रिती (अन्तरितियाँ) में बीच एसे बंतरण के लिए तम पाना गना प्रतिक्षत निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अभित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की आबत, उक्त विश्वतिक्य के वधीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एखी किसी आव वा किसी धन या कला आस्तिवीं करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं विद्या गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

जतः जब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मीलींकत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ओम कन्स्ट्रकशन प्रा० लि०।

(बन्तरक)

(2) महाली मनेक मिस्त्री और साकेर महाली मिस्त्री । (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की श्रवीध या संस्थेची व्यक्तियों पर बूचना की समील से 30 दिन की नवीध, की भी श्रवीध वाद में बनाया होती हो, के शिंसर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्रवादुत;
- (क) इस स्वता में राज्यन में प्रकावन की तारीब वे 45 विश्व के शीतर क्यत स्थावर सम्पर्धि में दिस्तवृष कियी क्या व्यक्ति व्यारा, वजोइस्ताकरी में सक् विविध में किये का क्योंने।

हमध्दीकरणः---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहाँ वर्ष होया, को उक्त क्याब के क्या

बन्सूची

दूसरी मंजिल पर फ्लेट, जो ओम रतन बिल्डिंग, प्लाट नं॰ 70, 71, वर्ली डियीजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1सी/37ईई/ 11248/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-86 को रजिस्टर्क किया गया

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1-सी, बम्बई

दिनांक: 4-8-1987

मोहर

प्रस्त कार्य हो, देव प्रस्तु अध्यय----व्याप्त

व्यवकर गीपनिवन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के भाषीन क्षाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सी, वस्बई

बम्बई, विनांक 4 अगस्त, 1986

निदेश सं० अई-1सी/37ईई-डब्ल्यू- 225/ 85-86--अत: 'मझे, जी०पी०गुजराती,

कासकार करिपतियम, 1964 (1964 का 43) (चित्रे दशकी अक्को प्रकार (अकत किपतियम केहा गया है), की धार्च 269-स के अभीन सकाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित बाचार भूग्य 5,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट, ओम रतन बिल्डिंग, वर्ली डिवीजन, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्षप से बिणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 12-12-1986

को वृशेषित सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयम् हितुक्त के जिए बन्दरित की गई है और मुझे यह विश्वास क्राने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य विश्वास क्राने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य विश्व क्राने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य विश्व के पंद्रह प्रतिकत है अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्त विश्वों) के भीच ऐसे अन्तर्भ के सिए तम पामा गमा प्रतिकत, निम्मितिकत उद्वेष्य से उच्त अन्तरण कि बित् में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गमा है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी वाय की बाबता, अक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के जामिक में कमी करने या उससे क्याने में सविधा की लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य -आस्तियों को, किन्द्र अस्तिय अस-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा पतकर अस्तित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोक्तार्थ अन्तिति देशारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाडिए चा, कियाने में वृष्टिश के शिक्शः

स्था वय, इसर वीयीवयम की बारा 269-य की अपूधरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) ओम कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) डॉ॰ नोसीर होरमूसजी वाडीया।

(अन्तरिती)

को वह बुचना बाही कड़के पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षन के विश् कार्यवर्शिक्ष बुक करता हूं।

उन्द रूप्पति के बर्जन से श्रेक्ष में कोई भी नाराप :---

- (क) इस जूपना कें तापपन में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या सत्सवेधी व्यक्तियों पर जूपना की तामील से 30 दिन की नवधि, को भं, अवदि वाद में हानाचा होती हो, से शीस प्रविद्ध स्वीवस व्यक्तियों में से लिसी व्यक्ति हुन। सं
- (व) इस सूचना के राजपण में श्रकाश्चन की शार्शिय से 45 विन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी कम्य कानित इकाय अभोहस्ताकरी के पास किसित में किए हा सर्वोचे ।

स्वक्रीकरण :---इसमें प्रमुक्त क्षेत्रों और पदों का, जी सक्स विभिन्नियम के क्ष्माय 20-क में परिभाष्ट्रियस हैं, नहीं अर्थ कृता, जो प्रच सभ्यान में दिया क्षा हैं औ

मनुसूची

पांचवीं मंजिल पर फ्लेट जो ओम रतन बिल्डिंग, प्लाट नं० 70, 71, वर्ली डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं॰ अई-1सी/ 37ईई/ 11280/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० पी० गुजराती सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख: 4-8-1987

पुरुष बाह् ु टी. एव त एस. 🗫 -- - 🖘 -- -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1987

निवेश सं० अई-2बी/ 37ईई-40495/85- 86---अतः मुझे, एम० एस० राय,

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/र रापये से अधिक है

और जिसकी सं ० पलेट नं ० 8, 9, किरन कुंज, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 24-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत रो अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिंश यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से मृक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के निए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन शा अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के जिए;

अतः अब, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जन्त अधिनियम की धारा 269-च की जपधार (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अभय मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीराम असानन्द पटनानी और श्रीमित सुशीला हरीराम पटनानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में ब्रिट पा सकरें।

स्पर्वाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में विया गया है।

अगलकी

पलेट नं ० 8 और 9, जो 2री मंजिल, किरन कुंज बिल्डिंग और तल मंजिल पर गेरेज, 24 वां रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2बी/37ईई/40495/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2बी, बम्बई

तारीख : 9−7-1987

्रवस्_य वार्ष्_य दर्ग_य एष . ----

नावकाष्ट्र जीवनियन, 1961 (1961 का 43) की पाता 269-प (1) से जबीन स्थान

भारत सरकार

कारीत्रव , तहायक भावकर बाक्कत (विश्वीकर्ण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-2बी/37ईई-39780/86-87--अतः मुझे, एम० एस० राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 601, देवज्ञान 17वां रोड, खार बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से जित है) और जिनका काररनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 3-11-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उक्तेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, उस्त विधिनयम की धारा 269-ए के अनुसरण हो, वें, धन्त विधिनयम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, वर्धात्:—

- (1) मेसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) श्री अमरचन्द लखमीचन्द नारंग (अन्तरिती)

क्रो यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हुं।

बच्चा बन्परित के अर्थन के सन्दर्भ में कोई भी बाबरे :---

- (क) इस सूचना से राजपण में श्रककार की ठाएँका है 45 दिन की जनभि ना तत्स्मणभी व्यक्तियों पन्न बूचना की तासीस से 30 दिन की ननभि, सो की क्यों का में समान्त होती हो, से धीतर प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (न) इस बूचना के ट्रावपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के जीतर उन्तर स्थानर सम्पत्ति में द्विन बच्च विश्वी क्या स्थानत बूचाल ज्योहरतालडी हैं पास विश्वित में किए या क्योंगे।

क्ता किरप्:— इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को स्थव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु कर्य दोना, को उन्त अध्याय के दिला क्या हीई

अनुसूची

फ्लैट सं 601 जो छठी मंजिल देवज्ञान बिल्डिंग प्लोट सं 543-544, सबरबन स्कीम सं 172 रोड, खार्3 बम्बई-400052 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2बी/37ईई/39780/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा [विनांक 3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया।

> एस० एम० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

दिनांक : 9-7-87

ोहर:

प्रकथ बाइ .टॉ. एव. एव. -----

कावकर विविधियम, 1961 (1961 का 43) व्यी भारत 269-व (1) के सभीन स्वामा

भारत सरकार

अर्थालक, ब्रह्मसक कायकर साय्वत (निकीक्षण)

म्रर्जन रेज-2 बी, सम्मई सम्बर्ड, दिनाक 9 जुलाई 1987

बाज़कर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्वे इत्वे प्रकार प्रकार 'उन्ते निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 2-89-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिस्ता उच्चित बाजरर मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 701, देवज्ञान, 17वां रास्ता, खार, बबई-52 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में (ग्रीर पूण रूप से वर्णिन है) ग्रीर जिसका करारनामा, ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंम्बई में रजिस्दी है तारीख 3-11-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के सिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बयापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके क्रमणान प्रतिकान से, एसे क्रमणान प्रतिक्त का संबद्ध प्रतिकत से अधिक है और संतरक (संतरकों) बीर संतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे संतरण के सिए तम पाना बना प्रतिकत, निम्नितियों उद्देश्य से स्वत संतर्ज निम्लितियों वास्त्रीतिक क्रमण के क्रमणा स्वा

- (क) अन्तरण से हुई किसी गांध की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उत्तस वचने में सुविधा के सिष्ट्; जीव/धा
- (अ) ऐसी किसी बाध या किसी धन या कच्य बास्तियों को, जिन्हें कारतीय बाधकर किमिनियम, 1-922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चनकर अधिनियम, या चनकर अधिनियम, या चनकर अधिनियम, या चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सृविधा के लिए?

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन के

(1) मैसस नेशनल बिर्लिंग कोपोरेशन

(ग्रन्स)

(2) श्रीमती भागीभाई लखमीचद नारग

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आपी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचका के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन की सर्वीभ सा तरसम्बन्धी स्थितिकों पर -सूचना की तामीस से 30 जिन की सर्वीभ, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थीकत इवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सका।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगर ची

प्लैट न० 701 जो 7वी मजिल देवज्ञान विल्डिंग, प्लाट न० 543-544, मबरबन स्थित न० 7, 17वां रोड, खार, बबई 400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2 बी 37/ई०ई० 39779/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बबई द्वारा दिनाक 3-11-1986 । को रजीस्टर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय मक्षम प्राधिकारी सहादक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 बी बम्बई

नारीख 9-7-1987 मोहर: प्रक्ष आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजद रेंज 2थी,बंबई बंबई, विनांक 9 जुलाई 1987

निर्देश सं० माई०-2बी/37 ई०ई० 40266/86-87---म्रतः मझे एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का आपण है कि स्थावर सम्परित, जिल्ला अधिक मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० फ्लैट नं. 11, सीक्बीन बिल्डिंग सान्ताकृष बंबई 49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से बणिन है) भौर जिसका करारनामा भायकर भिधिनयम की धारा 269 क ख के भ्रधान प्राधिकारी कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 21-11-1986

को नृगोक्त तम्मित से शिवत वाजार वृथ्य से का के कारणान मृतिक स से जिए गंतरित की पर्द हैं और गुक्ते वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त स्थापित को स्थाप वाजार मूख्य उसके स्थापन प्रतिकल से, एसे स्थापन प्रतिकल का प्रमुह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (ब्रास्टितियों) को बीच एसे ब्रास्टिय के किए तब पाना नमा वृशा प्रतिकल निम्मितियां स्थापन सुद्धा प्रतिकल किए से स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वस, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ग के बनुसरण वों, वों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ड— (1) श्री जीतेन्द्र मोहन नरूला भौर श्रीमती कुसुम जीतेद्र नीरूला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीलाल नारायनदास लाखी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति हैं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्मरित के मर्जन के संबंध में कोई भी माधीप :---

- (क) इस बुचना में हायपन में प्रयोगन की शारीय हैं 45 पिन की नवीच या तत्त्वव्याभी व्यक्तियों पह बुचना की तानीय थे 30 पित को वनीय, यो नी बचीय शाद में बचनचा होती हों, के तीलड प्रोचक करियाों में से किसी क्यांचर स्वारा;
- (व) इस क्षाना के हाजपण वे अकासन की तारींस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किंची अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
 किंदित के किंद्र का स्कीर्थ है।

स्थानिकानः — नवने प्रमुख्य बन्धी बीड वर्षो छा । के क्यूब् महिमीनका के बन्धाव 20-क में परिमाणिक ही, वहीं वर्ष होना हो उस बन्धाव में विश्व वर्षा ही॥

बग्द्र्य

"फ्लैट नं० 11, जो दूसरी मंजील, सी० नजीन बिस्डिंग प्लाट न० 16, एच० नं० 3, जुहु तारा रोड, जुहु, सान्ताकुज (प), बंबई 300049 में स्थित है।

अमुसूची जैसा कि कि से प्रई-2बी/37 ई० ई०/40266 86-87 और जो सक्सम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रजीस्टर्ड किया गया।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2की, सम्बद्ध

तारीखाः 9-7-1987 मोहरः

हरूप हार्<u>षु टो. एव . एव .</u> -------

वाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्याचन , सहायक शायकर बाय्यत (निर्दास्त्र) श्रर्जन रेंज-2नी, बंबई

बंबई, दिनांक 9 जुलाई 1987

निर्वेश सं० माई० 2मी०/37 ई० ई०/40260/86-87— मत: मुझे एम० एस० राय,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चांत् 'उस्तं अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षभ प्राधिकारी को यह चिक्चास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 101, देवशक्ति बिल्डिंग सान्ताकृज
(प), बंबई 54 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची
में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर
प्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधिन सक्षम प्रधिकारी
के कार्याक्षय, बंबई, में रजीस्ट्री है तारीख 21-11-1986
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्रयमान
प्रतिफल के निए कन्तरित की गई है और मूझे वह विद्यास
करमें का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्वत्ति का उचित बाजार

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मूल्य से कम को क्यानान प्रतिफल को लिए कन्तिरित की गई है और मूझे वह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से होसे क्यामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) कोर अंतरितों (जन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण को निए तय पावा गया प्रतिफल निम्मनिकित उद्वेष्ट से उक्त अन्तरण किया में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत बिधिनियम के बधीन कर वने के बंदरक के विकास में कभी करने वा उबसे वचने में सुविधा के लिए; जार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी वन या कम्य जास्तिकी आहो, जिन्ही भारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, जिन्नाने में बृधिया से जिए;

अत. अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के अपि कक्त अभिनियम की भारा 269-म की क्षमारा (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अभीत:— (1) नेमानल विल्डिंग कोरपोरेमन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मकेश चंपकलाल बाब्

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिब् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के जर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी स्पिब्सों पड़ सचार की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाद्य होती हों, को भीतर पर्वोक्त स्थितरों में से किसी स्पिब्स द्वारा;
- (वं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पार्व सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, चो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भया है।

मनुस्चीं

"फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, देवशक्ती बिह्डिंग एफ० पी० नं० 49, टी० पी० एस० 2, तिलक रोड, सान्ताकृज (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं ग्रई० 2वी/37 ईई०/ 40260/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वंबई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रजीस्टर्ड किया गया।

> एम० एस० राय सक्षम प्राथिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-2वी बॅम्बई

तारीख 9-7-1987 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2 बी, अम्बई

बम्बई, दिनाक 9 जुलाई 1987

निर्देश सं० ग्राई-2की/37ई०ई-40518/86-87—ग्रत. मुझे, एम० एस० राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा नगा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट न० 42, शातिवन, खार, बम्बई 52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई रजीस्ट्री है तारीख 27-11-1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स स्पतित का उचित बाजार क्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) असरण स हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृष्यिभा के लिए।

भत्त, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——
9—206GI/87

(1) मेमर्स सुरेश एन्टरप्राइजेस

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमता रेखा उदय णाहा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्में :--

- (क) इस रूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया सत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जमें भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (श) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया

अनुसूची

"फ्लैट न० 42 जो शातिबा प्लोट न० ए 7, 14वां रास्ता और साउत एवेंन्यका जाक्शन खार, बम्बई 400052, श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० स्राई 2बी/37 ईई०/40518/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1986 को रजीव्टई किया गया है।

> एम० एम० राय सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेज 2 बी, क्षम्झर्ट

तारी**ख** : 9-7-1987

प्रस्य प्राप्तुः, ट<u>्री. श्रुपः, पुरा</u>ष्ट्र-------

आयकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

शास्त्र श्रेरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 जुलाई 1987

निर्देश स० श्राई-7बी/37-ईई-39911/86-87—श्रतः मुझे, एम० एस० राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूक्य 5,00,000/- रु. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पनैट नं० 4, प्राकाण, सान्ताक्रज (प) बंबई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269 क ख के श्रधिन सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 10-1-1986

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उण्णित जाजार मृत्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मितिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक्ती (अंतरितियों) के भीप एसे अध्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित ध्वर्षेय से उक्त अतरण लिखित प्रे वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है ---

- (क) अन्दरण स हुई किसी प्राथ की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बागिस्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चै बिग्र; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें शारतीय नायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उनत मधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) श्री पी० पी० मेहरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुल पोहनल फवीयानी

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के किस कार्यवान्त्रियां करता हु"।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आसीय :---

- (क) इस सूचना को समपन में प्रकाशन की तारीचं चे 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधौहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकिरणः —-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा का उस अधाय में दिया रहा ही।

बनुसूची

"फ्लैंट नं० 4 जो पहली मंजील, श्राकाश को० श्राप० हाउसिंग सोसयटी लिभिटेड, सरोजनी रोड, सान्ताकुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० आई-2बी/37 ई०ई 39911/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजीस्टई किया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकाा आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2बी, बंबई

सारीख: 9-7-1987

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २५२ व (1) के अधीन मुख्या

भारत सहकाड

कार्यानय, सङ्घायक मायकर मायुक्त (निद्रीक्षण) ग्रजीन रोज-2 बी, बंबई

बंबई, दिनांक 9 जुलाई 1987

निर्देश सं० धाई-2बी/37-ईई-398/7/86-87—म्ब्रतः मुझे, एम० एस० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हे

1,00,000/ि रु. स अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० पलेंट नं० 601, काकड विला, सान्ताकुज
(प), बंबई 54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा
श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 के ख के श्रिधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 7-11-1986
कां पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
भितिकस के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एमे दश्यमान श्रीतफल का
पन्ताह श्रीतश्रत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ
पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्यत बन्तरण
सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने ये स्विधा के निए;

किः अरः, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण् कै, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) है अधीन, निस्तिचिक व्यक्तियों, नव्यति क्ल-- (1) श्री कृष्णा कनस्ट्रक्शनस्

(अन्तरक)

(2) प्रदीप जी लूथीया भौर नीतू पी० लूथीया (भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के शिष् कार्यवाहिया करता हो।

तकत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कौई भी बाक्षप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी विक्त दवारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क मो परिभाष्टिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या

मन्सूची

''फ्लैंट न० 60, जो छठवीं मंजील, काकड विसा, सारस्वती रोड, सान्ताकूज (प), बंबई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० श्राई-2बी/37 ईई-88817/ 86-87-श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 7-11-86 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2 बी, बंबई

तारीख 9-7-1987 : मोहर: दक्ष्य शाह . टो . एन . एक . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (है के अधीन सुचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंबई

वंबई, दिनाक 9 जुलाई 1987

िर्देश स० ग्राई- ३वी/37 ईई०-39816/86-87—-ग्रतः मुझे, एम० एस० राय,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो, को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रुसे अधिक है

यौर जिसकी स० फ्लैट नं० 301, काकड़ विला, साताकुज (प) बंबई, मे स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ग्रौर जिक्का करार तमा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधिन सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय, बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 7-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकात सामान हैं और अतस्व (अवस्को) आर अतरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक हप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क सन्तरण महर्ग कियों बाद की बावल, तका बिधिनियम के बधीन कर दों के अन्तरक की शिर्ण्य में अभी करने या उनसे बचने शे मिलिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी निक्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 किया 11) या अक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाधुं अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अनीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धु—न

(1) मैर्सस कुष्णा कंस्टरक्शन,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बंदना, डी० जयसिंग ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 'इन की बबीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किस जा सकेंगं।

स्पर्धाकरण:--इसमे प्रयुक्त गर्नो और पर्दो का, का उक्क अधिनियम, के अध्यास 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना ओ प्रमान ना विदश् गया है।

मन्स्ची

''प्लट नं० 301, तिसरी मंजिल, ककडा विल, सरस्वती रोड, जो सांताकुज (प) में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2बी/37 ईई/39816/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनाक 7-11-176 को रजीस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 बी, बम्बई

तारीख: 9-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

क्रायालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्रण)

श्चर्जन रेज 2, बस्बई बबई, दिनाक 9 जुलाई 1987

िर्देश स० भ्राई०-2बी/37ईई०-40291/86-87--श्रत मक्षे, एम० एम० राय,

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/ रु. सं अधिक है थ्रीर जिसकी स० पलैट नु० 301, दी श्राकं मान्ताकुज, बर्बा 59 में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वर्बा में रजीस्ट्री तारीख 21-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पिता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिक नहीं किया गया हैं ---

- (क) अंतरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अर्थान कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) मेसर्स म्रजय एण्ड को ०

(भ्रत्तरक)

(2) जोनी टी० पेमास्टर

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त उधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गध्या है।

अन्स्ची

"फ्लैट न० 301, जो दो ग्रार्क कार पाकिंग स्पेम के साथ एम० बी० रोड, मान्ताकुंग, बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैंपा कि के में श्रई-2बी/)37 ईई/40291/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बर्बई द्वारा दिनाक 21-11-1986 को रजिस्टई किया गया ।

> एम० एम० राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेग-2-क्वी, बम्बई

नारीख . 9-7-1987

मोह 🕏

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2 की, बंबई

बंबई, दिनांक 13 जुलाई 1987

र्देशम ं० म्राई-2 बी/37ईई-40696/86-87—म्प्रतःज म ुझी,एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपए से अधिक है

मीर जिसेकी सं० फ्लट, काकर कोर्ट, खान, बंबई में स्थित है (भीर इससेउप बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिवियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 28-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम को स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्या, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पेमूह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल,, निम्नलिकित उद्देश्य से स्वत्य अन्तरण लिकित में बास्त-विक कप से करित नहीं किया चया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(6) मेसर्स काकड एण्ड सन्स

(अन्तरक)

(2) श्री रामचंद संवालदास बछानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

''तिसरी मंजील पर फ्लैंट जो काकड़ कोर्ट, सेथ निवास, सोलावा रोड, खार, बंबई में स्थित है।

म्रानुसूची जैसा कि कि लें प्रर्ध-2बी/37ईई० 40696/ 86-87 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा विनांक 28-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2बी, बंबई

नारीख: 13-7-1987

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2 बी, बंबई

बंबई, दिनांक 13 जुलाई 1987

निर्देश सं० ग्रर्थ-2बी/37ईई-39679/86-87—म्ब्रतः मुझे, एम० एस० राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्व 5,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, बी कोन सोमायटी सेन्ताकृज (प), बंबई 54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करार-नामा, श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्री है तारीख 3-11-1986

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, ब्रुक्त, ब्रुक्त दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कन्तरित (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय श्रामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्वेश्य से उच्या अन्तरण कि बिल तय श्रामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्वेश्य से उच्या अन्तरण कि बिल स्था के स्था के स्था के स्था के स्था से स्था के स्था के स्था के स्था से स्था के स्था से स्था के स्था से स्था के स्था से से स्था स्था से स्था स्था से स्था स्था से स्था से

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे यकने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, वा धन अस अधिनियम, वा धन अस अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शाना वाहिए था, छिपाने के रिविश की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात —

(1) श्रीमती मृदुला विनोद मेहना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सूभाष एस० मुकर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री बाकोप प्र--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यास्तिमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तिमों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिपव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवियत में किए जा सकति।

स्पष्टीकरण:--इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त विभिन्तिम, से वश्याय 20-क में परिभाषित ही, यही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विकार भया ही:

अमुस्ची

"फ्लैंट नं० 501, जो वी कोन को० श्राप० हाऊसिंग सोसायटी, 144, राम कुष्ण मिशन रोड, सान्ताकुज (प), बंबई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-37/ईई 39679/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 3-11-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> एस० एस० राय सक्षम प्राधिकारी, सहसक ग्रायकर, ग्रायुक्त निरिक्षण ग्रर्जन रेज-2बी बंबई

तारीख : 13-7-1987

त्रकम् कार्धः, दौ ः एव*ा* एकः, स्टान्स्टास्टान

बायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारो 269-च (1) के वधीन स्थाना

THE STREET

कार्यातय, तहायक भायकर कार्यक्त (निरक्षिक) अर्जन रेज 2 बी, बंबई

बंबई, दिनाक 7 जुलाई 1987

भाषकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चाए 'उक्त निश्चिमयम' 'क्ह्म पदा है'), की भाष 269-क के निश्चिम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं 8, बदीनाथ बिल्डिंग आर, बबई 52 में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है (श्रीर जिसका करारनामा, श्रायकर श्रीधिन्यमं की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 27-11-1986

अर्थ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अम्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरक सिक्त मे अम्तिक हम ने कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण में हुन्दं फिसी बाय की बावत, ठअत अधिनियभ के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्थिधा के लिख्; और/वा
- (क) ऐसी किसी आधुवा भन वा नन्य वास्तियों की, किन्हें भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नियम, यो अवकार अधिनियम, यो अवकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नथा वा किका वाना वाहिए था, कियाने में हिम्मा के शिक्तः

कतः प्रश्न, शक्त विधिनियम की धारा 269-म मैं वन्धरम मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (6) श्री ठाकुरवास एन० मंधवानी मौर श्री गीरधरीलाल एन० मधवानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शीला रामदास गालानी

(भ्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

जनत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्रीप :---

- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीश श्रे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्षि, वो भी व्यक्षि गांद में समान्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (था) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बों और पवाँ का, को उपत अधिनियम, के अध्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ द्वीगा, को उस नश्नाय में विधा प्रसाह :

अनुस्ची

"फ्लाट नं० 8, जो दूसरी मजिल बद्दीनाथ बिल्डिंग, प्लोट नं० 458, 459, पंघरवा रोड, खार, बंबई 400052 में स्थित है।

म्रानुसूचि जैसा कि कि सं० म्रई-2बी०/ 37ईई-40516/86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनाक 27-16-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त प्रजीत रेज-7बी, मुबंबई

नारीख: 13-7-1987

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 बी, बंबई

बंबई, दिनांक 13 जुलाई 1987

निर्वेण सं० फ्राई-2बी/37ईई-40011/86-87— ग्रतः मझे एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० पर्नेट नं० 10, उर्धीला अपार्टमेंटस खार (प), बंबई-52 में स्थित है (ग्रीर इममें उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है ग्रीर जिसका कारनामा श्रायकर प्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधिन सेक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 17-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्षितयों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---10—216GI/87

- (1) श्रीमती झीया जयदेव मोडी ग्रीर मुकुंद ग्रार० मोडी (अन्तरक)
 - (2) श्रीमती मधुबन प्रीतमलाल मोडी श्रौर श्री राजेश प्रीतमलाल मीडी

(म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :-- 🤻

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 10, जो पाचवी मंजिल, उर्मीला प्रपार्टमेंट, उन्नीमवा रोड, खार (प), बबई-400052 में स्थित है। प्रमुसूचि जैसा कि क मं० प्रई-7बी/37 ईई 40011/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 17-16

म० एस० राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज - 7 बस्बई

तारीख: 13-7-1987

THE RIE'S AL LEGISLES STREET, STREET,

भारकर निर्धानवम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जे नपीद वृषदा

भारत सरकार

क्शर्यालय, सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 जी, बंबई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1987

निर्वेश सं० ग्रई०-2बी/37 ईई-40290—म्बतः मुझे, एम० एस० राय,

भावकर निर्मित्वमा 1981 (1981 का 43) विश्वे इसमी परवात् जनत निर्मित्वमा सहा गया है । की भारा 259 के ने मधीन समान प्राप्तिकारी को वह निरमात करने का मार्ग हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उपित् वाजार मूक्व 5,00,000/- रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 230, वी प्रार्क, सान्ताकृज, बंकई-49, में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका कारनामा भ्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधिन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 21-11-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास स्रोत का कारण है कि क्लापूर्वोक्त दल्लेल्त का उक्ति वाजाय मूल्य, असके दश्यमान प्रतिकल से, एसे असकान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें जम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नितिवत समुद्रों से उन्त अंतरण किखित में वास्तिक कम से स्थित नहीं किक दशा है

- (क) भन्तरण में हुई फिसी जाय की बावत, उक्त विधिनवन के बधीन कर दोने में बन्तरक के वार्षित्क में कमीं करने या उससे त्रवर्ण में सृतिया ॐ,फिप; बॉर/जा
- (म) ऐसी किसी आय दा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भट-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती दवाण प्रकट नहीं किया बना या किया जाना वाहिए था, कियाने यो जनिया के किया

भतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जबसरणः में, गैं. अक्ट जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसेर्स अजय एण्ड को०।

(अन्तरक)

(7) श्री मदनलाल झुनझुनवाला श्री मदनलाल झुनझुन-वाला एचयूएफ० और श्रीमती दुर्गदिवी झुनझुनवाला । (अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सब्यक्ति के अर्जन के हिए कार्यवाहियां करता हुं :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्ष्रेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 चिन की नयिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 चिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पल्डीकरण : ---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बतप्तकी

"व्लाट नं० 302 कार पाकिंग स्पेंस के साथ, जो दी भाक, एस० वी० रोड, सान्ताकुज बंबई 400054 में स्थित है।

भनुसूची जैसा की ऋ० सं० मई-2बी/37 ईई-40290/ 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 36-16-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) भर्जन रेंज-2वी, बंबई

तारीख: 🕻 👫 📭

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

नायंकर विभिनिषम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासम सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रैज-2 बी, बम्बई

बंबई, दिनांक 13 जुलाई 1987

निर्देई सं० ग्रई-7बी/37ईई-40109/86-87—श्रतः मझे. एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्षेत्रका क्षेत्रियम कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार न्स्व 1.00.000/- रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसेकी सं० फ्लाट नं० 51, णांतीबन, राय, बंबई 52 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजिस्ट्री है तारीख 17-11-1986

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दि प्रतिशत स अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए क्य पाया गया प्रति-दश्य स्वाप्तिकात स अधिक स्वाप्तिकात स अधिक स्वाप्तिकात के निए क्य पाया गया प्रति-दश्य स्वाप्तिकात स्वा

- (क) बक्तरण में हुए किसी नाम की बावता, शक्त सांच्यित्व में समीय कर वाने के मन्तरक में सामित्य में कसी करवें या सबसे मणने में स्विधा में किए; बार/या
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी भग या बन्य बास्तियों को सिन्हें अरतीय काय-कर बीधनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर बीधनियस, वा अनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(6) मेसर्स चरेश एन्टरप्रायसेस

(भन्तरक)

(2) श्रीमती कल्पना शरद शाह

(झन्तरिती)

को वह मुखना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति से वर्षय में विक् कार्यवाष्ट्रिया करता हुए।

राष्ट्रत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्त च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या वर्षोंचे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीभाषित है, बहा कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वगसूची

"फ्लोट नं० 51, जो शांतीबन, प्लाट नं० ए-7 स्शान झाफ चौदबा ए रोड झौर माउथ ऐवेल्यू खार बंबई 400062 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-7बी/37-ईई-40109 86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 17-16-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> एम० एम० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (िरिक्षण) ग्रजैन रेंज-2नी, बस्बई

असः अब, उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधार (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् प्रनन्न

तारीर: 13-7-1987

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2बी, बंबई

बंबई, दिनांक 13 जुलाई 1987

निर्देश सं० ग्रई-2बी/87 ईई-39830/85-87—श्रत: मुझे, एम० एस० राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000// रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलाट नं० 2, जीम हीयू, खार बंबई-52 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 क ख के श्रिधित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 7-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण कि बितर में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त निध-नियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती राजींदर कौर सचार

(अन्तरक)

(2) श्रीपराशर एल० ठक्कर ग्रीर श्रीमती शोभा पी० ठक्कर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

संपद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'फ्लट नं० 7 जो पहली मंजिल, जीम व्हीयू कोर ग्राफ हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, प्लोट नं० 658, सोलावा रोड, खार जी राउ बंबई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अई-नवी/37ईई-39830/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई दिनांक 7-11-86 को रजीस्टर्ड कियां गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरिक्षण) श्रर्जन रेंज-7बी

तारीखं: 13-7-1987

प्ररूप आर्च्ुटी_एन्,एस्,,------

जावकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2बी, बंम्बई

बंम्बई, विनांक 13 जुलाई 1987

निर्वेश मं० ग्रई- $\Pi/37$ -ईई-40294/86-87—यतः मुझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 71, गुलमोहर, 9वां रास्ता, खार, बंम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रणुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षित्यम, की धारा 269 क ख के अधिन सक्षन प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 26-11-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ब्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पा। गया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्घेषय से उक्त अंतरण लिक्ति वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आरिलायों को, जिन्हा भारतीय जायकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियां, अधीत् :--- (1) मेसर्स विजय दिप डेवलपमेंटस

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मदुला वि० मेहता और दिलिप वि० मेहता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों प्रश् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पित्तयों में से किसी स्विध हवाराः
- (स) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्कीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुजुची

फ्लैट नं०71 जो गुलमोहर प्लाट नं० 162, एस० बि० रोड श्रौर 9वां रोड, खार, बंम्बई 46 €052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2बी/37ईई-40294/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बंम्बई द्वारा दिनांक 21-11-6986 को रिजस्टर्ड गिया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2गी, बंम्बई

तारीख: 13-7-1987

प्ररूप आई. टी. एनं. एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1987

निर्देश स अई -2बी/37ईई-40107/86-87---यत: मुक्ते, एम० एस० राय,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आर्प है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न 41, शांतीवन, खार, अंम्बई-52 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिपाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रथमान प्रतिपाल से ऐसे द्रथमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अंन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक हम से किथत नहीं निक्या गया है:——

- (क्रं) अन्तरण मंहुई किसी आयं की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में अपनी करने या उत्तर बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. शर्थ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, गिग्निसिवत व्यक्तियों, अभित् --- (1) मेसर्सं सूरेश एन्टरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) श्री उदय नंदलाल शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गर्भेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा संकोंगे।

स्पन्नीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

वंग संची

फ्लैट नं० 41, जो चौथी मंजिल, शांतोबन, प्लाट नं० ए-7, जंकशन आफ 14वॉ ए रोड और साउथ एवेन्यू रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं अई०-2बी/37ईई-40107/ /86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 17-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम एस० राय सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख : 13-7-1987

And and " af the date of

आयकर विभिनियम, 1961 (191 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याच्या, व्हार्यक कार्यकार बाल्यक (शिक्षीकर्ष)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई बम्बई,दिनांक 13 जुलाई 1987

निर्देश सं० अई -2बी/37-ईई-39767ए/86-87---यतः मुझे, एम० एस० राय,

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, सुश्मा, जाजू करनानी सान्ताकुज (प), बंम्बई 54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारमामा आयंकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिक बाबार मूल्य वे कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बल्क ब्रोतबात से अधिक हैं बाँद बंतरक (जंतरकाँ) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) हैं जिस एसे बंदरण के लिए सब पाना क्या प्रतिकत विश्वासिक क्यारेस से उस्त बंतरण विशिव में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आव की वावतः, जक्तः श्रीविषयः के व्योग कर दोने के अन्यरक वो दायिक में कभी करने या उससे अन्यने में स्निका के किए; और/वा
- (य) एसे किसी जाय ना किसी जान ना जाया आसिसपी कां, जिन्हों भारतीय आयकार निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या पृष्-कृष्ट वहीं किया विधा या सामिना जाना चाहिए था, कियाने में सृष्या में लिए।

बतः नव, उच्छ निधीनवन की थाय 269-म की नवृत्तरम में को, उच्य वीधीनवन की थारा 269-म की उपधारा (1) हो सभीन, निम्निलियित व्यक्तितम् सभी संस्था (1) श्री राजेम्ब्र किशोर अगरवाल

(अन्तरक)

(2) श्री छन्न दिपचंद अहजा

(अन्तरिती)

को यह बुजवा जाडी महत्वे पुर्वोतस्य सन्तिष्यं सर्वन से हैनए सार्वनाहिनां युक्त कडता है ।

काल कार्यांत्र में नार्यन में इस्तान में नार्द्ध हो आहेत् हुं---

- (क) इस बुक्ता में राजपून में प्रकारन की आहीत में 45 दिस की नशीय दा सरसम्बन्धि कानिएकों शह बुक्ता की सामीन से 30 दिन की नव्या , को भूषि कर्मा कर में समाप्त होती हो, के जीतर प्रविद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (ह्य) इस सूचवा के सूचपन में प्रकाशन की कार्ट्स के 45 विन के मीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हैस्तनसूत्र 'किसी क्या काजित क्याया मालह्स्तासकी के अस्य दिशीयत में जिल्ला स्थाप मालहेंने ।

रक्किकरण ह— इसमें प्रवृक्त कर्म और पर्यो का है हो। अवध विधित्यम के अवस्य 20-क में परिवाधिक हीं, हही वर्ष होगा को यह कव्यान में किया गुर्या है।

प्रनुष्ची

पलैट नं 15, जो सूश्मा, जाजू करनानी को० आप • हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड लिकीग रोड एक्सटेंगन, सान्ताऋष (प) बम्बई-400054 में स्थित है

अनुसूचो जैसा कि कि सं अई-2बी/37ईईई-39767ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बंग्बई द्वारा विनांक 7-11-1986 को रिजस्क्किं किया गया है।

> एम ॰ एस ० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जाबुक्त (मि**रीक्षण)** अर्जन रेंज-2वी, व**म्ब**र्फ

तारी**ज**: 13-7-198~

प्ररूप बाह् ु टी ु पुन ु पुस् ु -------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

अम्बई, विनांक 13 जुलाई 1987

निर्वेश सं अई-2बी/37ईई 40108/86-81---यतः मुझे एम • एस • राय,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मृख्य 5,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैट नं 52, शांतिवन, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से बाँगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धाराा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालब, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1986

को प्रोंक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार कृष्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिखत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बाक्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी करने या उसके बचने में कृषिणा के विख्य और/या
- (अ) देशी किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्तिवाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, वा धनकर अधिनिवस, वा धनकर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः वन, उन्त विधिनियम की धारा 269-ए के बबुतरण वै', जै', उक्त विधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के जधीन, निम्मतिकित व्यक्तियों, बर्धात् ध⊶- (1) मेसर्स सुरेश एन्टरप्राईजेस

(अन्तरक)

(2) श्री शरद नंदलाल शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाक्ष तिचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयूक्त शस्त्रो और पर्वोका, जो उक्त जीभनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ं फ्लैट नं • 52, जो शांतियन 14वां ए रोड और ताउच एवेन्यू रोड चार, यम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2 सी/37 ईई-40108/ \$6-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी स**हायक आग**कर आयुक्त (नि**रीक्ष ण)** अर्जन रेंज-2की, बम्बई

तारीयं : 1447:1987 मोहरू प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1987

निर्देश मं अई-)बी/37ईई-40012/86-87—यतः मुझे, एम एस० राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं प्रलैट नं 8 उिल्ला अपार्टमेंट, खार (प), बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अस्वई में रजिस्ट्री है तारीख 17-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल से सिफ है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- 'स) एसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- 11-216GI/87

(1) श्रीमती उपा मुकुंद मोडी

(अन्तरक)

(2) श्री नीलेश प्रीतमलाल मोडी और श्री प्रीतमलाल वेचार बेचारदास मोडी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पनैट नं० 8, जो चौथी मंजील, उर्मीला अपार्टमेंट, उन्नीमवा रोड, खार (प), बम्बई 400052 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2बी/37-ईई-40012/86-87 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जक्ष रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 13-7-1987

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

1. श्री टी० ए० नारायण

(ग्रन्तरक)

2. श्री वैद्यनाथन राजन

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्नर्जन रेंज-2 बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1987 सं० अई-2 बी/37ईई/39988/86-87:-- ग्रत: मुझे, एम० एस० राय,

शायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी संख्या पलैट नं 10, सागर सहवास, खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रार हममें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बाँणत) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिस्ट्री है, तारीख 17-11-1986 को गूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्धरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरित (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित इप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने ला उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवभा के लिए;

बतः ज्व, उस्त विधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में. में अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् १—— को यह सूचना पार्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विख् कार्यवाहियां सूक करता हुं ,॥

उनत सम्पृति को अर्थन में संबंध में करेंद्र भी बाबोप ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए वा सकींगे।

स्वाचीकरण: --- इतमें प्रयुक्त शब्दों भीट वर्षों का, वा क्लत वीभीनयम के नभ्याय 20-क में परिकारिय है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 10, जो पांचवीं मंिल, मागर महवास को० श्राप्ति हार्जिस सोमायटी लिमिटेड, 423 (1), गोल्फ लिक रोड, खार, अम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अर्ध-2 बी/37ईई/39988/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17--11-1986 को रिनिस्ट किया गया है।

> एम० एस० राय मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायक∵ श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज–2बी०, बम्बई

विनांक: 13-7-1987

प्रकार मार्च<u>ः हों। पुर्वा पुष्का अञ्चलका</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाप 269-न (1) के न्धीन व्यवा

नाइतं श्रेकता

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13, जुलाई, 1987

सं० श्रिक्ट बी/37ईई/40692/86-87:— श्रतः मुझे, एम० एस० राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या फ्लैंट, काकड़, कोर्ट, खार, बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण कप से विणित हैं) और िसका करारनामा, आयकर अधिनयम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिनस्ट्री है, नारीख 28-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्स्यमान प्रिपक्ष के सिए बन्दरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे क्स्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से स्थिक हैं और संतरक (संतरकों) और संवरिती (संतरितमों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वर्ष से उच्क अन्तरण लिखित से बास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है ध—

- (क)ं कच्चुरण वंशुर्द मिली जान की नानगा स्वया श्रीपित्रम् के ब्यूपीय काल वाने की संबद्धक की नामित्य में कामी कारने मा बच्च नमने में सुनिधा को सिए; श्रीर∕शा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हीं जायतीन वानकर निर्मानियन, 1922 (1922 का 11) या उत्त जिमिनयम, या वर्ष-कर वीचिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना वा वा किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा में विदे;

काः जन, सनत जीभीनयम की भारा 269-म के समुसरण में, में, उकत अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के प्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. मैसर्स काकड एण्ड सन्स।

(श्रन्तरक)

 श्री श्रमेल जे० चांदनानी श्रौर श्रीमती मोहीनी जे० चांदनानी।

(भ्रन्तरिती)

को वह ब्यावा प्रार्थी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्बन के बिक् कार्वनाहिनों सुक करता हो।

उन्ह रामित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के हाजपण में प्रकाशन की रारीचा चें
 45 दिन की अविध या उत्स्मिन्धी व्यक्तियों दर
 सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, थो औ
 अविध नान में समाप्त होती ही, के भीत्र पूर्वोंकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृक्ष किसी म्युन्ति द्वारा. स्थाहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिदियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय वै दिया गया है।

जन्स्ची

पांचवीं मंजिल पर पलैंट, जो काकड, कोर्ट, सथ निवास, सोलावा रोड, सी०एस० न० ई/118, खार, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्र०-2 बी/37ईई/40692/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेぶ-2बी, बम्

तारीख: 13-7-1987

तक्य बाह्य, टी. एन. एच..-----

आयकेंद्र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मेथीन सूचना

BISS SENS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 वी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई, 1987

निर्देश स० श्रई-2 सी/37ईई/40018/86-87:---श्रतः मुझे, बी० बी० गृप्ता,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या फ्लैट तं० 601, वैभव जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय बम्बई में रिस्ट्री है, तारीख 17-11-1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिसत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेदिय से उक्त अंतरण निवित्त में नास्तिक रूप से कोचन महीं किया गया है मन्तर से कोचन स्था की का

- (क) नन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त विधिनयम के बधीम कर दोने की अंतरक के विधिन्य में कवी करने वा उसते वचने में शुविधा के सिए; बॉर/मा
- (क) एंसी किसी बाम या किसी भन या अत्य अपिन्य की किसी का माम का का माम का का माम का 1922 की प्राप्त का 11) या उन्न अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था किया स्वांश के सिए,

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री विनोद गोयंका

(श्रन्तरक)

2. श्री प्रमोद गांयंका

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पृत्तीकत सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यशाहियां करता हों।

उनत संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद क्षणा की तामीस से 30 दिन की संविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उद्दार अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं। वहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो छठवी मंजिल, त्रैभव प्लाट नं० 2 जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंमा कि कि के सं श्रई -2 सी /37ईई /40018 86 -87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17 -11 -1986 को रिंगस्टर्ड किया गया है।

वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-2 बी, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

प्रकृष् आई. हो. एन. एस्. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें न-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० ग्रर्ड-2 सी/37ईई/3971/86-87:—म्ब्रनः मुझे, बी० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

1,00,000/ र. स आधिक हु

और ित्रसकी संख्या फ्लैट नं० 402, ममता अपार्टमेंट, जुहु,
बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रानुसूची में प्रौर
पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में स्थित है, तारीख 7-11-1987
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यथमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे जवने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य अस्तिया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:——

1. इलाईट (इण्डिया) बिल्डर्स

(मन्तरक)

2. श्री प्रेम भ्रार० मेहता श्रौर श्रीमती भ्यामा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

वक्त बम्बीत के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी शासीय है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की सर्वीभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की भविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकश्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

कतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के अभीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नगुसूची

प्लाट नं० 402, जो ममता श्रार्टमैंट, चौथी मंजिल, प्लाट 308, जुहू, स्कीम, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क०सं० श्रई—सी/37ईई/39791/बी 86-87 ग्रीर जो सजम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त,(निरीक्षण), भर्जन ऍज-2सी,बम्बई

दिनांक: 14--7-1987

स्वय सर्भा छ हो। स्वा स्वय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यानय, बहायक वायकर बाबुक्स (विराक्षण)

अर्जन जरेज-2 सी, बम्बई बम्बई, विनांक 14 जुलाई 1987

निदेश सं० अई-2 सी/37ईई/40262/86-87--- यतः मुक्ते, जी० बी० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/-रुपय से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैंट नं० 304, मरीन एण्ड अपार्टमेट, जुहू, बम्बई में स्थित है (और उसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20-11-1986

को पूर्वो क्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) श्रीमती सरीता डिसोजा।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल के० गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूधारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरूताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः -- इसमे प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, मरीन एण्ड अपार्ट-मेटस, जुहू तारा रोड, जुहू, अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं कं अई-2सी/37ईई/40262/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 20-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

प्रक्य आर्च्, टी. एव. एत. ु लागाना नामान

शावकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के वधीन ध्वना

बारत सरकार

कार्याचन, सहायक भागकर वायुक्त ([नर्याक्क)

अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० अई-2 सी/37ईई/40358/86-87:-अत: मुझे, बी० बी० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिजर्स इसके इसके पश्चात् (अक्त अधिनियम' कहा गवा ह"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका अधित वाचार मृत्य 1,00,000 ह० से ग्राधिक है

और जिसकी सं० पलैट सं० 101, जुहू सागर सम्प्राट, जुहू, बम्बई— 49 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण-रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम किंधारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,

बम्बई में रिजस्ट्री है, विनांक 21-11-1986
की पूर्वोक्त सम्परित की स्वीपत बाजार मून्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार
भूख, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिकृत से विभक्ष है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्निनिवित उद्वोध्य से उच्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरच से हुई फिसी बाय की बायत, उपत जिथितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बावित्य में कभी करने या उसने अधने में सुविधा के सिए; जॉट/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्विक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्विपान में सुविधा से सिस्।

बत: शव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के, बनुतरम ब", बी, उक्त वीभिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) बै अभीत, निम्मनि[बत व्यक्तियों, बर्भात अ~~ (1) श्री विरेन अनिरुद्ध पटेल और नरेन अनि**रुद्ध** पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुलशन ग्लामली मोरानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई" शक्षेप ध---

- (क) इब सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, खों भी व्यक्तियों में संगिष्त होती हो, खें भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितवब्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखिन में किए जा सकते।

स्वच्छीकरण :---इतमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का, जो उनसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका नदा ही।

नगुसूची

फ्लैट सं० 101, जो जुहु मम्प्राट को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ए० बी० नायर रोड, जुहू, बम्बई— 400049 में स्थित है ।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० मं० अई-2मी/37ईई/40358/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रिजिस्टर्ड किया गया ।

वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--2मी, बम्बई

विनांक: 14-7-87

प्ररूप आईं. टी. एन एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-ख (1) को अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० अई-2सी/37ईई/40418/86-87--अत: मुझे, वि० बी० गुप्ता,

आयकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 5,00,000//- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० सी-42, 31, नेहा अपार्टमेंट जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 21-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
जिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक क्षंत्रियल में कमी करने या उससे बचने में सुविध के लिए; और/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स पूनम एन्टरप्राइसेस

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश ए० व्हाबी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना अनी तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विशन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है '

मम्सू भी

फ्लैट नं॰ मी-41 और 42, जो चौथी मंजिल, नेहा अपार्टमेंटस, सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 968, जुहू तारा रोड, जुहू, बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2 सी/37ईई-40418/86–87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

प्रकृष् वार्ड.दी.एम्.एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जलाई 1987

निर्वेश सं० अई--2सीं/37ईई-40476/86-87--अत: मुझे, वि० ग्री० गुप्ता,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/⊬ रा. से अधिक हें

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 3, परजपे बी स्कीम नं० 3, बिले पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) (भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-1986

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिजित में वास्तिक कप से कांचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के श्रायित्व के कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सूरियधा के लिए;

मत: जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :--12-216GI/87

(1) श्री जी० के० नायक,
 श्री ए० के० नायक,
 श्री ए० ए० नायक, और
 श्री आर० के० नायक

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लता कनसद्रवशन्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों को वो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

अन्स्ची

प्लाट नं० 89, जो परांजपे बी स्लीम नं० 3, हनुमान रोड, विर्ले पाले (पु), बम्बई-400057 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-2सी/37ईई/40476/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

इक्रप बाइ. टी. एन. एस. ----

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नपीन स्थाना

नारत बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नाय्मत (निर्यालक)

श्रर्जन रेंज-2सी, अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं अई-2सi/37ईई-40455/86-87--अतः मुझे, वि० बी० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं० 601, हेमल, बिले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित हैं (और इसपे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-1986

को प्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गद्दौ हैं और मृत्ते यह विषयास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इनके बृश्यनान विख्न हैं, ते में बृश्यमान प्रतिक्त चा प्रमादीय नित पे प्रिष्ठ है बीद कन्तर में (कन्तर ची) बीद कन्तरिती (कन्तरिति वी) है बीद ऐसे कन्तर के जिए तब पाया क्या विज्ञाद, किन्मिति व द्रिय वे उन्त बन्तर में विश्वत में वास्त्रिक का वे क्या नहीं किया गया है :--

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबक, स्वक्त को भोनवस के बधीन कर बोर्च के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वाजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा का किया जाना चाहिए था, क्रियान जे सीवधा के निक्ष: जोर/जा

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) स्काय-बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र धीरजलाल गांधी

(अन्तरिती)

को यह स्वता कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उत्तर कुम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बालेंच ह---

- (क) इस स्वा के समय में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पवित्तयों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में संज्ञारत होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वास्तवों में के किसी स्पेक्त इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर बम्मित में दिख-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात लिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वकारण: ---इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो सन्ब अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा वता ही।

अनुसूची

फ्लैट नं 701, जो हेमल, प्लाट नं 5, हतकेश नगर को ांप हार्जीस सी लिं , जेवी पीड़े। स्कीम, बिले पार्ले (प), बस्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2 सी/37ईई-40455/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्सा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

मोहर ;

प्रसप बाहै. दी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सूचना

भारत सद्कार कावणिय, सहायक आयकत आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० अई-2 सी/37ईई/40567/86-87:--यतः मुझे, वि० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित्त थाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लैंट नं 6-बी, गजदार अपार्टमेंट, जुहू तारा रोड, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विक्नाश करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उपन अन्तरण लिखित में बात्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उच्या अभिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् :--- (1) जीमी गजवार

(अम्तरक)

(2) जी० टी० सी० इनवेस्टमेंट्स एण्ड फायनेंस लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए फार्यनाहियां करसा हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिक्ष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की उन्धि, का भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वाक्त निकतों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तार्रास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिसब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः—च्ह्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. आरं उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क मां परिफापित क हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं 6-बी, जो छठवी और सातवी मंजिल-गजदार अपार्टमेट, जुह तारा रोड, बम्बई-400049 में स्थित है। अनुसूधी जैसा कि ऋ० सं० अई-2 सी/37ईई/40567/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-2सी , **बबर्म्ड**

तारीख: 14-7-1987

शक्य वार्षं ही स्म . एक , ----

माधक ४ मिप्तिन्त्व, 1961 (1961 का 43) की पाय धारा 269-प (1) के बचीन स्वता

मार्व बरका

कार्यालयः, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० अई-2 सी/37ईई/40456/87-87:--यत: मुझे, वि० की० गुप्सा,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का करण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं विधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं० 602, हेमल, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-1986 को पूर्वेंक्त सम्पत्ति के स्थित बाबार मून्य से कम के स्थमान करने का कारण है कि यभापूर्वेंक्त सम्पत्ति का उत्तिक बाबार मून्य, उत्तिक का पान्स प्रतिक का पान्स प्रतिक का पानस प्रतिक का पानस प्रतिक का पानस प्रतिक का पानस प्रतिक से बिभक्त है बौर बंतरक (बंतरकाँ) की गंतर पंतर रती (बंतरितियाँ) से बीच एते बंतरक के तिए हय पाया गया प्रतिक निम्निलिखित उन्नदेश से स्वत्त बंतरण लिखित में

र्शस्तियिक रूप में किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुन्हें किसी आध की बास्त, उक्त विश्वित्व के ध्वीन कर दोने के बंद्युक के दादित्य में कभी करणें वा उक्के व्यूपे में बूबिशा के किहा, ब्रीप्ट/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्ह्रं भारतीय नाथकर निषित्यम, 1922 (1922 का 11) वा उन्य निषित्यम, वा भन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं संतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस: अब, उन्नस अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण मों. मीं, उन्नस अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) स्काय-बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बासूमती दिनेशचन्द्र गांधी ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना वारों कड़के पृष्टेंनत स्थाल से स्थान में स्थ् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त समिति से वर्षन से सम्बन्ध में लोड़ भी बालेर :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विश्व की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामीन से 30 विन की नवधि, वो भी वक्षि वाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिएवव्स किती क्षा स्थावत इवारा, अथोहस्साक्षरी के पास सिवित के किने का क्यों ने ।

ल्क्योकरण :---इसमें प्रमुक्त जन्मों शीर पर्यों का, वी उक्त विधित्रम के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, यही वृधें होता को उस अध्याद के दिया कृश हैं क्र

यनसूची

प्लैट नं० 602, जो हेमल, प्लाट नं० 5, हतकेश नगर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जे० बी० पी० डी० स्कोम, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुपूची जैसा कि क सं अई-2 सी/37ईई-50456/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> वि० की० गुप्ता सक्षम प्रीधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 सी,बस्बर्ष

विमांक: 14-7-1987

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं अई--2सी/37ईई/40544/86--87:---यसः मुझे, वि० बी० गुप्ता,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 2, फेंड्स, सोसायटी, जे० वी० पी० डी० स्कीम, बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के ध्रयमान प्रितिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विद्धास करने का अरूप है कि यथापवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उच्त अन्तरण जिलित बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-वीधिनियम को वचीन शर दोने को अन्तरक की वाधित्व में कवी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या बच्च बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अमिल रामवास सवानी

(अन्तरक)

(2) सागरमल मोडी

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्लाट बं० 2, जो फेंड्स को-आप० सोसायटी, एन० एस० रोड 5, जे० बी० डो० डी० स्कीम, बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2 सी/37ईई/40544/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गु**प्ता** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2सी,**बम्बई**

दिमांक: 14-7-1987

`C. 207

प्रारूप बादै. टी. एन. एस.---

भारतकार जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) को लभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यायनः बहारक बारकार वायुक्त (निद्वालिक)

भर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987 निवेश सं० मई-2 सी/37ईई/40548/86-87---भत: मुझे, बि० बी० गुप्ता,

नायक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

मोर िसकी संख्या दूसरी मंितल पर पलैट, शिशीर, जुहू तारा रोड, बम्बई—49 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर िसका करारनामा ग्राय-कर भिवित्यम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रितस्ट्री है, ता,ीख 27-11-86 क्ये पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूच्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके क्यमान प्रतिफल के पर्या प्रतिफल के पर्या प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल है और अन्तर्क (अन्तरकों) और क्तिरती (श्रंतरितयों) के बीच को एसे अन्तरण के लिए तब प्रवा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेय्य से उक्त अन्तरण लिखन में बास्तिकल रूप से कार्यन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दं फिसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कियल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उपस अधिनियम की धारा 269-ग के, अमूसरण में, में, उपस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निकालिकित व्यक्तियों, अधीक ए--- (1) श्री कल्यानजी शामजी गाला, श्रीमती शोभा कल्याणजी गाला ग्रौर मास्टर भवीन कल्यानजी गाला

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मलीका श्रन्दुल हुसेन मर्चन्ट

(मन्तरिती)

का यह सूचना पारी कारके पूर्वांक्त सम्वत्ति के अर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ान्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के शस निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिस्पः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौका, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूसरी मंत्रिल, पर फ्लैंट जो शिशीर 15 ए, जुहू तारा रोड, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ भई-2 सी/37ईई/40548/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1986 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2-सी, बम्बई

विनांक: 14-7-1987

इस्म बार् ब टी , एन , एस , ------

बाधकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-प (1) के वधीय क्षमा

हाइस सहस्वतः कर्मास्य, बहायक गायकार गायुक्त (विद्रीक्ट्

ग्रर्जान रेंज-2 सी, बस्बई बस्बई, विनांक 14 जुलाई, 1987

सं० मई-2 सी/37ईई/40639/86-87:-- भ्रत: मुझे, वि० बी० गुप्ता,

नावकार मीधीमनथा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नवधात् 'क्ष्मत निधिनवद्य' कहा गया ही, को धारा 269-क के नकीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ही कि स्थापर सम्मस्ति विस्तका स्वीचत वाचार मृत्य 5,00,000/- छ. से निधक ही

श्रीर जिसकी संख्या पलट नं० 403, पालम बीच, जुहू, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबक श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर िसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-11-1986

को पूर्वोक्क बंपरिक के समित बाबार बूटन से कम के दस्यमान प्रतिकास को सिए संतरित की एई

है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके दृष्यमान प्रतिकत से एकि दृष्यकान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंद-रक के सिए तब बाधा नया प्रतिकल, निम्नोसियित उद्देश्य के अक्त अंतरण सिक्ति में बास्क्षिक क्य से कवित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण ते शुर्व किसी आय की सावत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, किसी आप या किसी धन या अन्य जास्तियों की, किसी आप की मार्थिय सायकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निर्मानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट वहीं किया गया भा वा किया वाना वाहिए था, कियाने वे सुविधा के निर्मा

लतः अबं, उक्त अभिनियमं कौ भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 नताशाम मर्चट ट्रस्ट

(ग्रन्तरक)

 श्री गुरमीत सिह घोड़ी श्रौर रीटा धोड़ी

(भ्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की हारीच वें 45 दिन की जनमि वा तत्सम्बन्धी स्वक्तिमों पर स्वना की हामीस के 30 दिन की जनभि, वो भी अवधि यद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 रिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवहथ किसी जन्म स्थापत स्वारा जमोहस्ताकरी के वाल सिक्टिस में किए का सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों जीर पदों का, को शक्त विभिन्यम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में दिया क्या है।

वपुत्रुची

पलट नं० 403, जो चौथी मंत्रिल, पासम बीच, गेरेज नं० 4, गांधी ग्राम रोड, जुह, बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि के सं० भई-2 सी/40639/86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 28-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता, सञ्जम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2 सी, बस्बई

दिनांक: 14-7-1987

गारूप बार्ष: टी. एन. एस.---

बार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंग-2, सी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987
सं० प्रई-2सी/37ईई/40555/85-86:-- प्रतः मुझे।
बी० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या हुप्लेक्स पलट, पारी नात, जुहू, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर िमका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य से कम से कम स्थ्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्रत से स्थिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित्री मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण सिचित में क्लरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वाश प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्ता व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स काकड डेवलोपर्स।

(मन्तरक)

 निरन्जर टी० राजदेव भ्रौर श्रीमती चन्द्रीका एन० राजदेव

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायता;
- (रू) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी। त्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डुप्लेक्स पलट, जोपारी जात बिल्डिंग, रोड नं० 10, जे बी० पी० डी० स्कीम, जुहू, बम्बई में स्थित है। धनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2 सी/37ईई/40555/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िष० बी० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2 सी, बम्बाई

दिनांक: 14-7-1987

प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-धु (1) के संधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरक्तिक) श्रर्जन रेंज-2 सी, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

सं० ग्रई--2 सी/37ईई/40758/86--87:-- ग्रतः मुझे, वी० बी० गप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्तर्भ इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित आजार स्ख्य 7,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या जमीन का हिस्सा, टीलक मन्दिर रोड, विले पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिस्ट्री है, तारीख 28-11-1986

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का वगरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरू (अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निसित उच्चरिय से उक्त अंतरण जिच्छि में बालाबिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, जन्त जीवनियंत्र को बचीन कर दोने की बंतरक को दायित्व यो कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, पै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाद् के 13—206GI/87

श्री पांडुरंग महादेव सैत,
 श्री प्रभाकर महादेव सैत ग्रौर
 श्री राजा राम महादेव मैत

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स एक्मी कन्स्ट्रक्शन को०।

(भ्रन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 किन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जो टीत्रक मन्दिर, रोड, विले पार्ले, (पु), बम्बई-400057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क मं० श्रई-2 सी/37ईई/40758/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक कृष्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2मी, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1937

सं अई-2 सी/37ईई/39788/86-87:-- अतः मुझे वि० बी० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके परचा**ल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने **कारण है कि** स्थावर सर्म्पास, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000 / - रु. में अभिक **ह**ै

और जिसकी मंख्या फ्लैट नं 22, संणजय प्लाजा, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर म्रिधिनियम, की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बभ्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-11-1986 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य संकाम के क्षयमान बिरिफल को लिए अन्तरित की गई है । और सभी यह विक्वास करने का कारण है कि रथाप्योधन सम्बन्धि का संजन नाजा। मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान एकिकन ना ण्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक कं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 र्१९५2 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम जी धारा 2/69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैमर्स टीना स्टील (फैमिली ट्रस्ट)

(अन्तरक)

2. श्री सूर्य कुमार पी घनशानी

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षे :-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त उधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्ध्या है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो दूसरी मंजिल, प्लाजा, ए० बी० नायर रोड, जुह, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं अई-2 सी/37ईई/39768/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

विनांक: 14-7-1987

शक्य आहो_ल दर्शित पुरस्त पुरस्त हु । ॥ ५ ५५५०

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नेभीन चूलना

मारत चहुन्छा ।

कार्यासन, सहायक नायकर नायक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 14जुलाई 1987

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट नं 61, संजय प्लाजा, जुह, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-11-1986

क कायालय, बम्बइ म राजस्ट्रा ह, तागल 4-11-1986 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान हितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल का प्रन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य को बास्तरियक कप मे किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाम की बावत-, क्ष्मच अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-वार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया वाला वाहिए था, कियाने के ब्राविया के लिए;

शत: जब, दक्त किंपिनियम की ध्राय 269-ग के जनसरभ जो, जो, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1), को अधी⊭, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स टीना स्टील (फैमिली ट्रस्ट)

(भ्रन्तरक)

2. श्री अतिल अगरवाल।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वि 🚜 अविष्टि 🕏 अविष्टे के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त बर्मित के वर्षन के तंत्रंथ में कोई भी वालेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख ल 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण:--इसर्से प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिल है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

पर्लंट नं ० 61, जो, छठवी मिजिल, संजय प्लाजा ए० बी० नायर रोड, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ सं अई-2 सी/37ईई/39769/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

नारीखज: 14-7-1987

प्रकृष बार्षः हो. पुत्रः पुत्रः-----

कावकर वीभीनमय, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-व (1) वे वभीन क्वा

and alman

भार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 सी, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 14 जुलाई, 1987

सं० अई-2 सी/37ईई/39704ए/86-87-37 अतः मुझे, वि० बी० गुप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 11, संजय प्लाजा जुहू, बम्बई, 49 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर, अधिनियम कॅं: धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 4-11-1987 को पूर्वायत सम्पत्ति के उचित नाजार भूल्य से कम के परयमान प्रतिभव के लिए **अ**न्तरित की मुओं यह विश्वास करने का किः यथापूर्वाकत संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्दर्भ स उक्त कन्तरण लिबित में बास्तविक रूप हं क्ट्रीवत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरियों ब्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में धृतिया के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीत् :--- 1. मैसर्स टीना स्टील (फैमिली ट्रस्ट)।

(अन्तरक)

2. श्री सज्जन डी नारवाही,

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पृक्षीयत संपृत्ति से वर्षन के जिल्ला कार्यसाहियां कारता हो।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस हे 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामीस हे 30 दिन की व्यक्तियों को श्री व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवादाः
- (क) इस सूजना के राजपन में प्रकाशन की तारीज़ वें 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्परित में हितबष्ध किसी बस्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के बाद निवित में किए वा क्योंकी

लब्दीकरण.—इतमे प्रयुक्त बच्चों और प्यां का, वा बच्च विभिन्नियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस सध्याय में विभा वक्ष हैं।

भनुभूषी

फ्लैट नं र्रा. जो पहली मजिल, संजय प्लाजा, एर बी० नायर, रोड, जुहू बम्बई-400049 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि के सं अई-2 सी/37ईई/39704ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-11 +1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 सी, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्रसम् बाद् टी.एन.एत -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (पिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई, 1987

सं ॰ अई-2 सी/37ईई/40437/86-87:-- अतः मुझे, वी ॰ बी ॰ गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बंगलों नं. 4, जलपंखी जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है) और जिसका कराग्नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-1987 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ला बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान क्रितिकल से लिए जन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का मन्तिकल किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्तित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के जिद;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के शिए:

अत् अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्न्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— श्री भीखूभाई दहया भाई टोपी वाला और मनीबेन भीखूभाई टोपीवाला

(अन्तरिती)

 विनय वशेश्वर नाथ कोचार, नीरज राजा वशेश्वर नाथ कोचार और दीपक वशेश्वर नाथ कोचार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) 4स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्चिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीएभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

वन्त्ची

बंगलो नं० 4, जो जलपंथी को० आप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू तारा रोड, पालम ग्रोव होटल के सामने, जुहू, बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं अई-2 सी/48ईई/40437/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 सी, गम्बई

दिनांक: 14~7-1987

The second secon

प्रकथ बाई .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

ध्कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 सी, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 जुलाई, 1987

तिर्देश सं० ग्रई-2 सी/37ईई/40683/86-87:- ग्रतः मुझे, बि० बी० गुप्ता,

आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 190, कुंडा पाटकर रोड विले पार्ले (पूर्व) बम्बई - 57 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम की धारा 269 क ख के भधीन, खक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 28-11-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, रसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों करे. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ——

1. श्री विश्नु महादे कदम

(म्रन्तरक)

2. श्री एम० एम० पोल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्म ची

प्लाट नं 190, सी० टी० एस० नं 1582/1, 1582/2, एस० नं 117, एच० नं 24, कुन्दा पाटकार रोड, विले पार्ले (पु), बम्बई-4000057 में स्थित है। स्रतुसूची जैंमा कि क्र० मं० स्रई-सी/37ईई-40683/, 86-87 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2सी,बस्बई

दिनांक: 14-7-1987

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रजत रेज-2 सी, बम्बर्ड

भ्रम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987 सं० ग्रई-2 सी/37ईई/40529/86-87:--- श्रनः मुझे, वि० बी० गृप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4, मधुबन, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनसूची में भीर पूर्ण रूप स वर्णित है) भीर जिसका करारतामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के स्रधीत मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मेरजिस्टी है तारीख 27-11-1986 को पूर्वीक्स सम्परित को उचित बाजार मृत्य से क्रम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दहुँ और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इक्श्यमान प्रतिफल स्रे एसे इक्श्यमान प्रतिफल का रक्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शीवफल, निम्नलियित उपुरोप्य से उपत अन्तर्थ विशिष्ठ शस्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण संहृषं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किर्रं। भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए:

करः वष, उक्त अभिनियय, की धारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्म जी० सी० एन्टरप्राइसेंम्

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती निरन्जना एन० णाह श्रौर नरेन्द्र एम० णाह

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के िसए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी खाक्षोप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमाँ प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया। गया हैं।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 4, जो दूसरी मंजिल, मधुबन, प्लाट नं० 9, ग्राजाद नगर सोस(यटी, जे० वी स्कीम रोड नं० 6, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-2 सी/37ईई/40529/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1986 को रिजस्टिंड किया गया है।

वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण)ू, श्रर्जन रंज-2 सी,गन्ड

दिनांक: 14-7-1987

मुक्त नार्व<u>, हो, एवं, एक्, उ</u>न्हरू

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

नारत सरकार

कार्यांसर्व, सहायक नायकर नावुक्त (विद्रांशक)

ग्रर्जन रेंज 2 सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987 सं० ग्रई-2 मी/37ईई/39770/86-87:-- ग्रतः मुझे, बी० बी० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह विक्वास करने का कारण है कि स्थापत सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

5,00,000/- स. स जावक ह

ग्रीर जिसकी संख्या पलाट नं० 51, संजय प्लाजा, जुहू,
बम्बई-49 सें स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में
ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर
ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई सें रिजस्ट्री है, तारीख 4-11-1986
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान
ग्रितफल के लिए बस्तरित की वर्ष है और मृष्टे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखत उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में
बाम्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हर्द्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशिस्त में क्ष्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्त्रियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना चाहिए था, छिपान मा मूर्त के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. मैंसर्स टी ता स्टील (फिमली ट्रस्ट)।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पुरूषोतम सी • बुधरानी

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबभि, खो भी अवधि के बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिवित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वना है।

मन्स्ची

पलट नं 51, जो पांचवीं मंजिल, संजय प्लाजा, ए० बी० नायर रोड, जुहू बम्बई-400049 सें स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि० सं अई-2 सी/37ईई/39770/86-87 और जो सभम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि । कि

वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 सी, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 14 जुलाई 1987

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लट तं० 56, संजय प्लाजा. जुहु, बम्बई 49 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम की धारा 279 के ख के श्रधीन मक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-11-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति क उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दिश्यों से उक्त अन्तरण लिकित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत,, उक्त आधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायियन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जरा: अब, उक्त जीधीनयम की धारा, 269-ग के जनुसरण में, में,, इक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् ६—— 14—216GI/87 श्री शाह अब्दास सादीक अली खान उर्फ सजय खान और श्रीमनी झरीन अब्बास—खान

(ग्रन्तरक)

 श्री एम० के० णाहनवान और श्रीमती खुरशेद शाह

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों ता सम्पत्ति, कं नहान के सिध्ः कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवन को प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति इंगर,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किये वा सकेंगे

स्पष्टोफरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लट न॰ 54, जो पाचवीं मंजिल, संजय प्लाजा, जह, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० स० श्रई-2 सी/37 ईई-40704/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 28-11-1986 को रिजस्टई किया गया है।

वि० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, सी,बम्बई

दिनाक: 14-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार एक आम्बर आमस्त (दिस

कार्यालय, सहायक आधकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निदेश स० अई०-2सी/37 ईई/40733/86-87मुझे, वी० बी० गुप्ता,

असबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 71, नेहा अपार्टमेट, जुहू, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28 नवम्बर, 1986

करे पूर्धांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के बाबित्य में कभी करनें या उनसे वचने में स्विशः के लिए; और/बा
- (स) एती किसी आब बा किसी धन बा अन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर किसी धन मा अन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर किसी है। स्वाप्त में प्राप्त के अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मैं प्रनम इन्टरप्राइमेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परवेशरानी धनपत राय पाहवा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिध या तत्संबंधी यिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंक्त क्विसायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भातर उसत स्थावर सम्बद्धि में हिसक्ष्य किसी सम्बद्ध स्थादा सभोहस्ताक्षरी के पास निविद्ध में दिश्य का श्कीम ।

साष्ट्रीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों क्या, जो उक्त अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्वाद में दिवा गुवा है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 71, जो सातवी मंजिल, विंग सी, नेहा अपार्टमेंट, सो०टी० एस० नं० 968, जुहू तारा रोड जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम स० ग्रई०-2/4ी/37 ईई०/40733/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 नवम्बर, 1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

वी० बी० गुप्तां सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

तारीख · 14-7-1987 मोहर · the spirit printing

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

-कार्यातय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जुलाई 1987

निदेश सं० आई०-2सी/37 ईई०/40524/86-87--- अतः मुझे, बी० बी० गुप्ता,

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदधार उका अभिनेता की कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावन सम्परित, दिसका उचित वाधार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं जिसकी 12, हतकेश सोसाइटी विले पार्ले (प), धम्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इस प उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिन्ट्री है तारीख 27 नवम्बर, 1986

लो पूर्वोक्च स्वास्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान वितफल के लिए क्यारित की गई है और मुर्फ ग्रह जिश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके शब्यमान प्रीतफल से एसे कश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है बीर बन्तरक (बन्तरकों) और धन्तरिति (अंतरितियों) के लोच एसे अन्तरण के लिए तथ पासा णया प्रतिफल, निक्नलिक्ति उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिक्ति में बाग्तिक रूप से कींयत नहीं किया गया है है—

> (क) अन्तरणा से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने मे सूर्विधा के लिए: और/पा

ाकः, का बार या किसी भन वा बन्ध आस्तिभी को किसी भन वा बन्ध आस्तिभी को कार जी भिन्यम, 1922 का 11) या उक्त अधिनयम, 1922 भन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री जयन्ती लाल छोटालाल शाह (पारेख), श्री जसवन्ती लाल छोटालाल पारेख, श्री धीरज लाल छोटालाल पारेख।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता मोहनदास मेट्टी और श्री शेरूर मोहन दास गेट्टी।

(अन्तरिती)

का यह स्वना पार्रा करके पूर्वोक्त सपित के वर्षन के सिष् कार्यवाहिए।

नक्त सम्मन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्वें नि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित या किए या सकाने।

स्पष्टिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, ऋ अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यह अर्थ हागा को उस अध्याम में विका गया है।

नगत ची

जसमीन 12 जो हतकेश को० आपरेटिव हाउसिंग सोमाइटी लिमिटेड, विशनू प्रसाद देसाई हाल,बी० एल० मेह्ता मार्ग, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई०-2सी/37 ईई०/40524/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27 नवम्बर, 1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

की० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2-सी, बम्बई

नारीख : 14-7-1987

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, अहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ृरेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० अर्ध०-2सी/37 ईई/39973/86-87--अतः मुझै, बी० बी० गुप्ता

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य

1,00,000/⊢ रत. से अधिक ह°

और जिसकी स० फ्लैंट नं० 3, न्यू मोनार्क, जे०बी० पी० डी० स्कीम बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रैजिस्ट्री तारीख 14 नवम्बर, 1986

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पूजुह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निविद्य में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (का) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिष्या के लिए।

आतः अस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2639-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धीः (1) श्रीमती पूनम मल्हों त्रा

。(अन्तरक)

2) मैं० निक्को इनबेस्टमेंटस लिमिटेड । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्मत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- वद्ा किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस निवित्त में किए प्रा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विशा गया ही।

अनुसूची

पलैट नं० 3, जो पहली मंजिल, न्यू मोनार्क, जे० बी० पी० डी० स्कीम, बम्बई-400049 में स्थित है। अनुमूची जैसा कि क्रम सं० अई-2सी/37 ईई/39973/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 नवम्बर, 1986 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2सी, बम्बई

नारीख : 14-7-1987

अक्ट नार् टी.एम.एस., नननननननन

बारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में कवीन स्करा

PER STATE

काव्यवयं, ब्रह्मयक नायकर बायुक्त (निर्याक्तक)

अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश स० अई-2सी/37 ईई/40715/86-87-- अतः मुक्ते, बी० बी० गुप्ता

हाप्रकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें एक्क्स (उक्स अधिनियम) कहा नया ही, की बारा 269-इस मधीन सम्मान प्राधिकारी की, यह विश्वास करमे का नमस्य है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट न० 801, विले पार्ले (पू), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है। तारीख 28 नवम्बर, 1986

को प्रॉक्स संपत्ति के विश्वत वाधार मूल्य से कम के श्रायमान इतिकास के लिए वन्तिरत की गई है बीर मुम्ने यह विश्वतात करने का कारण है कि वधाप्योंकत सम्मित्त का उधित अवार बृत्य, उसार का व्यवसान प्रतिकास से, एोचे वस्तमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिवाँ) के बीच एोचे वंतरण के निक्स तब नामा क्या प्रति-क्य विश्वतिवाँ) के बीच एोचे वंतरण के निक्स तब नामा क्या प्रति-क्य विश्वतिवाँ क्या क्या वे उन्त करारण विश्वत में वस्ति-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा बो सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सूर्यकाता आर० शाह ग्रौर अन्य । (अन्तरक)
- (2) मैसर्स एवरणाईन बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

बक्त बम्परित् से वर्षत् से धम्बन्य में कोई ही मार्खेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्ति हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्ति ध्वादा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिरीका में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण .---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, बही अर्थ होगा को उस अधाव में दिया वदा है।

धनुमुची

्लाट न० 801, जक्शन ऑफ तेजपाल रोड क्रुग्रौर पार्लोग्बर रोड, विले पार्ले (पू), बम्बई—400057 मे स्थित

अनुसूची जैसाकि कम स॰ अई-2सी/37ईई/40715/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, ब्म्बई द्वारा दिमाक 28 नवम्बर, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त - (निरीक्षण अर्जन रेज-2सी, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेग-2सी, बम्बर्ध

बम्बई, दिनाक 14 ज्लाई 1987

निर्देश म० ग्रर्ड-2मी/37र्हर्ड<math>/40468/86-87---ग्रत मुप्ते, वी० बी० गुप्ता,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1.00.000/- रु से अधिक है

ग्रौर िगकी स० मी० टी० एस० न० 96 1, 96 5, जह, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इनमें उपाबद्ध श्रापुम् में ग्रौर पूर्ण र विणित है) ग्रौर िस हा करारनामा ग्रायहर पधिनियम ती धारा 269 व ख वे स्त्रीन नक्षम पाधिकारी वे कार्याय, सम्बई में रिस्ट्री है, दिनाक 24 नवम्बर 1986

क्षां पूर्वांकत मण्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातिफल के लिए अर्तारत की गई है और मण्डे यह विश्वास बाजार का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उचन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी: आय था किसी धन था अन्य आस्तिया को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस उच्चन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प्रें, जैं. उच्क अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् --

- (1) श्री ए० गोनस् फ्रांग् श्री बी गोमप्।
- (ग्रन्तरक)

(2) वियक्तेता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्थवा ह्या करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारी;
- (स) इस प्यता क्री राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सापित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पवर्र का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मीन का हिस्सा िवता सी० टी० एस० न० 964, 965, विते अ जुहू, जह तारा रोड, बस्बई में स्थित है।

ग्रन्स्ची जैसा कि कर सर् गर्ड-2सी/37ईई/40468/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई हारा दिनाक 24-11-1986 को र्रास्टई किया गया।

वी० वी० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

दिनाक 14-7-1987 मोहर प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रे -2सी, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 ज्वाई 1987

निर्देण म० प्रई-2मी/37 ईर्र/10110/8० -87—-ग्रत मु $^{\rm R}$, वी० बी० गप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसस इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कीं धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्त्राम करने का कारण है कि स्थावर मर्म्यात्त, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० फाइन र त्याट न र 35-बी/1, जह, वस्तर्घ ये स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध अनसची में स्रोर पूर्ण का विषय हैं) स्रोर िसका करारनाया क्रायकर स्रधिनियम वी धारा 269 के, ख के स्रधीन सक्षम पाधिकारी के कार्या थ, बस्बई में रिस्टी है, दिनाक 17 नवस्त्रर 1986

को पृत्रों कत सम्परित को उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों केत सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरती (अंतरितियों) को बीच को एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में स्विधा के तिए; और/या
- (ख) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) वसर्प गौरम कार्परिकन ।

(प्रन्तरक)

(2) भेसर्प प्राशीत कन्स्ट्रकान ।

(अन्तरिती)

न्हा यह सूचना <mark>जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> अयहाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्स बन्धी व्यक्तियों एर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाता हा, के भीतर पूर्वाक्त विभागों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति त्यारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरो।

श्पब्दिकरण:--इपमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त ' अधितियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्स्ची

मीन का हिस्सा जिसका फाइनल प्लाट नं 35-बी/1, जह, रोड, जृह, बम्बई संस्थित है।

अन्यूची जैसा कि अर्थ भ अई-2सी/37ईई-40110/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 17-11-1986 को रिस्टर्ट किया गया। है

वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेज−2सी, बम्बई

दिना ह 14-7-1987 माहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-2सी, बम्बर्ध

बम्बई, दिनाक 14 जुलाई 1987

निर्देश स० - श्रर्द-2मी/37ईई-40689/86-87---श्र**त** मुझे, बी० बी० गप्ता

नायकर प्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 //-रु से अधिक हे

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 12, सी० टी० एस० न० 586, जह, बस्बई मे स्थित है (श्रीर इससे उत्तबद्ध ग्रामुची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिलका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, खाके अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, दिनाक 28 नवम्बर 1986

को पूर्वावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान प्रतिकास को लिए अन्तरित की गर्क है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित साजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिश्वित उव्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करवे या उसमें यचने में सचिधा के लिए, वौर/या
- (स) एरेनी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (,1922) का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अभिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना पाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः। अब उपस अभिनियम की धारा 209-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) मनोहर प्रशोत्तम खारकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार श्रीकृष्णा पोदार।

(भ्रन्तरिती)

को यह समना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया क रता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण →-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गका है।

प्लाट न० 12, सी० टी० एस० नं० 586, जुह, बम्बई मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-2सी/37ईई/40689/86-87 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 28-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण), मजन रेज-2सी, बम्बई

दिनाक 14-7-1987

प्ररूप आहा. टी. एम. एसं. -----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन क्ष्या भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रें। - 2सी, अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 ज्लाई 1987

निर्देण सं० ग्रई-2सी/37ईई/40512/86-87--भतः मुझे, बी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके परचात् 'अकत अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, चिसका उचित बाचार भूम्थ 1.,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर िसकी स० फाइनल प्लाट नं० 65सी (पार्ट बी) विले पार्ले (प०), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध भनुभूची से और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 24 नवम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुच्च, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-बल, निम्नलिबित उद्वेष्य से उच्य बन्तरण लिखित में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धदेव वे तुर्द किसी बाय की शबंद , उनके वीर्याच्या के बनीय कर दोने के बन्दरक के बांचरक की कमी करने का स्थासी बचने वो स्वीवण का प्राप्त , बीरू/पा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :----- (1) श्री टी० वी० कपाडिया श्रीर अन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स ऐनने कम्बाईन्स् ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यपाहिका करता हूं।

उन्त बन्गील में वर्षन से बन्नुन में मोद्रों सी वासेप:--

- कि) इस प्रवा के राज्य में प्रकारन की वारीय वे 45 दिन की जनींग का शर्वनंत्री व्यक्तियों वर त्या की शामीन से 30 दिन की नगींग, को भी अविश् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वन्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में अकाशन की तारीज से 45 दिल के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में दिल-बहुध किसी सम्य व्यक्ति हुपारा, अधोहस्साकारी के शास विश्वित में किसे या सकीये।

रच्यां वरणः - इत्ये प्रमुख्य श्रम्यां और नवां का, वी श्रम्यः वीगीयवय के श्रम्यात 20-क वो नीरवाविक ही, वही शर्य होना को उस सभ्याय ते विका भवा ही।

बदुव्यी

"्मीन का हिस्सा जिसका फाइन र प्लाट नं० 65सी (पार्ट बी), टी० पी० एस० 3, सी० टी० एम० नं० 1132, 1 में 6, बिले पार्ले (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्रई-2सी/37ईई/40512/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 24-11--1986 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रें :— 2सी, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

प्रक्त बाइ".डी.युन.युस.,-----

भागकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की बाग्र 269-व (1) के अधीन स्वना

बाइक कर्याड

कार्यातय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशक)

भ्रर्जन रेंज-2मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश स० अई-2सी/37ईई/40299/86-87--श्रत: मुझे, वी०बी०गुप्ता

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंपात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं कि अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्लाट सी, हेम कालोनी, विले पार्से (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 21 नवम्बर 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति, के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रीतफल के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूक्म, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे मंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निय्नीमिखित उद्वेष्य से उसत अंतरण मिखित वे बास्तियक रूप से किया गया है :---

- (क) बन्तरण ये हुइ किसी बाब की बावत न उपल यथिहिनय के बधीन कर योगे के बन्तरक बी दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा क सिए; बोर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शातागौरी शकरलाल भट।

(भ्रन्तर क)

(2) मेसर्स यूनिक कनस्ट्रक्शन को०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूजींबत सञ्चलित के जर्बन के दिवक कार्यग्रहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की शहरीय से 45 दिन की सर्वीच वा तस्तंत्री व्यक्तियों पर स्पना की सामील से 30 दिन की नवीच, को भी वनीच नाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से सिन्दी कादित दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

"प्राट सी " जो हेम कालोनी, कैलाश स्वामी विवेकानद रोड, विले पार्ले (प०), बम्बई 400054 में स्थित है।

भ्रनुभूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2सी/37ईई-40299/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 21-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेल-2सी, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 31st July 1987

No. 2/24/87-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Surendra Paul, permanent Section Officer as Under Secretary in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 3000-100-3500-125-4500 with effect from the forenoon of 31st July, 1987 for a period of three months or until further orders whichever is carlier.

BRAHM DUTT Under Secy.

for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 3rd August 1987

No. 3/10/87-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri Yoginder Pal Singh IPS (UP-1981) as Assistant Director, Bureau of Police Research & Development, New Delhi on deputation with effect from the forenoon of 22nd July, 1987, until further orders.

R. S. SAHAYE Dy. Director (Adm.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 27th July 1987

No. E-32015(4)/1/87-Pers.1/1281.—President is pleased to appoint Shri G. P. Gandhi, on promotion as Assistant Commandant on regular basis in CISF Unit, BHEL Hardwar with effect from the forenoon of 29th January, 1987.

2. Name of Shri G. P. Gandhi appearing at Sr No. 2 in CISF Notification No. E-32015(4)/1/87-Pers. 1 dated 13th March, 1987 is hereby deleted.

The 31st July 1987

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I/72.—President is pleased to revert Shri H. S. Sidhu. Assistant Commandant (Ad-hoc) CISF Unit, BSL Bokaro to the rank of Inspector/Executive with effect from the forenoon of 11th February, 1987. On reversion as Inspr./Executive, he has been posted to CISF Unit, RSP Rourkela.

Sd/- ILLEGIBLE Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 3rd August 1987

No. 11/10/87-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Dr. K. P. Ittaman, Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delbi, as Deputy Registrar General (Social Studies) in the same office, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 27th July 1987, until further orders.

- 2. Dr. K. P. Ittaman will be on probation for a period of two years.
 - 3. The headquarters of Dr. Ittaman shall be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 31st July 1987

No. 1522-CA.I/59-76.—OOn attaining the age of superannuation Shri R. Sampath, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit-II), Tamil Nadu, Madras retired from Government service with effect from 30-6-1987 (AN).

D. N. ANAND

Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Comml.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 24th July 1987

No. Admn.I/GO's prom/F. No. 65/164/703.—Accountant General (A&E)-I, Madhya Pradesh, Gwalior has promoted Shri A. B. Lal, Section Officer (02/457) as Accounts Officer in an officiating capacity until further orders in the scale Rs. 2375-75-3200-E.B.100-3500 w.e.f. 21-7-87 (forenoon).

(Authority: --A.G. (A&E)-I's order dated 21-7-87),

Sd/- ILLEGIBLE Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 30th July 1987

No. 1557/Admn/130/86—Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the under mentioned Section Officers to officiate as Assistant Audit Officers untill further orders from the date noted against each:

SI. No.	Name & Designation	Office in which appointed	Date from which appointed as A. A.O
	2	3	4
S/Shi 1. Kanwal Singh, SO (A) Section Officer (Audit)		Joint Director of Audit, D. S., C. C., Meerut.	24-4-87
2. S. K. Ghosh, SO(A)		Deputy Director of Audit (Ord. Fys.), Jabalpur.	22-4-87 (AN)

1 2	3	4
S/Shri		
3. V, P. R. S, Reddy SO(A)	Audit Officer, D. S. (Navy), Vishakhapatnam.	20-4-87
4. L. Udayavecr, SO (A)	Asstt. Director of Audit, D. S. (Air Force), Bangalore.	20-4-87
5. Surat Singh, SO(A)	Joint Director of Audit, D. S., WC, Chandigarh.	23-4-84
6. S. K. Gulati, SO(A)	Joint Director of Audit, D. S. (Air Force), Dehradun.	20-4-87
7. B. K. Biswas, SO(A)	Joint Director of Audit, D. S., EC Patna,	1-5-87
8. V. Ashokaraju, SO(A)	Joint Director of Audit, D. S. (Navy), Bombay.	20-4-87
9, S. N. Prasad, SO (A)	Joint Director of Audit, D. S., SC, Pune.	22-4-87
10. H. K. Chowdhury, SO(A)	Joint Director of Audit, D. S. (Navy), Bombay.	20-4-84
11. K. S. Sambasivam, SO (A)	Joint Director of Audit, D.S., SC, Punc.	27-4-87
12. G. Raghothman, SO(A)	Director of Audit, Defence Services, New Delhi.	16-4-87
13. S. A. Agarwal, SO(A)	Joint Director of Audit, D. S., (Air Force), Dehradun.	20-4-87
14. Mool Chand Gupta, SO(A)	Audit Officer, D. S., W. C., Delhi Cantt.	16-4-87
15. I. S. Sadana, SO(A)	Joint Director of Audit, D. S. (Air Force), Dehradun.	20-4-87

K. K. SHARMA Deputy Director of Aud it Defence Service

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 001, the 29th July 1987

No. 17/G/87.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. V. Vaideswaran, Offg. Works Manager (Subst. & Peimt. Foreman) retired from service with effect from 30-4-87/AN. Accordingly his name has been struck off from the strength of IOFS with effect from 1-5-87/FN.

No. 18/G/87.—Shri P. K. Ghosh, Offg. Asstt Works Manager, Vehicle Factory Jabalpur (Subst. & Permt. Staff Asstt.) voluntarily retired from service w.e.f. 31-5-1987/AN.

M. A. ALAHAN
It. Director/G
for Director General, Ordnance Factories

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 31st July 1987

No. A-1/1(340).—Shri S. V. Sundaram, permanent Deputy Director General in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1987 on attaining the age of superannuation.

M. P. BANGA
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 29th July 1987

No. 4002B/A-32013(5-ME.Sr)/80-19B.—The President is pleased to appoint Shi K. Vishwambharan, M.E. (Jr.) of the Geological Survey of India on promotion as M.E. (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3000-4500/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19-6-1987, umail further orders.

The 30th July 1987

No. 4078B/A-19011(1-DNS)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri D. N. Sreenivasappa to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24-4-1987, until further orders.

The 3rd August 1987

No. 4192B A-19012(1-SK)/86-19A,—Shri Sanjay Kumbkarni has been appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of 14-4-1987, until further orders.

No. 4205B/A-19012(3-SH)/85-19B.—Dr. Sanjay Agrawal is appointed by the D.G., Geological Survey of India to the post of Assistant Chemist in the same department on the minimum of the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 - in a temporary capacity with effect from the forencom of 27-5-1987, until further orders.

No. 4218B/A-19012(3-AKM)/87-19B.—Shri Ashim Kr. Mukherjee, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G., GSI on promotion to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-

100-3500/- in a temporary capacity with effect from the fore-noon of 3-6-1987, until further orders.

D. K. GUPTA Dy. Director General (P) Geological Survey of India

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 3rd August 1987

No. A.12026(i)/1/80-E.1.—The President is pleased to extend the appointment of Shri S. C. Mathur of Indian Civil Accounts Service as Finance Officer (scale of pay of Rs. 3700-125-4700-150-5000 revised) on deputation in the India Meteorological Department in the General Central Service, Group 'A' (Gazetted), for a period of two years from 13th July 1987.

S. D. S. ABBI Dy. Director General of Meteorology (Administration & Stores)

DEPARTMEN'T OF ATOMIC ENERGY INDIRA GANDHI CENTRE FOR ATOMIC RESEARCH

Kalpakkam, the 28th July 1987

No. IGCAR/PF/137/87-R/1425.—Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research hereby appoints Shri Joseph Dorairaj, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Centre as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the same Centre with effect from the forenoon of July 17, 1987 until further orders.

P. VENUGOPALAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO: SHAR CENTRE

P & GA DIVISION

Sriharikota Range, the 25th June 1987

No. SCF: PGA:ESTT:III:2:44—The Director, SHAR Centre hereby appoints the following officials on promotion to the post of Scientist/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- with effect from 1-4-1987 until further orders:—

SI. No. I	Name	Desighnation
 Smt. S. U Sri K. Ve Sri B. As 	enkata Seshu	Scientist/Engineer-SB Scientist/Engineer-SB Scientist/Engineer-SB

No. SCF:PGA:ESTT: III:2.44—The Director, SHAR Centro hereby appoints the following officials to the post of Scientist/Engineer/SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:

Sl. Name	Designation	Scale of pay	Date of Appointment
1 2	3	4	5
S/Shri/Smt/Kum.			
1. B.V. Subba Rao	Sci./Engr-SB		22-1-87
	Rs.200	0-60-2300-EB-75-3200-100-3	3500/-
2. L. Srinivasulu	D.o	Do.	29-187
3. Rajes Wari M. Banakar	D.o	Do.	3 -1-87
4. R. Venkatraman	D_0 .	Do.	30-1-87

		Name in the contract of the co	
1 2	3	4	5
	Sci./Engr-SB	Rs. 2009-60-2300-EB-75-3200-100-3500	1
5. D. Muralidharan	Do.	Do.	2-2-87
6. S. Nigar Sulthana	Do.	Do.	3-2-87
7. H. G. Chandrasekhar	Do.	Do.	4-2-37
8. H. V. N. Sastry	Do.	$\mathbf{D_0}$.	4-2-37
9. Graha Durai	Do.	Do.	5-2-87
10. M. Gowthaman	Do.	Do.	6-2-87
11. R. Murugan	Do.	Do.	12-3-87
12. C. Ravindra Kumar	$\mathbf{D_0}$.	Do.	12-3-87
13. C. Chandrasekhara Reddy	Do.	Do.	31-3-87
14. Tomy Joseph	Do.	Do.	1-4-87
15. N. Rama Prasad	Do.	$\mathbf{D_0}$	20-4-87
16. T. N. Mahesh	Do.	Do.	6-5-87
17. K. Srinivas	Do.	Do.	20-2-87

P. S. NAIR
Head, Personnel & General Admn.
for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd July 1987

No. A.380[3/1/87-EA.—Shri C. P. Varadarajan, Aerodrome Officer on deputation to National Airports Authority office of the Director of Aerodromes, Madras retired from Government Service on the 30-4-87 on attaining the age of superannuation.

No. A.38013/1/87-EA.—Shri J. S. Sethi, Aerodrome Officer on deputation to National Airports Authority office of the Director of Aerodromes, Bombay retired from Government Service on the 30-4-87 on attaining the age of superannuation.

No. A.38013/1/87-EA.—Shri J. D. Malik, Aerodrome Officer on deputation to National Airports Authority office of the Director of Aerodromes, Delhi, 1etired from Government Service on the 30-4-87 on attaining the age of superannuation.

M. I. SINGH Dy. Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Indore, the 3rd August 1987

No. 12/87.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise Group 'B' Shri B. D. Yaday, Inspector, Central Excise has assumed charge as Superintendent, Central Excise (Legal), Divisional Office, Indore on 20-7-87 (F.N.).

N. RAJA Collector

Nagpur, the 29th July 1987

No. 8/87.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' Shri R. B. Jadhav, Inspector, General Excise, has assumed his charge as Superintendent, Central Excise, Division-1, Nagpur on 30-6-87 (afternoon).

J. R. KAIT Deputy Collector (P&E)

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Raghavendra Textiles Private Limited

Madras-600 006, the 30th July 1987

No. 7927/560(5)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Compaines Act, 1956 that the name of Raghavendra Textiles Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Adayar Dairy Private Limited

Madras-600 006, the 30th July 1987

No. 5854/560(5)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Compaines Act, 1956 that the name M/s. Adayar Dairy Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Goodwill Bulk Carriers Limited

Madras-600 006, the 30th July 1987

No. 5663/560(5)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Compaines Act, 1956 that the name of M/s. Goodwill Bulk Carriers Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of E.I.D. Parry (International) Private Limited Madras-600 006, the 30th July 1987

No. 7445/560(3)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of E.I.D. Parry (International) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

T. AMARNATH Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE SHANKAR SETH ROAD, DHOBI GHAT, PUNE-37

Pune, the 22nd July 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/304/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing S. No. 32, H. No. 4 (pt) & S. Nos. 135 (p), 137 (p), 32 H. No. 1 (p) together with M. H. No. 189, 190, 191 situated at Kalvan

Kalyan

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Kalyan on 21-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Sri Ramesh Kachharam Achhra, Srl Madhu Kachharam Achhra, at Achhra Bldg. Plot No. 83, K. S. R Section-17, Ulhasnagar-3, Dist. Thana. . S. Road,
- (2) Sri Ramkrishna & Co. C/o Khilanmal Shirumal, Agra Road, Kalyan, Dist. Thane.

(Transferee)

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 349 dated 21-1-1987).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 2-7-1987

PORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE /NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 3RD FLOOR AAYAKAR BHAVAN ANNEXE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1987

Ref. No. P.R. No. 4495/Acq.23-I.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Ahmedabad TPS 4 FP No. 100/6 Land Adm. 605 sq. yd + ninth

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. at Ahmedabad on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Santoshkumar Alias, Chandravadan Girjashankar Rawal, "Pooja' Raiya Road, Gandhi Gram, Raikot.

 Jiyabhai Alias, Navinchandra Gırjashankar Rawal, "Nataraj Niketan",
 Cricket Bunglow Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s Chirag Association, Chairman: Shri Dilipbhai Ramanlal Pandya, 34, Bhulabhai Park, Geeta Mandir Road, Ahmedabad-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same messing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS & FP No. 100/6 Land Adm. 605 sq. yd.+Pinth Registration No. 20661 & 20662 Javed 5-12-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, 3RD FLOOR AAYAKAR BHAVAN ANNEXE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1987

Ref. No. P.R. No. 4496/Acq 23-1.—Whereas, I. A. K. SINHA,

h. N. SINIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing No.

Ahmedabad TPS 28 FP No. 145 Land Adm 1933 sq mt. +

Construction thereon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. at Ahmedabad on 24-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

16-216GI /87

(1) Shri Dahyabhai Pochabhai Individual & Karta-Manager of HUF., Minor: Bharat Dahyabhai, Minor: Ashwinkumar Dahyabhai, By Guardian Shri Dahyabhar Pochabhai, Smit Rukhiben Danyabhai Paiel, Smt. Kadashben Dahyabhai Patel, All at: Jay Khodiyar Society, New Wadaj, Ahmedabad

(Transferor) (2) M/s Jay Maruti Co-op. Hsg. Society (Proposed), Main Organizer. Shii Bhikhabhai Ramdas Patel, 10, Shiv Nagar Society, New Wadaj, Ahmedabad.

(Transferce)

(3) M/s Maruti Corporation,
10, Shiv Nagar Society
New Wadaj, Ahmedabad.
(Person whom the under signed knows to

be interested in the property).

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS 28 FP No. 145 Land Adm. mt. + Construction thereon, Registration No. 21860 & 21852 dated 24-12-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-7-1987

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 3RD FLOOR AAYAKAR BHAVAN ANNEXE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1987

Ref. No. P.R. No. 4497/Acq.23-I.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Ahmedabad TPS 22 FP No. 382 SP No. 30 Land Adm. 960

eq. yd. (and more fully described i nthe Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. at Ahmedabad on 23-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Pankaj Chinubhai Patwa, Shri Chinubhai Patwa, 79, Pritam Nagar, Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) M/s Parshva Association, Chairman: Shri Bhupendra Harilal Mehta, 6, Sumati Nath Co-op. Hsg. Society, Opp. Anand Nagar Bus Stop, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

(3) Chetanbhai Rameshbhai Shukla, Nilaben Anilbhai Nanavati, 16, Dhaval Society, Vibhag No. 1, Navrangpura, Ahmedabad-9. (Person whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS 33 FP No. 382 SP No. Land Adm. 960 sq. yd. Registration No. 1218 dated 23-1-1987.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-7-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 3RD FLOOR AAYAKAR BHAVAN ANNEXE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd June 1987

Ref. No. P.R. No. 4492/Acq.23-I.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Ahmedabad TPS 2 FP No. 118 SP No. 27, 28. Land 1197 sq.

yd. + Construction (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ahmedabad on 3-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ismailia Co-op. Housing Society Ltd., 10, Khoja Society, Kankaria Road, Ahmedabad-22.

(Transferor)

(2) Fondation Aga Khan, C/o Badraddin I. Morani, 15-C Shanaz, 90, L. J. Marg, Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS 2 FP No. 118 SP No. 27 & 28 Land Adm. 1197 Sy. yd + Construction. Registration No. 126 dated 3-1-1987.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-6-1987.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 3RD 11 OOR AAYAKAR BHAVAN ANNEXE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009, the 23rd June 1987

Ref No PR No 4493/Acq 23 I - Whereas I, A K SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs 500 000/ and bearing No Ahmedabad FS 14 FP No 219 J and Adm 1000 sq m

(1196 sq yd)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ahmedabad on 21 1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration at that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Shii Homi Savaksha Tarapore Cama Commercial Compound, Opp Petrol Pump, Mirzapur Road, Ahmedabad-1

(liansferor) (1) Prabhu Pujan Co op Housing Society (proposed), Main Otganizer Shii Manubhai Somabhai Patel, Block No 6, Manorath Society, Dafnala Shahibag, Ahmedabad-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ahmedabad FPS 14 FP No 219 Parki Land Adm 1000 sq mt (1196 sq yd) Registration No 792 dated 21 1-1987

A K. SINHA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

23 6 1987 Date Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 3RD FLOOR AAYAKAR BHAVAN ANNEXE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1987

Ref. No. P.R. No. 4494/Acq.23-I,--Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Abmedabed TPS - FP No. 544 paik Land Adm. 967 sq.

yd. + Building thereon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 3-2-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Shantilal Gordhandas Mehta and Smt. Vimlagouri Shantilal Mehta, 'Vishranti' Opp. Mona Nagar Society, S. M. Road, Ambawadi, Ahmedahad.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishchandra Jatashankar Shah, Shri Navinchandra Jatashankar Shah, 'Vishranti', Opp. Mona Nagar Society, Behind Nagyog Society, Ambawadi, S. M. Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, vithin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Ahmedabad TPS 21 F No. 544 Paiki land Adm. 697 sq. yd. + Building thereon. Registration No. 1718 & 1719 dated 3-2-1987.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-6-1987

Scal:

(1) Shri C. P. Verghese, R/o A-31 Indra Nagar, Kottayam-686 004, (Kerala).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Indu Lata, w/o Shri Prabhu Dayal Rangwala,
 Shri Raj Gopal, S/o Prabhu Dayal Rangwala, R/o D-1021, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-V1/37EE/1-86/102.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. G-79, Preet Vihar. Delhi-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 to November, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House Property No. G-79, Preet Vihar, Delhi-92 measuring 570 sq. yds.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi-110 002

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1987

Seal

FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/11-86/106.— Whereas I, T. K. SAĤ,

1. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 4/24, East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed herto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 29AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986. November 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. H. T. Bolakani, 4/24, East Patel Nagar, New Delhi.

(2) Mr. Anil Kumar T. Bolakani, High Peak Apartment, 20-A, Swami Vivekanand Marg, Bombay-50.

(Transferce)

(Transferor)

Creation Industries (P) Ltd. 4E/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"4/24, East atel Nagar, New Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002.

Dated: 3rd July 1987. Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Bldg., Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Jaguish Rai Satish Kumar, 19, Golf Link, New Delhi-110003.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C(Acq.)/Range-V1/37EE/11-86/100.— Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Space Nos. 11 to 20 in Vishal Tower in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi,

(and more full ydescribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the serid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space Nos. 11 to 20 on 11th floor in Vishal Tower, approx. area 4953 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
New Delhi-110002,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3rd July 1987,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Bldg., Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Jagdish Rai Satish Kumar, 19. Golf Link, New Delhi-110003.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/11-86/101.— Whereas I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 'eferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00.000/- and beating No.

Space Nos. 1 to 10 in Vishal Tower in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income-tax Rules 1962 in November 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

17-216GL/87

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wihin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Space Nos. 1 to 10 on 11th floor in Vishal Tower, approx. area 4988 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi."

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-1 10002.

Dated: 3rd July 1987.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 1/14 A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. 1 A C (Acq)/Range-VI/37EE/11-86/104,— Whereas 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to man the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market unless Property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. E-9, Natiana Vihat. New Delhi,

tand more fully described in the Schedule-annexed herto) has been transferred and has been registered with the Competent Authorny u/s 269AB of the I I Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986,

for an apparent conideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the constitution for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

ra) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. Avtar Singh, Karta-Avtar Singh & Sons (HUF) C-3, Chirag Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lalit Gupta, Karta-Lalıt Gupta (HUF), 4764, Deputy Gunj, Sadar Bazaar, Delhi.

(Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"E-9, Naraina Vihar, New Delhi. Single Storey Built-up

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi-110002.

Dated: 3rd July 1987.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, ACQUISITION RANGE-VI, **NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/11-86/103.--

T. K. SAĤ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. B-5/3, Group Housing Res. Complex at 9-Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Raghu Raj Bahadui, Sh. Rajesh Babadur, Smt. Sheila Dhai, Shri Abhinav Dhar and Shri Madhav Dhar, 9-Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Grover, B-161, Gujrawala Town-I,

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. B-5/3 on Second floor in Block No. B-5 of the Group Housing Residential Complex at 9, Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi-110054.

> T. K. SAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VI, Now Delhi-110002.

Dated: 3rd July 1987.

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, ACQUISITION RANGE-VI, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/11-86/105.— Ref. Whereas I,

T. K. SAH

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 2698 of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'mid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 17A/58, WEA, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule-annexed herto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 lead with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986

n.November 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b)"facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wankin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Vishwa Mohini Rajpal, 17A/58, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shree Sat Paul Dhir, (2) Shree Natendai Kumar Dhir, (3) Shree Virendei Kumar Dhir, 16/17-B, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this netice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17A/58, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
New Delhi-1100002.

Dated: 3rd July 1987.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, ACQUISITION RANGE-VI, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/11-86/97.---Whereas I,
T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing No. B1/17-18, Malka Ganj, Delhi-7,

(and more fully described in the Schedule-annexed herto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority n/s 269AB of the LT. Act. 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Brj Bhushan B1-17-18, Malka Ganj, Delhi-7.

(Transferor)

7987

(2) Shri D. V. Aneja, Shri S. K. Arora, C-II/27-28, Malka Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

"B1/17-18, Malka Ganj, Delhi."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
New Delhi-110002.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 3rd July 1987.

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd, Eros Cinema Bldg, Jangpura Extension, New Delhi 14

(Transferor)

(2) M/s Jagdish Rai Satish Kumar, 19, Golf Link, New Delhy-110003

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, ACQUISITION RANGE VI, **NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref No (Acq)/Range VI/37EE/11-86/98 — Whereas I, T K SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000/- and bearing No

Space Nos 1 to 7 in Vishal Tower in Plot No 10 Janakpuri

Distt Centge New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed herto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the 1 I Act, 1961 read with rule 448DD(4) of the Income Iax Rules 1962 in November 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space Nos 1 to 7 on 10th floor in Vishal Tower, approx area 3210 sq ft in Plot No 10, Janakpuri Distt Centre, New Delhi

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:

Dated 3rd July 1987. Seal:

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema Bldg., Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Jagdish Rai Satish Kumar, 19-Gold Link, New Delhi-110003. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE, 4/14-1, ASIF ALL ROAD ACQUISITION RANGE-VI NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A C. (Acq.)/Range-VI/37FF/11-86/99.— Whereas, I, T. K. SAH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing

No. Space No. 8 to 15, 10th Floor Vishal Tower, Plot No. 10 Janakoun Distt. Centre New Delhi,

instrument of transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and

has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986, for an apparent consideration which is 1 ss than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space Nos. 8 to 15 on 10th floor in Vishal Tower, approx. area 4358 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGG ARW \J HOUSE, 4/14 A, ASAF ALL ROAD ACQUISTION RANGE VI NIW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref No IAC (Acq)/Range VI/37EE/11 86/204 ---Whereas, I, T K SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs 5 00 000/- and bearing No Flat No 108, Plot No 26, Rajindra Place,

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been registered with the Competent Authority
u s 269 AB of the IT Act 1961 read with rule 48 DD (4)
of the Income Tax Rules 1962 in November 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have redson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sud Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) M/s Blaze Advertising (Delhi) Pvt Ltd Himalaya House, 10th Floor, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Trident Travel & Tours Pvt Itd 14 Jayant Apartments Ground Floor Pribhadevi Bombay-400 025

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plagati Towers II it No 108 Plot No 26 Rajindra Place. New Delhi 110008

> T. K SAH Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi 110002

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aconisition of the aforesa'd property by the issue of this notice office sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely

3 7 1987 Date Sea1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD ACQUISITION RANGE-VI NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37EE/11-86/205.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 109, Plot No. 26, Rajindra Place,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

18-216GI/87

(1) M/s Blaze Advertising (Delhi) Pvt. Ltd. Himalaya House, 10th Floor, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M 5 Trident Travel and Tours Pvt. Ltd. 14, Jayant Apartments, Ground Floor Prabhadevi, Bombay-400 025.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pragati Towers, Flat No. 109, Plot No. 26, Rajindra Place, New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Date: 3-7-1987

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD (COUISTTION RANGE-VI NI W DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37EE/11-86/206.—Whereas, I. T. K. SAII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing No. Flat No. 107, Plot No. 26, Rajindra Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u's 269 AB of the I.T. Act. 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income 'lax Rules 1962 in November 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattic, has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 M/s Blaze Advertising (Delhi) Pvt. Ltd. Himalaya House, 10th Floor.
 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
 (Transferor)

(2) M/s Trident Travel and Tours Pvt. Ltd. 14, Jayant Apartments, Ground Floor Prabhadevi, Bombay-400 025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeseld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Pragati Towers, Flat No. 107, Plot No. 26, Rajindra Place, New Delhi-110008.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I A.C. (Acq.)/Range-VI/37EE|11-86|207.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 8 on 7th Floor in Vishal Tower Janakpuri Distt. Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd. Etos Cinema, Bldg., Jangputa Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) M/s Seth Construction Co. 98, Farm Land, Ram Das Peph, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 8 on 7th Floor in Vishal Tower, Approx. area 599 sq. ft. in Plot No. 10, Janakputi Distt. Centre, New Delhi,

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delbi-110002

Date: 3-7-1987

- M/s. Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema, Bldg., Jangpura Extn., New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) M/s Seth Construction Co. 98 Farm Land, Ram Das Peph, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-VI

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Now Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI]37EE/11-86|208.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.
No. Space No. 6 on 7th Floor in Vishal Tower situated at New Delhi

transfer with the object of :-

No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi, No. 10, Janakpuri Disti. Centre, New Izelni, (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 6 on 7th floor in Vishal Tower, approx. area 247 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre. New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-7-1987

The second secon

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema Bldg. Jangpura, Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Seth Construction Co. 98, Farm Land, Ram Das Pepb, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI|37EE|11-86/209.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
No. Space No. 10 on 7th Floor in Vishal Tower 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u's 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986, for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 10 on 7th floor in Vishal Tower, approx area? 342 sq. ft. in plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Seth Associates, 98, Farm Land Ram Das Peph, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI|37EE/11-86|210.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Space No. 7 on 7th floor in Vishal Tower, in lot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in November 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Space No. 7 on 7th floor in Vishal Tower, approx. area 372 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/11/86|211.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herenafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 9 on 7th floor in Vishal Tower situated at New Delhi approx. area 599 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedulc-annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Nov 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason't believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema Bldg., Jangpura Extn., New Delhi.

Ram Dasspeph, Nagpur.

(Transferor)
(2) M/s. Seth Construction Co., 98, Farm Land

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Space No. 9 on 7th floor in Plot No. 10, approx. area 599 sq. ft. in Vishal Tower Janakpuri Distt. Centre, New Delhi."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi.

Dated: 3-7-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Amrit Lal Kohli, Pushpa Kohli B-5/54, Paschim Vihar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vijay Abrol 75, West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VII/37EE/11-86/202|166.—Whereas, J. SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 25/71, Punjabi Bagh

New Delhi.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Nov 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said .mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Plot No .25/71, Punjabi Bagh, New Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-7-1987

FORM NO. I.T.N.O.-

- (1) Amrit Lal Kohli, Pushpa Kohli B-5/54, Paschim Vihar, Delhi.
- (2) Sh. Bhupinder Chand Abrol 75, West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 26 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITIO NRANGE-VI, NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-III|37EE/11-86/203|167.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 25/71, Punjabi Bagh, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Com-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Nov 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay top under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the assemblishes of the said property - may be made in writing to the understand

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immorphile property, within 45 days from the date of the pulfilication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

"Plot No. 25/71, Punjabi Bagh, Delhi".

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——
19—216GI/87

Dated: 14-7-1987

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Probhat Mukerjee 1/57C, Dover Place, Calcutta.

(Transferor)

(2) Mrs. Gian Guibachan Singh, F-2/4, Vasant Vihai, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-86/3291.—Whereas, I, S. C. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-7/8, Vasant Vihar, New Delhi sa nated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transfered and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the J.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Fax Rules 1962 on November 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Single Storeyed-410 eq. yds. E-7/8, Vasant Vihar, New Delhi-Florinse Plinth.

Area 1800 sq. ft. (Appox).

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under submg persons, namely :--

Dated: 13-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/11-86/3292.—Whereas, I,

S. C. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
D-1/33, Vasant Vihar, New Delhi
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with
Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962
on November 1986
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

market value of the arctesant property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Baljit Minhas, E/12, Narain Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) (a) Sh. Vinod Chopra, 16A/13,
WEA, Kajol Bagh, New Delhi.
(b) Smt. Veena Chopra, 16A/13, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-1/33, Vasant Vihar, New Delhi. Floorwire Plinth Area Ground Floor 2758 Sq. ft., First Floor 2570 Sq. ft. Und Floor 734 sq. ft. Basement 2505 sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 13-7-1937

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-86/3295.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 412 & 412 A at 98, Nehru Place, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on November 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sanjeev Mehra R/o 22, Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi.

(Transferor) (2) Mrs. Indira Narain W/o Sh. Jai Narain & Sh. Jai Narain s/o Late Seth Jado Ram, R/o, 1, Shiv Mandir Marg, Lajpat Nagar-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412 & 412A at 98, Nehru Place, New Delhi. Area 861 sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Dated: 13-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-86/3298.—Whereas, 1,

S. C. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202 on 2nd fleor of Building A-3, Niti Bagb, New Delhi, situated at New Delhi dand more fully described in the Sabadal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred an dbas been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules 1962 on November 1986 market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Pal & Paul Builders Ltd., 70-Regal Bldg., Connaught Circus, New Delhi-110001.

(Trausferor)

(2) Miss Madhu Mehta d/o Shri Sunder Lal Mehta r/o C/o D. K. Mitra A-131, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor of building A-3 Niti Bagh, New Delhi.

Area of flat 2000 sq. ft.

S. Ç. GUPTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 13-7-1987

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. I. R. Kakar, 8 Sangam, 16 Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

(Transferor)

(2) M1. Raman Kapur, 37-D Napean Sea Road, Belmont Building, Bombay-400026.

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-86/3299.—Whereas, I, S. C. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/30, Shanti Niketan, New Delhi-110021

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred an dhas been registered with the Competent Authority 11/5 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules 1962 on November 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parties on the respective parties. the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(v) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/30, Shanti Niketan, New Delhi-110021 Total Floor wise plinth area of the House including the two grages two annexy Plot is about 4,000 sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No IAC/Acq-1/37EE/11-86/3301.—
Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
51, Paschami Marg, Vasant Vihar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the IT. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on November, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Ajcet Kaur & Mr Mohinder Singh
 North Towers, 28, Feroseshah Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) R. N. Sahni, 803, Akashdeep Building, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immov able propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

51, Paschami Marg, Vasant Vihar, New Delhi-110 057, Area 825.5 Sq. yds.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House
4/14, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 13-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Krishena Suri W/o Late Shri Ram Nath Suri J-186/A, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Washesher Chadha W/o Shri Washesher Nath Chadha C-5/7, Vasant Vihar, New Delhi-110 021.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-86/3303.—Whereus, I, S. C. GUPTA,

whereas, 1, S. C. GUPIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

RS. 1,00,000/- and bearing
Property Plot bearing No. 33, Street No. 3, situated at
Shanti Niketan, New Delhi-110021
(and more) fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read
with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962
on November, 1986
for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and residential plot bearing No. 33, street No. 3 Shanti Niketan, New Delhi-110021. Area 601 Sq. Yds.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 13-7-1987 Seal :

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/12-86/3309 —
Whereas, I, S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot 307 sq. yds. N-181, Panchshile Park,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule spread hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on November, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Mitter Sen Goyal C-14 B, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ishwar Kaur W/o Late Sh. Gurubux Singh F-62, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires interp
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N-181, Panchshila Park, New Delhi, Plot No 307 sq. yds Covered Area 1482.5 sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House 4/14, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following possons, namely:-20-216GI/87

Date: 13-7-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX .

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Rcf. No. IAC/Acq.I/37EE/11-86/3343.— Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 37, Sukhdev Vihar, Mg. 466 Sq. yds, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Comhas been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act. 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962

with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on November, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11- of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

(1) Sh. Jasbir Singh R/o E-29, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Mahavir Pershad

 Sn. Manayn Pershad
 Smt. Raj Kishori
 Sh. Vikram Pershad
 Sh. Vineet Pershad
 R/o 51, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

37. Sukhdey Vihar, New Delhi, measuring 466.7 Sq. yds.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aegarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 13-7-1987

Scal:

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. I.A.C (Acq)/Range-1/37EE/11-86/3353.—. Whereas, I, S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 206 at "Allied House' situated at 1 L.S.C., Madangir, Pushpa Viha, New Delhi, Area 520 Sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on November, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Allied Builder Pvt Ltd 401, Devika Tower, 6, Nehtu Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Davinder Tohan W/o Capt. K.B.S. Lohan & Miss Kiran Lohan D/o Capt. K. B. S. Lohan 177 A, Rajpui Road, Dehiadun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 at "Allied House" 1 L.S.C. Madangu, Pushoa Vihar, New Delhi, Measuring Super Budd Area 520 00 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1987

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT · COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-1/37EE/3-87/3312.—
Whereas, I. S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'aid Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 17, Street No. D-5,
situated at Vasant Vihar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered with the Competent Authority u s 269 AB of the IT. Act. 1961 read
with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962
on November, 1986
in March, 1987
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair tharket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Pyare Lal Shakuntla Devi R/o 1211, Barkely Street, Apartment No. 1, Santa Monika 90404 USA.

(Transferor)

(2) Shi i Mohinder Singh 15-A, Race Course, Dehradun Postal Address C/o M. S. International 985, Hamilton Road, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULED

Plot No. 17, Street No. D-5, Vasant Vihar New Delhi admeasuring 400 Sq. Yds.

> S. C. GUPTA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followlag persons, namely :-

Date: 13-7-1987

PART III-SEC. 11

(1) Anil Ramdas Mawani. FORM ITNS-

(2) Sagarmal Modi.

(Transferor)

8011

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR-ILC/37EE/40544/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2, Friends Co-op. Soty., Juhu, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to

market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Friends Co-op. Scty. Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II-C/37I.E//40544|86-87 on 27-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/C Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

Scal:

(1) Om Construction Pvt, Ltd.

والمراقع والمساورة فالعاد أكأو بالمراوع والمراوع

(Transferor)

(2) Mrs. Sorab Noshir Pochkhanawalla Sheroo Sorab Pochkhanawalla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 4th August 1987

No. AR.IC/37EE/W-232/86-87.-Whereas, I. G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. I lakh and bearing

A flat admeasuring 1575 sq. ft, on the 7th floor of the proposed bldg., Om Rattan on plot Nos. 70 & 71 Worli Division and one Car parking space

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11251 dt. 5-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 1575 sq. ft. on the 7th floor of the proposed building Om Rattan on plot Nos, 70 & 71 of Worli Division and one car parking space.

G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:-

Date: 4-8-1987

and a substitution of the substitution of the

FORM ITNS-

(1) Om Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

8013

(2) Farhad Noshir Pochkanawalla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref. No. AR. IC/37EE/W-233/86-87,—Whereas, 1, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing
A Flat admeasuring 1575 sq. ft. on the 8the floor of the proposed bldg. on Rattan on Plot Nos. 70 & 71 of Worli

Division

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11252 of 5-12-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arking from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 1575 sq. ft. on the 8th floor of the proposed building on Rattan on Plot Nos. 70 & 71 of Worli Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-I/37EE/11252/85-86 dated 5-12-1986,

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date: 4-8-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.-

- (1) Mrs. Pramila K. Botadkar & Others.
 - (Transferor)
- (2) Mr. Ashinkumar S. Shroff & Others.

whichever period expires later;

(Transforce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-IC ROOM NO. 261-A, AAYAKAR BHAVAN, **BOMBAY**

OF INCOME TAX

Bombay, the 4th August 1987

Ref. No AR.IC/37EE/P. 44/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ground floor & basement premises at "Atma-Ganga Apartments". Plot No. F.P. 1263B of TPS IV, Sonapur Lanc, Prabhadevi, Bombay, and more fully described in the Schedule annexed ereto), has been transforred and the same is registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 11249 on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor & basement premises at "Atma-Ganga Apartments". Plot No. F.P. 1263B of TPS IV. Sonapur Lane, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/11249 dt. 5-12-1986.

> G. P. GUJRATI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADJ/OT

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A-1, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this extice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-8-1987

Seal

FORM NO. ITNS-

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Robnsons.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC ROOM NO. 261-A AAYAKAR BHAVAN. BOMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref. No. AR.IC/37EF/W-229/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the liminovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 201, "PRATIKSHA" Builtup area—1700 SF* Plot No. 7 A, M.A. G. Rd., Worli, Bombay-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 11389 on 12-12-1986

11289 on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bellowe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

21-216GI/87

THE SCHEDULE

Hat No. 201, "PRATIKSHA" Builtup area—1700 SF ** Plot No. 7 A, M.A. G. Rd., Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under Sr. No. AR.I/37EE/11289/86-87 dated 12-2-1986

> G. P. GUJARATI Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

Date: 9-8-1987

(1) Om Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Farida Sam Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC ROOM NO. 261-A AAYAKAR BHAVAN, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/W-237/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI,

G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A flat admeasuring 788 sq. ft. of thereabouts on the 11th floor of the proposed bldg. Om Rattan on Plot Nos. 70 & 71 of Worli Division and one car parking space (and more fully described in the Schedule approved berefit)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), thas been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 1130R on 11-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1022 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here'by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 Λ flat admeasuring 788 sq. ft. of thereabouts on the 11th floor of the proposed bldg. Om Rattan on Plot Nos. 70 & 71 of Worli Division and one car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.1,371-E./11308/86-87 dated 11-12-1986.

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC. Bombay

Date: 4-8-1987 Seal:

FORM NO. I.T.N.S. 187

(1) Om Construction Pvt. L'd.

(2) Dr. Zarir Faroukh Udwedia

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC ROOM NO. 261-A AAYAKAR BHAVAN, **BOMBAY**

Bombay, the 4th August 1987

AR.1C/37EE/W-224/86-87.—Whereas, 1, Ref. No. G. P. GUJRATI.

G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe 'that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. A flat admeasuring 1575 sq. ft. on the 4th floor of the proposed bldg. Om Rattan on plot Nos. 70 and 71 of Worli Division and one core parking space.

and one car parking space.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in parsuance . Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

Dr. Faroukh Erachshah Udwadia.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 1575 sq. ft. on the 4th floor of the proposed bldg. Om Rattan on plot Nos. 70 and 71 of Worli Division and one car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, S. No. AR-I/37EE/11279/12-12-1986.

> G P GCURATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC. Bombay

Date: 4-8-1987

FORM ITNS----

(1) Vishnu J. Pandya

(Transferor) (Transferee)

(2) Smt. Laxmidevi Radhakrishan Purohi.t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC ROMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref. No. AR-IC/37EE, W-230,86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ownership flat being Flat No. G40 bldg. No. 50. Venus Co. op. Hsg. Society R. G. Thadhani Marg, Worli sea face,

Bombay-18 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the offic, of the Competent Authority at Bombay on 11250 dt. 5-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ownership flat being Flat No. G40 bldg. No. 50, Venus Co. op. Hsg. Society R. G. Thadhani Marg, Worli sea face, Bombay-18 having carpet area of 921 sq. ft.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/11250/ dt. 5-12-1986.

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 4-8-87

Scal:

(1) Speciality Formulations Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Cable Corporation of India Limited.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC ROMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref. No. AR-1C / 37EE / W-223 | 86-87. Whereas, I,

G. P. GUJRATI.

G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Office premises No. 702B admeasuring 3500 sq. ft. on 7th iloor, Poonam Chambers, (South Wing) Dr. A. B. Rd., Worh, Rombour 18

Bombay-18. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11235 dt. 2-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 702B admeasuring 3500 sq. ft. on 7th floor, Poonam Chambers, (South Wing) Dr. A. B. Rd., Worli, Bombay18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/11235 date 2-12-1986.

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-87

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref. No. AR-IC/37EE/W-221/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Ac., 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No.

Premises No. 306, on the 3rd floor of the building known as Kakad Chambers, 132, A. B. Road, Worli, Bombay-18 measuring carpet 4800 sq. ft. situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11258 dt. 8-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Smt. Chandravati Khandelwal Smt. Sunita Khandelwal

Mr. Harish C. Jain

(Transferor)

(2) M/s. Jaisons Partnership film constituted of Mr. Subash Harish Jain, Mr. Avinash H. Jain, Mr. P. Prakash H. Jain and

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 306, on the 3rd floor of the building known as Kakad Chambers, 132, A. B. Road, Worlt, Bombay-18 ad-measuring carpet 4800 sq. ft

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE 11258 date 8-12-1986.

G P GUIR \ I'I
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Date : 4-8-87 Seal :

(1) Mr. Abdul Khalik Bachooali Mrs. Zebuna Abdul Khalik Bachooali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Jalan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 4th Augus, 1987

AR-1C/37EE/W-222/86-87.—Whereas, I, Ref. No. G P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 135, 5th floor Madhuban B, Nutan Madhuban Co. op. Hsg. Society I td., Plot No 60-61, Worli Hill Estate,

Bombay-18.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11231 dt 2-12-1986 has been transferred and the same is registered under section

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 135, 5th floor Madhuban B. Nutan Madhuban Co. op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 60-61, Worli Hill Estate, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Compe'ent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/11231 date 2-12-1986,

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC. Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-8-87

Scal :

FORM I.T N.S.—--(1) Mrs. Anita Schgal, &

Mr. Kamal Seigal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Satish Chokshi Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC R. NO. 261-A, AAYAKAR BHAVAN BOMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref No. AR-IC/37EE/P-43/86-87—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Apartments Roy ble harayalla Rd. Rombay 23, Ruite no.

Alpa Apartments, Pochkhanawalla Rd, Bombay-23, Built up

area 1150 sq ſt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11247 da 5-12-1986

Bombay on 11247 da 5-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ied/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-an Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269p of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Alpa Apartments, Pochkhanwalla Road, Bombay-23, Built upa area 1150 sq ft

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S No ARIC/37EE/11247 dt. 5-12 1986

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IC Bombay

Date: 4-8-1987

Scal:

(1) Om Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Cawsi Hormusji Naterwalla.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC R. NO. 261-A, AAYAKAR BHAVAN BOMBAY

> > Bombay, the 4th August 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/W-236/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A flat admeasuring 787 sq ft. or thereaboutson the 11th floor of the proposed blds. Om Rattan on plot Nos 70 & 71 of Worli Division and one car parking space situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay 11255 on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
22—216GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 787 sq. ft or thereabouts on the 11th floor of the proposed bldg., Om Pattan on Plot Nos. 70 and 71 or Worli Division, and one car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Pombay under Sr. No. AR-IC/37EE/11255/ dt. 5-12-1986.

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date: 4-8-1987 Seal:

PURM LINK .

(1) Om Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sorab Minoo Pochkhanawalla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTTION RANGE-IC R. NO. 261-A, AAYAKAR BHAVAN BOMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref., No. AR-W /37EF / W-231 / 86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act, have reason to believe that the iramov-

as the satu Act, have reason to believe that the ramovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. a flat admeasuring 1575 sq. ft. on the 1st floor of the proposed bldg. Om Rattan on plot Nos. 70 & 71 of Worli Division and one car parking space situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay 11291 on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by majore than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-for Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wester-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 1575 sq. ft. on floor of the proposed bldg., Om Pattan on Plot Nos. 70 and 71 or Worli Division, and one car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/11291 dt. 12-12-1986.

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-IC Bombay

Date: 4-8-1987

FORM ITNS--

(1) Om Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahali Maneck Mistry. Saker Mahli Mistry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA '

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-LAX

ACQUISITION RANGE-IC R. NO. 261-A, AAYAKAR BHAVAN BOMBAY

Bombay on 4th August 1987

Ref. No. AR-IC/37EE/W-277/86-87.—Whereas, I,

G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have leasn to believe that the liminovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No.

A flat admeasuring 1575 sq. ft. on the 2nd floor of the proposed oldg., Om Ratian on plot Nos. 70 & 71 of Worli Division and one car parking space situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay 11248 on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeskid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 3.t, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

flat admeasuring 1575 sq. ft. the on 2nd floor of the proposed bldg., Om Pattan on Plot Nos. 70 and 71 or Worli Division, and one car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/11248 dt. 5-12-1986.

> G. P. GUIRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income ax Acquisition if non-Bombay

Now, theretore, in pursuable of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforestald prope to by the interest of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

Date: 4-8-1987

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Om Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Noshir Hormusji Wadia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IC R. NO. 261-Λ, AAYAKAR BHAVAN BOMBAY

Bombay, the 4th August 1987

Ref. No. AR-IC/37EE/W-225/86 87.—Whereas, I. G. P. GUJRATI,

G. P. GUJRATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A flat admeasuring 1575 sq. ft. on the 5th floor of the proposed bldg., Om Rattan on plot Nos. 70 & 71 of World Division and one car parking space situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred and the same is registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay-11280 on 12-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1575 flat admeasuring sq. ft. floor of the proposed bldg., Om Rattan on Plot Nos. 70 and 71 or Worli Division, and one car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/11280 dt. 12-12-1986.

> G. P. GUJRATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 4-8-1987

(1) Mr. Abhay Mchta.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No A.R.IIB/37EE/40495/86-87.—Whereas, I, M. S. RAL

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8 & 9 on the 2nd floor, kiran Kunj, Bldg. Garage on the Gr. [Ir. of the said bldg., 24th Rd., Khar, Bombay, 400,052

Bombay-400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Haiiram Assanand Fatnani & Smt. Sushila Hariram Fatnani.

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date ot the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat Nos. 8 & 9, 2nd Floor, Kiran Kirinj Bldg., & Garage on the Ground Floor of the said Bldg., 24th Road, Khar, Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under No. AR. IIB 37EE 40495/86-87 on 24-11-86.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9-7-1987.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

- (1) M/s National Building Corporation.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Mr. Amarchand Lakhmichand Narang.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No. A.R.11B/37EE 39780/86-87. - Whereas, I, M. S. LA1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the saud Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing Flat No. 601, 6th Floor, "Devgyan" building Plot No. 543-

544, Suburban Scheme No. VII, 17th Road Khar, Bombay-400052.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruent of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nowice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 601, 6th Floor, "Davgyan' Building, Plot No. 543-544, Suburban Scheme No. VII, 17th Road Khar. Bombay-400 052

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJIB 37FF 39780/86-87 on 3-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI Competent Author 5 Inspecting As istan Commissioner of Income-to-Acquisition Range-IIB, Bowley

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Γε. to ∂ = 9-7-1987. Seal:

(1) Shri Jitendra Mohan Nirula & Smt. Kusum Jitendra Nicula

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shir Hiralal Naraindas Lakhi,

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO 560, 51H IT OOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No. A.R 11B/37FE/40266/86-87.--Whereas, I, M. S RAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 11, 2nd Floor, Sea Queen Building, Plot No. 16,
H. No. 3, Juhu Tara Road, Juhu Santacruz(W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been truncfarmed and the same is registered under Section has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd Floor, Sea Queen, Bldg., Plot No. 16, H No. 3, Juhu Tara Rd., Juhu Santacruz (W), Bombay-49. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IIB/37EE/40266/86-87 on 21-11-1986.

> M. S. RAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-IIB Bombay,

Dated: 9-7-1987.

- (1) M, s National Building Corporation.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Bhagibhai Lakhmichand Narang.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BIIAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No. / P *** 375E 39779 8687.—Whereas, I.

Ref. No. 1
M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 701, 7th Floor, "Devgyan" Building, Plot No. 543-544 Suburban Scheme No. VII, 17th Road, Khar,

Bombay-400 052.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Bombay on 3-14-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, 'DEVGYAN' Building, Plot No. 543-544, Suburban Scheme No. VII, 17th Road, Khar, Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.IIB/37EE/39779/86-87 on 3-11-86.

> M. S. RAI Competent Authority
>
> Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9-7-1987. Seal:

(1) National Building Corpn.

(2) Mr. Mukesh Champaklal Babu,

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/40260/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 191, 1st I loor, Devshakti Bldg., F.P. No. 49 TPS II Tilak Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :— 23—216GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st Floor, Devshakti Bldg., F.P. No. 49, TPS.II, Tilak Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/40260/86-87 on 21-11-1986.

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB Bombay.

Dated: 9-7-1987.

(1) M/s Suresh Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

(2) Smt, Rekha Uday Shah,

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/40518/86-87.--Whereas, I. M. S. RAI,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 42, 4th Floor, Shantivan, Plot No. A-7, Jn. of 14th A Road, and South Avenue, Khar, Bombay-52.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-11-1986

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ranged of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th Floor, Shantivan, Plot No. A-7, Jn. of 14th A Road, and South Avenue, Khar, Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/40518/86 87 on 27-11-1986.

> M. S. RAI Authority Competent Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB Bombay.

Dated: 9-7-1987, Seal:

(1) Shri P. P. Mehra (Prithvi Prakash Mehra).

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shri Gul Pohumal Fabiani.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11B ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVI ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/39911/86-87.-Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Akash Co-op Hsg Sety. Ltd. Sarojini Road, Santačiuz (West), Bombay-400.054 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer said Act, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which live not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Ircome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Akash Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Sarojini Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IJB/37EE/39911/86-8/on 10-11-1986.

M. S. RAI Competent A that I, Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-IIB Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate trackedings for the acquisition of the avereaud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-7-1987.

FORM 1.T.N.S.---

(1) Kushna Constructions.

(Transferor)

(2) Pradeep G. Luthria and Neetu P. Luthria. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHL KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 3th July 1987

Ref. No. AR.11B/37EE/39817/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI.

M. S. RAI. •
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No 601, with terrace, 6th Floor, Kakad Villa, Saraswati

Road, Santacruz (W), Bombay-400 054. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betwee that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 601, with terrace, 6th floor, Kakad Villa, Saraswatı Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/39817/86-87 on 7-11-1986.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, hamely :-

Date: 9-7-1987

Seal .

FORM NO. ITNS - ----

(1) M/s. Krishna Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vandana Dayaldas Jaisingh and (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOOMBAY-400 020.

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No. A.R. IIB/37EE/39816/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Flat No. 301, 3rd floor in the building known as Kakad Villa at Saraswati Road, Santacruz (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than £ cen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor in the building known as Kakad Villa at Saraswati Road, Santacruz (W) Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIB/37EE/39816/86-87 on 7-11-86.

> M. S. RAI Corpetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 9-7-87 Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Ajay & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) Johny T. Paymaster. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560, 51H FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOOMBAY-400 020.

Bombay, the 9th July 1987

Ref. No. A.R. IIB/37EE/40291/86-87.—Whereas, I.

Ref. No. A.R. IIB/37EE/40291/86-8/.—wnereas, 1, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, alongwith Carparking space in "The Ark" S. V. Road, Santacruz, Bombay-400 054 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the conceanment of any answers moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this dotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, alongwith carparking space in "The Ark", S. V. Road, Santacruz, Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIB/37EE/40291/86-87 on 21-11-86.

M. S. RAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9-7-87

Scal:

(1) M/s. Kakad & Sons,

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramchand Sewaldas Bachani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOOMBAY-400 020.

Bombay, the 13th July 1987

Ref. No. A.R. IIB/37EE/40696/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI.

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3rd Floor, 'Kakar Court' Seth Niwas, 16th Road, Khar, Bombay. C.S. No. E/118 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at Bombay on 28-J1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 18ffeer par sont of such apparent consideration and that the fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3rd Floor, 'Kakad Court' Seth Niwas, 16th Road, Khar, Bombay. C.S. No. E/118.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIB/37EE/40696/86-87 on 28-11-86.

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Dated: 13-7-87

Scal:

(1) Mrs. Mrudula Vinod Mehta

(Tranaferor)

(2) Shti Subhash S. Muketji (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. ROOM NO 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAFARSHI KAPVE ROAD, BOOMBAY-400 020.

Bombay, the 13th July 1987

Ref. No. A.R. II /37J F / 39679/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. 501, Beacon Co-op. Hsg. Society, 144, Ram Krishna Mission Road, Santacruz (W), Bombay situated at Pombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

501, Beacon Co-op, Hsg. Society, 144 Rt Mission Road, Santucruz (W), Bombay-400 054. Ram Krishna

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIB/37EE/39679/86-87 on 3-11-1986.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bonneay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 26°D of the said Act, to the following persons, namely ;

Dated: 13-7-87

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MAHARSHI KARVE ROAD, BOOMBAY-400 020.

Bombay, the 13th July 1987

Ref. No. A.R. IIB/37EE/40516/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 9161 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Second Floor, Radrinath Bldg. Plot Nos. 458 &

Flat No. 8, Second Floor, Radrinath Bldg. Plot Nos. 458 & 459 15th Road, Khar, Bombay-400 052 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be Jeclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—24—216GI/87

- (1) Shri Thakurdas N. Manghwani & Another (Transferor)
- (2) Smt. Sheela Ramdas Galani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd Floor, Badrinath Bldg., Plot Nos. 458 & 459, 15th Road, Khar, Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bembay under No. AR. IIB/37EE/40516/86-87 on 27-11-86.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIB, Bombay

Da.ed: 13-7-87

(1) Smt. Zia Jaidev Mody and Shri Mukund R. Mody HUF

(Transferor)

(2) Smt. Madhuben Pritamlal Modi Shri Rajesh Pritamlal Modi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560, STIL FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOOMBAY-400 020.

Bombay, the 13th July 1987

Ref. No. A.R. 11B/37EE/40011/86-87.—Whereas, I. M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 10 on 5th floor Urmila Apartments, 19th Road. Khar (West) Bombay-400 052 situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 5th floor, Urmila Apartments, 19th Road, Khar (W) Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II-B/37EE/40011/86-87 on 17-11-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13-7-87

Scal:

PART III—SEC. 1]

8041

FORM ITNS-

(1) M/s Ajay & Co

(Transferor)

(2) Shii Madanlal Jhunjhunwala & Others

may be made in writing to the undersigned:

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO 560, 51H FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOOMBAY-400 020

Bombay, the 13th July 1987

Ref. No. A R. IIB/37EF/40290/86 87 —Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

ns the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing No Flat No 302, "The Ark", alongwith Carparking Space, S V Road, Santacriz, Bombay-400 054 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), las been transferred and the same is resistered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 302 "The Aik, alongwith Cai Paiking Space, S V. Road, Santacruz, Bombay

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IIB/37EE/40290/86-87 on 21-11-86

M S RAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Dated · 13 7-87

(1) M/s Suresh Enterprises

(Transferor)

(2) Smt Kilpana Sharad Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INLAA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, ROOM NO 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BIIAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOOMBAY-400 020

Bombay, the 13th July 1987

Rcf No A R IIB/37EL/40109/86-87—Whereas, I, M S RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the knowne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00,0 10 and bearing No

and bearing No Flat No 51 "Shantivan" Plot No A 7, In of 14th A Roud, and South Avenue, Khai, Bombay-400 052 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Compeaent Authority at

Bombay on 17 11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforese hars no within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;
- (b) by any o her person rate ested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPT ALLON — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, "Shintiyan" Plot No. A-7, Jn of 14th A Road, and South Avenue, Khar, Bombay 400 052

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR IIB/37EE/40109/86-87 on 17 11-1986

M S RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated 13-7-87

FORM I.T.N.S .--

(1) Shrimati Rajinder Kaur Sachar.

(Transferor)

(2) Mrs. Shobha P. Thakkar & Mr. Parashat L. Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAYAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 13th July 1987

Ref. No. A.R.IIB/37EE/39830/86-87.-Whereas, I, M. S. RAI,

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st Floor Gym View Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Plot No. 658, 16th Rd., Khar Gymkhana, Khar, Bombay-400 052

400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 264AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Compeannt Authority at at Bombay on 7-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st Floor, Gym. View Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Plot No. 658, 16th Road, Khar Gymkhana, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/39830/86-87 on 7-11-86.

> M. S. RAI Competent Authority Instecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Dated: 13-7-87.

FORM ITNS----

(1) M. s. Vijay Deep Developments,

(Transferor)

(2) Smt. Mrudula V. Mehta & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 13th July 1987

Ref. No. A.R.IIB/37EE/40294/86-87.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 71, "Gulmohar" Plot No. 152, Jn. of S. V. Rd. & 9th Rd., Khar, Bombay-400 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been tangerard, and the consequent is registered, under the consequent in a serie tanger.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein average defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 71, Gulmohar, Plot No. 152, Jn. of S. V. Rd. & 9th Rd., Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/40294/86-87 on 21-11-86.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

M. S. RAI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Dated: 13-7-87,

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Suresh Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Uday Nandlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 13th July 1987

Ref. No. ARIIB/37FF/40107/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI,

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 41, "Shantivan" Junction of 14th A Road, and South Avenue Road, Khar, Bombay-400 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is agristered and are

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-1986

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Session 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s.—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, "Shativan" Junction of 14th A Road and South Avenue Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/40107/86-87 on 17-11-1986.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB. Bombay

Lated: 13-7-87.

(1) Mr. Rajendra Kishore Agrawal.

Mr. Chatry Directoral Abrica

(2) Mr. Chatru Dipchand Ahuja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 13th July 1987

Ref. No. A.R.IIB/37FF/39767/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 15, Sushama of Jajoo Karnani Co-op. Hsg. Scty.
Ltd. Linking Rd., Extn. Santacruz (W), Bombay-400 054
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 7-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 15 Sushama of Jajoo Karnani Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Linking Road, Extn. Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/39767A/86-87 on 7-11-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIB,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-7-87.

Seal

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Suresh Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Sharad Nandlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 13th July 1987

Ref. No. AR.-IIB/37EE/40108/86-87.—Whereas, I. M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 52, Shantivan, Plot No. A-7, Jn. of 14th A Rosa,

and South Avenue Road, Khar, Bombay-400 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 17-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aso to which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-25-216GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Chapter XXA of the said are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, "Shantivan" Plot No. A-7, Jn. of 14th R Rd., and South Avenue Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.IIB/37EE/40108/86-87 on

17-11-86.

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Dated: 13-7-1987.

FORM ITNS----

(2) Smt. Usha Mukund Mody.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ssha Mukund Mody. Shri Pritamlal Bechar Bechardas Modi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IIB, ROOM NO. 569, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay 400 020, the 13th July 1987

Ref No. A,R IIB/37EE/40012 86-87.--Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinæfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and hearing

Flat No. 8, 4th Floor, Urmila Apattments, 19th Road, Khar (W) Bombay-400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per out. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 on 4th Floor Urmila Apartments, 19th Road, Khar (W), Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IIB/37FE/40012/86-87 on 17-11-86.

> M S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Dated: 13-7-1987.

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mr. T. S. Narayan.

(Transferor)

(2) Mr. Vaidyanathan Rajan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-JIB, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 13th July 1987

Ref. No. A.R.JIB/37EE/39988, 86-87 -- Whereas, I, M. S. RAI,

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plat No. 10. 5th floor Sagar Sahawas Co-cp. Hsg. Scty. Ltd. 423(1), Golf Link Road, Khar, Bombay-400 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-86

for an apparent comsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a loresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 5th Floor, Sagar Sahawas Co op. Hsg. Scty. Ltd., 423(1), Golf Link Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/39988/86-87 on 17-11-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-ItB, Bonibay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 13-7-1987.

(1) M/s Kakad & Sons

(Transferor)

(2) Mr Amul J Channani & Mrs Mohini J Chandnani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property tury he made in writing to the undersigned :---

CIOVERNMENT OF ISDAM

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IIB ROOM NO 560 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN MAHARSHI LARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 13th July 1987

Ref. No ARIIB/37EE 40692/86-87 - Whereas I,

M S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable secretary and the said Act') are reason to believe that the immovable secretary and the said Act's secretary said as the said Act.

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing 1- thin on 5th Floor 'KAKAD COURT Seth Niwas, 16th Road Khai, Bombay C S No 1/118 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 28-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- fb) facilitating the conscalment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whethever period expires is we
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

Explanation —The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat on 5th Floo Parad Court Seth was, 16th Road, Khai, Bombay CS No E/118

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomb by under No AR HB 37FE/40692/86-87 on

> M S RAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range IIB, Bombay

13-7-1987 Dated Seal

(1) Mr. Vinod Goenka.

(Transferor)

(2) Mr. Pramod Goenka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOK AYAKAR BHAVAN, MAHARSIII KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40018/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 601, 6th Floor 'Vaibhay, Plot No. 2,
Janki Kutii, Juhu Curch Road, Juhu, Bombay 400 049
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 17-11-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to
between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th Floor, Vaibhav, Plot No. 2, Janki Kutir, Juhu, Church Road, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40018/86-87 on 17-11-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If C
Bombay

Date: 14-7-1987

Seal

FORM ITNS-

(1) Elite (India) Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

8052

(2) M1. Prem R. Mehta & M18 Shiama Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-IIC' ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE 39791-B/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 'and bearing Flat No. 402, Mamta Apartments, Fourth Floor, Plot No. 308. Juhu Scheme Juhu Bombay-400 049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in 6the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oilicial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any incom, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Mainta Apaitments, Fourth Floor, Plot No. 308, Juhu Scheme Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE, 39791B/86-87 on 7-11-1986.

V. B GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II C
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-7-1987

FORM J.T.N.S.—--

(1) Mrs. Sarita D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil K. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40262/86-87,---Whereas, 1, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Flat No. 304, 3rd Floor, Marine End Apartments, Jhuu,

Tara Road, Juhu, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by source than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation: - The terms and expressions used berein s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Marine End Apartments, Juhu Tara Road, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40262/86-87 on 20-11-1986.

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: radior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferve for the purposes of the budies Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967):

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, (hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 14-7-1987

FORM TINE

(1) Viron Anirudha Patel & Naren Anirudha Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gulshan Gulamali Morani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD

Bombay-400 020, the 14th July 1987

BOMBAY-400 020

Ref. No. AR.IIC/37EF/40458/86-87.—Whereas, I. V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 101, Juhu Sagar Samrat Co.op. Housing Society Ltd. A.B. Nair Road, Juhu, Bombay-49

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 21-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the for consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the paid Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 cf 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Juhu Sagar Samrat Co-op. Housing Society Ltd., A.B. Nair Road, Juhu, Bombay-49.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.IIC/37EE/40358/86-87 on 21-11-1986,

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-7-1987

(1) M s Poonam Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh A Whabi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40418/86-87.—Whereas, I. V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-41 & 42 on 4th Flooi, Neha Apartments, C.T.S. No. 968, Juhu, Tara Road, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—216GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-41 & 42, 4th Floor, Neha Apartments, CTS No. 968, Juhu, Tara Road, Juhu, Bombay-49

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IIC 37EE/40418/86-87 on 21-11-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II C
Bombay

Date: 14-7-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri G. K. Nayak. Shri A. K. Nayak, Shri A. A. Nayak and Shri R. K. Nayak.

(Transferor)

(2) M's Lata Construction.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-LIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR. V. B. GUPTA, AR.IIC 37FE 404476/86-87.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 89, Paranipe 'B' Scheme No. 3, Hanuman Road, Vile Parle (E), Bombay-400 057

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- facilitating the concealment or any modern or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 89 Paranipe 'B' Scheme No. 3, Hanuman Road, Vile Parle (E), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40476/86-87 on 24-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II C Bombay

Date: 14-7-1987

ACTUAL TO A STATE OF THE STATE

FORMS ITNS-

(1) Sky Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Dineshchandra Dhuajlal Gandhi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAYAN, MAHARSHI KARYE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-4000 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40455/86-87.--Whereas, I, B. GUPTA,

V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Built-up area 746 SF Hemal, Plot No. 5, Hatkesh Nagar, Co-op. Housing Society Ltd., JVPD Scheme, Ville Parle (W), Bombay-56 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Built-up Area 746 SF Hemal Plot No. 5, Hatkesh' Nagar Co-op, Housing Society Ltd., JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC /37EF/40455/86-87 on 24-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

(1) Jimmy Gazdar.

(Transferor)

2) GTC Investments & Finance Ltd.

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-4000 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40.567/86-87.—Whereas, I, B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6B. 6th & 7th Floor, Gazdar Apartments Juhu Tara Road, Bombay-49

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 6B, 6th & 7th Floor, Gazdar Apartments, Juhu Tara Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IIC/37EE/40567/86-87 on 27-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the inne of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

(1) Sky Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vasumati Dineshehandra Gandhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/C AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020 the 14th July 1987

Ref. No. AR.II-C/37EE-40456/86-87.-Whereas, 1, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imto as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-, and bearing Flat No. 602, Built-up area 826 SF Hemal, Plot No. 5, Hatkesh Nagai Co-op. Hsg. Socy. Ltd., JVPD Scheme, Vile Parle (W). Bombay-400 056. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule encayed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, Built-up Area 826 SF "Hsmal" Plot No. 5, Hatkesh Nagar Co-op. Hsg. Soty, Ltd., JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II-C/37FE/40456/86-8/ on 24-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

Scal :

FORM ITNS

(1) Kalvanii Shamii Gala & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Malika Abdul Husein Merchant.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020 the 14th July 1987

AR.II-C/37EE '40548/86-87.-Whereas, I. Ref. No. V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 2nd floor, Shishir, 15-A, Juhu Tara Road, Bombay-400 049, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 2nd Floor, Shisir, 15-A, Juhu Tara Road, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II-C/37EE/40548/86-87 on 27-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II/C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-7-1987

(1) Natasha Merchant Trust,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurmeetsingh Dhody and Rita Dhody.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-4000 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II-C/37EE.40639/86-87.--Whereas, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th Floor, Palm Beach Gandhigram Road, July Bombay.

Juhu, Bombay,

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at ombay on 28-11-1986

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in

respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th Floor, Palm Beach, Gandhigram Road, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II-C/37EE/40639/86-87 on 28-11-1986.

V. B. GÚPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-7-1987

Compared to the contract of th

CONTRACTOR AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE P

FORM ITNS-

- (1) M/s. Kakad Developers.
- (Transferor) (2) Niranjan T. Rajdeo & Smt. Chandrika N. Rajdeo. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-4000 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II-C/37EE/40555/ ξ 6-87.---Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Proposed Flat on the part ground floor and part 1st floor of building to be known as "PARIJAT" at Road No. 10, JVPD Scheme, Juhu, Bombay.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 27-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- i by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Proposed Flat on the part ground floor and part 1st floor of building to be known as "Parijat" at Road No. 10, JVPD Scheme, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II-C/37EE/40555/86-87 on 27-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11/C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

(1) Shri Pandurang Mahadeo Sait & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Acmo Construction Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGOUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. A V. B. GUPTA, AR.H-C/37EE/40758/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Tilak Mandir Road, Vile Parle (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Weilthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Capter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tilak Mandir Road, Vile Parle (E), Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIrC/37EE/40758/86-87 on 28-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

27-216GI/87

Date: 14/7/1987

Scal-

FORM I.T.N.S.

- (1) M/s. Tina Steel (Family Trust).
- (2) Shri Suryakumar P. Ghanshani.

(Transferor) (Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAYAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II-C/37EE/39768/86-87.—Whereas, I. V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 22, 2nd Floor, Sanjay Plaza, A.B. Nair Road,
Juhu, Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 4-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mandy :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afercanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Sanjay Plaza, A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II-C/37EE/39768/86-87 on 4-11-1986,

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/C Bombay

Date: 14/7/1987

(1) M/s. Tina Steel (Family Trust).

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil Aggarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II-C/37EE/39769/86-87.—Whereas. I. V. B. GUPTA,

v. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 61, 6th Floor, Sanjay Plaza, A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-400 049 situated at Rombay

andler

situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 4-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax. Act. 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 24°D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th Floor, Sanjay Plaza, A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II-C/37EE/39769/86-87 on 4-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II/ Bombay

Date: 14/7/1987

(1) M/s. Tina Steel (Family Trust).

(Transferor)

(2) Mr. Sajjan D. Narwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAYAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II-C/37EE/39704/86-87.-- Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, 1st Floor, Sanjay Plaza, A. B. Nair Road, Juhu,

Bombay-400 049. situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 4-11-1986

for an apparent consderaton which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st Floor, Sanjay Plaza, A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II-C/37EE/39704/86-87 on 4-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/C Bombay

Date: 14/7/1987

(1) Bhikhoobhai Dahyabhai Topiwala & Others. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMR-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vinay Washeshshwaranath Kochar & Others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :---

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II/C ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II-C/37EE.40437/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Five fully paid shares in Jalpankhi Co. op. Hsg. Socy. Ltd. and incidental thereto all rights as a member of the society to use enjoy and occupy bungalow No. 4, situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 24/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Five fully paid shares in Jalpankhi Co- op. Hsg. Society Ltd. and incidental thereto all rights as a member of the society to use enjoy and occupy bungalow No. 4.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bon on 24-11-1986. Bombay under No. AR.II-C/37FE/40437/86-87

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition RangeIIC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14/7/1987 Scal:

FORM NO. ITNS

(1) Shri Vishnu Mahadev Kadam.

(2) Mr. S. S. Pol.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40683/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing At Sharadhanand Road, Vile Parle (F), C.T.S. No. 1582/1 & 1582/2-S. No. 117—H. No. 24—Area 506.07 sq. mts. with right to acquire final plot No. 190 bearing C.T.S. No. 1582 at Kunda Patkar Road, Vile Parle (E), Bombay-57. 57.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

& 1582/2—S. No. 117—H. No. 24—Area 506.07 sq. mts. with right to acquire final plot No. 190 bearing C.T.S. No. 1582 at Kunda Patkar Road, Vile Parle (E), Bombay-57. At Sharadhanand Road, Vile Parle (E), C.T.S. No. 1582/1

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40683/86-87 on 28-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-7-1987

(1) M/s. G. C Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Niranjna N. Shab.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC, ROOM No. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40529/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'seid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No 4, 2nd Floor, Madhuvan, Plot No. 9, Azad Nagar Society, J V. Schéme, Road, No. 1, Vile Parle (W), Bombay-

56.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1986

Aptiently at Homosy on 28-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd Floor, Madhuvan, Plot No. 9, Azad Nagar Society, J. V. Scheme, Road, No. 1, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IIC/37EE/40529/86-87 on 27-11-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date: 14 7-1987

Scal:

FORM ITHE

(1) M/s. Tina Steels (Family Trust).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Purshottam C. Budhrani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/39970/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the knoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 51, 5th Floor, Sanjay Plaza, A. B. Nair Road, Juhu, Bombay 60049.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreeds the apparent consideration therefore by more than afficient per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wester-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if arry, to the sequilition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by tany of the elemental persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the gublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th Floor, Sanjay Plaza, A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE/39770/86-87 on 24-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

Séal:

FORM NO. I.T.N.S. 187

(1) Mr. Shah Abbas Sadiq Ali Khan Alias.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. K. Shahnawaz & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 14th July 1987

Ret. No. AR.IIC/37EE/40704/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Pes 1.00,000/- and bearing No.

Hat No. 51, Floor, Sanjay Plaza, Juhu, Bombay-400049.

situated at Bombay

28-216GI/87

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair ma ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau ma ket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th Floor, Sanjay Plaza, Juhu, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40704/86-87 on 28-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Autthority Inspecting Assit, Commiss oner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

14-7-1987 Date

Seal

(1) M/s. Poonam Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Parveshrani Dhanpatrai Pahwa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5T HFLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40733/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 71, 7th Floor, Wing 'C', Neha Apartments,

С.Г.S. No. 968, Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 71, 7th Floor, Wing 'C', Neha Apartments, C.T.S. No. 968, Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.HC/37EE/40733/86-87 on 28-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 14-7-1987

- (1) Mr. Jayantilal Chhotalal Shah (Parekh) & Ors. (Transferor)
- (2) Mrs Geetha Mohandas Sheety & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ROOM NO. 560, 5T HFLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40524/86-87.--Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Jasmine, 12 Hatkesh Co-operative Housing J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (E), Bombay-56.

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule

annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jasmine, 12 Hatkesh Co-operative Housing J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (E), Bombay-56.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40524/86-87 on 27-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, in mely:--

Date: 14-7-1987

Scal;

(1) Mrs. Punam Malhotra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nicco Investments Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5T HFLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 14th July 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.IIC/37EE/39973/86-87,---Whereas, I. V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 1st Floor, New Monarch J.V.P.D. Scheme, Bombay-400049.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Authority at Bombay on 14-11-1986

Authority at Bombay on 14-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, New Monarch J.V.P.D. Scheme, Bombay-400049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/39973/86-87 on 14-11-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely :---

Date: 14-7-1987

Scal:

FORM ITNS-

(1) Smt. Suryakanta R. Shah & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Evershine Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AAYAKAR BHAVAN MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40715/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 801, situate at the Junction of Tejpal Road and Parleshwar Road, Vile Parle (East), Bombay-57. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

Authority at Bombay on **28-**11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-eaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument re transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 801, situate at the Junction of Tejpal Road and Parleshwar Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40715/86-87 on 28-11-86.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Date: 14-7-1987

(1) Mr. A. Gomes and M. B. Gomes.

(Transferor)

(2) Vijay Raheja

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY

Bombay-400 020, the 14th uly 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/4046& 86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding abie property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 964 & 965 of Village Juhu, Juhu Tara Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration tion for such transfer as agreed to beween he paries has not been truly stated in the instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 864 & 965 of village Juhu, Juhu Tara Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40468/86-87 on 24-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incorre-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

Light strategy of the operation

FORM ITNS-

(1) M/s. Saurabh Corporation

(Transferor)

(2) M/s. Aashit Construction

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Rcf. No. AR.IIC/37EE/40110/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land & Premises together with the structures standing the structures of land and the structures of land and the structures of land and land the structure of land and land the structures of land and land the structure of land the structure o

Piece of land & Premises together with the structures standing thereon situated a Final Plot No. 35B/1, T.P.S. II, C.T.S. No. 1071 (Part Azad Road, Santacruz (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by and other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land & Premises together with the structures standing thereon situated a Final Plot No. 35B/1, T.P.S. II, C.T.S. No. 1071 (Part) Azad Road, Santacruz (W).

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE/40110/86-87 17-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons namely:—

Date: 14-7-1987

Scal:

(1) Manohar Purushottam Kharkar

(Transferor)

(2) Vinodkumar Shrikrishnan Poddar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN,
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40689/86-87.—Whereas, I. V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 12, with structures standing thereon at Juhu, Taluka

Plot No. 12, with structures standing thereon at Juhu, Taluka Andheri, Admeasuring 800 sq. yards—660.88 sq. metres, bearing C.T.S. No. 586.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writin gto the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in me said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, with structures standing thereon at Juhu, Taluka Andheri, Admeasuring 800 sq. yards—660.88 sq. metres, bearing C.T.S. No. 586.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40689/86-87 on 28-11-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date: 147-1987

- (1) Shri T. V. Kapadia & Others
- (Transferor)
- (2) M/s Acme Combines

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY

Bombay-400 020, the 14th July 1987

Ref. No. AR. IIC/37EE/40512/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No.

1105 sq. yards., as per documents and 1001 sq. yards as per City Survey Record with 4 Tenants occupying 2300 Sq. ft. Carpet area to be settled, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1105 sq. yards., as per documents and 1001 sq. yards as per City Survey Record with 4 Tenants occupying 2300 Sq. ft. Carpet area to be settled.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IIC/37EE/40512/86-87 on 24-11-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date: 14-7-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Shantagauri Shankarlal Bhatt
- (2) M/s. Unique Construction Co.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC ROOM NO. 560, 5TH FLOOR AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD **BOMBAY**

Bombay-400 020, the 14th July 1987

AR. HC/37EE/40299/86-87.—Whereas, I, No. V. B. GUPTA,

V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot C, Hem Colony, Kailash Swami Vivekanand Road. Vile Parle (W), Bombay-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1986

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons whin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot C, Hem Colony, Kailash Swami Vivekanand Road. Vile Parle (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC 37EE/40299/86-87 on 21-11-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby 'striate proceedings for the acquisition of the aforesaid pror by the issue of this notice under sub-section (1) of S on 269D of the said Act. to the 'collowing persons, namely :--

Date: 14-7-1987